kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

वर्ष-15 | अंक-48 | बुधवार, 18 मार्च 2026 | नगर संस्करण | लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित | मूल्य- ₹ 3.00 | पृष्ठ-12

कई अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि इस योजना से बच्चों के नामांकन, उपस्थिति और स्कूल में टिके रहने की दर में वृद्धि हुई है, साथ ही उनकी सीखने की क्षमता और शैक्षणिक प्रदर्शन में भी सुधार हुआ है। **द्रौपदी मुर्मु**

निर्यात किया सामान वापस आने पर आयात नहीं माना जाएगा : सरकार 11

धामी ने किया प्रयास बेहतर कल के लिए पुस्तिका का विमोचन 12

संक्षेप

पुलिस भर्ती बोर्ड के बाहर गो-सेवक ने आत्मदाह का प्रयास किया

लखनऊ। विधानसभा मार्ग स्थित उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती बोर्ड मुख्यालय के बाहर गौ-सेवक दीपक शर्मा ने आत्मदाह का प्रयास किया। हालांकि खुद पर पेट्रोल उड़ेलने से पहले ही पुलिस कर्मियों ने दीपक को पकड़ लिया। पुलिस दीपक को हुसैनगंज थाने लेकर पहुंची, जहां पूछताछ के बाद बुलन्दशहर पुलिस को सूचना दे दी। एसीपी हजरतगंज विकास जायसवाल के मुताबिक दीपक शर्मा मूल रूप से बुलन्दशहर के ब्लाक दानपुर गांव के रहने वाले हैं। दीपक दोपहर शीशी में पेट्रोल लेकर पुलिस भर्ती बोर्ड मुख्यालय के पास पहुंचे थे। पुलिस पहले से ही अलर्ट थी।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिए 1,111 केंद्रीय पर्यवेक्षक तैनात

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग ने असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में होने वाले विधानसभा चुनावों के साथ-साथ छह राज्यों में होने वाले उपचुनावों के लिए 1,111 केंद्रीय पर्यवेक्षकों को तैनात किया है। मंगलवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि इन पर्यवेक्षकों में सामान्य, पुलिस और व्यय अधिकारी शामिल हैं। इन्हें चुनाव आयोग के ''आंख और कान'' के रूप में वर्णित किया गया है, जो चुनावी प्रक्रिया के दौरान जमीनी स्तर पर निगरानी रखेंगे। आयोग के अनुसार सामान्य पर्यवेक्षक की संख्या 557, पुलिस पर्यवेक्षक 188 तथा व्यय पर्यवेक्षक 366 होगी। इनको 832 विधानसभा क्षेत्रों और उपचुनाव वाली सीटों पर तैनात किया जायेगा। आंकड़ों के अनुसार, चुनावी राज्यों में पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 294 सामान्य पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। इसके बाद तमिलनाडु में 136, असम और केरल में 51-51, और पुडुचेरी में 17 तथा उपचुनाव वाले राज्यों के लिए आठ सामान्य पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। पश्चिम बंगाल में उच्च तैनाती राज्य के चुनावी इतिहास और राजनीतिक संवेदनशीलता को देखते हुए की गई है। पश्चिम बंगाल में 84 पुलिस पर्यवेक्षकों के साथ -साथ तमिलनाडु में 40, असम में 35, केरल में 17, पुडुचेरी में चार तथा उपचुनाव वाले राज्यों में आठ पुलिस पर्यवेक्षकों की तैनाती की गयी है।

केंद्र ने छह शहरों से शुरू की समय बचाने वाली दो स्पीड पोस्ट सेवाएं

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने डाक विभाग की नई प्रीमियम सेवाओं की शुरुआत की है। इन सेवाओं के नाम '24 स्पीड पोस्ट', '24 स्पीड पोस्ट पार्सल' और '48 स्पीड पोस्ट' रखे गए हैं। इनका मुख्य उद्देश्य समय पर पहुंचने वाले जरूरी सामान की डिलीवरी को और तेज करना है। इस मौके पर केंद्रीय संचार मंत्री ग्रामीण डाक सेवा की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि इंडिया पोस्ट के पास दुनिया का सबसे बड़ा और गहरा नेटवर्क है।

काबुल में मातम

पाकिस्तान की अफगानिस्तान में एयरस्ट्राइक, 400 की मौत, 250 घायल

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान की सेना पर राजधानी काबुल में नशा मुक्ति केंद्र पर हवाई हमला करने का आरोप लगाया, जिसमें कम से कम 400 लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी मंगलवार को अल जज़ीरा ने दी।

हालांकि पाकिस्तान ने इस दावे को झूठा और जनमत को गुमराह करने वाला बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि उसने सोमवार को केवल काबुल और नांगरहार प्रांत में सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया था। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के उप प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत के अनुसार, काबुल के उमर व्यसन उपचार अस्पताल पर हमला स्थानीय समयानुसार सोमवार रात लगभग नौ बजे (16:30 जीएमटी) हुआ। उन्होंने एक्स पर लिखा कि अस्पताल में 2,000 बिस्तरों की क्षमता है और इस हमले में इमारत के बड़े हिस्से नष्ट हो गए। उन्होंने आगे कहा, दुर्भाग्यवश, मृतकों की संख्या अब तक 400 तक पहुंच चुकी है और लगभग 250 अन्य लोग घायल हुए हैं। बचाव दल वर्तमान में घटनास्थल पर मौजूद हैं और आग पर काबू पाने एवं पीड़ितों के शवों को निकालने का काम कर रहे हैं। अफगान सरकार के एक अन्य प्रवक्ता ज़िबहुल्लाह मुजाहिद ने अस्पताल हमले की निंदा करते हुए कहा कि पाकिस्तान ने एक बार फिर अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है और काबुल में एक नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाया है। उन्होंने एक्स पर कहा कि अफगान सरकार ऐसे कृत्य को सभी स्वीकृत सिद्धांतों एवं मानवता के विरुद्ध

❐ तालिबान का आरोप, नशा मुक्ति सेंटर पर बम गिराए, पाकिस्तान ने किया खारिज

अपराध मानती है। वहीं पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के प्रवक्ता मोशर्रफ जैदी ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि काबुल में किसी भी अस्पताल को निशाना नहीं बनाया गया। एक्स पर एक पोस्ट में, पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने कहा कि हमलों में ''काबुल और नंगरहार में अफगान तालिबान और अफगानिस्तान स्थित पाकिस्तानी लड़ाकों के सैन्य प्रतिष्ठानों एवं आतंकवादी समर्थन अवसंरचना को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि इन सुविधाओं का उपयोग निर्दोष पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ किया जा रहा था। मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा की गई लक्षित कार्रवाई सटीक एवं सावधानीपूर्वक थी ताकि कोई भी अप्रत्यक्ष नुकसान न हो। मंत्रालय ने कहा कि अफगान प्रवक्ता मुजाहिद का दावा पाकिस्तान विरोधी भावना भड़काने और तालिबान द्वारा सीमा पार आतंकवाद के लिए अवैध समर्थन को छिपाने के उद्देश्य से किया गया है।

पाकिस्तान की ओर से ये टिप्पणियां संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से आतंकवाद से निपटने के प्रयासों को तुरंत तेज करने के आह्वान के कुछ घंटों बाद आईं। पाकिस्तान काबुल पर सशस्त्र समूहों, विशेष रूप से पाकिस्तानी तालिबान को

काबुल में अस्पताल पर पाकिस्तान का हमला अमानवीय कृत्य : भारत

नयी दिल्ली। भारत ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक अस्पताल पर पाकिस्तान के हमले को कायरतापूर्ण और अमानवीय कृत्य बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि भारत सोमवार की रात काबुल के ओमिद नशा मुक्ति अस्पताल पर पाकिस्तान के बर्बर हवाई हमले की कड़ी निंदा करता है। यह हिंसा का एक कायरतापूर्ण और अमानवीय कृत्य है, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों की जान चली गई। इस अस्पताल को किसी भी तरह ● शेष पेज 11 पर

पनाह देने का आरोप लगाता रहा है जिसके बारे में उसका कहना है कि वह पाकिस्तान में हमले करता है। इससे पहले, अफ़गान अधिकारियों ने कहा कि सोमवार को दक्षिण-पूर्वी अफ़गानिस्तान में हुई गोलीबारी में दो बच्चों सहित चार लोग मारे गए और 10 अन्य घायल हो गए। प्रांतीय गवर्नर के प्रवक्ता मुस्तग़फ़र गुरबाज़ ने कहा कि पाकिस्तान से दागे गए मोर्टार के गोले खोस्त प्रांत के गांवों में गिरे और कई घरों को नष्ट कर दिया। दोनों देशों के बीच पिछले महीने उस समय झड़प शुरू हुई जब पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में हवाई हमले किए जिसमें इस्लामाबाद ने सशस्त्र समूहों को निशाना बनाने की बात की। अफगानिस्तान ने इन हमलों को अपनी संप्रभुता का उल्लंघन बताया और जवाबी हमला किया।

होर्मुज का रास्ता खुलवाने से नाटो देशों का इनकार

ईरान के साथ जंग में अकेले पड़े ट्रम्प

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी। ईरान में खामेनेई समेत 40 से भी ज्यादा अधिकारियों के मारे जाने के बाद अमेरिका को यह जंग बड़ी कामयाबी नजर आ रही थी। लेकिन 17 दिन बाद हालात बदल चुके हैं। युद्ध का कोई साफ अंत नजर नहीं आ रहा है।

ईरान ने जवाब में होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते तेल आपूर्ति रोक दी, जिससे दुनिया की अर्थव्यवस्था पर बड़ी चोट पहुंची है। ट्रम्प अब अपने सहयोगी नाटो देशों से होर्मुज में रास्ता खुलवाने की अपील कर रहे हैं। हालांकि इन देशों ने साफ कर दिया है कि वे होर्मुज स्ट्रेट में अपने वॉरशिप नहीं भेजेंगे। यह फैसला ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अगर नाटो देश इस अहम समुद्री रास्ते को फिर से खोलने में मदद नहीं करते, तो नाटो का भविष्य खराब हो सकता है।

द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी ने साफ कहा है कि वह किसी भी सैन्य कार्रवाई में हिस्सा नहीं लेगा। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा कि इस मामले में कभी कोई फैसला नहीं हुआ, इसलिए जर्मनी के सैन्य योगदान का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान की मौजूदा सरकार खत्म होनी चाहिए, लेकिन बमबारी करके उसे झुकाना सही तरीका नहीं है। जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने भी अमेरिका पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि यह यूरोप का युद्ध नहीं है और ● शेष पेज 11 पर

इजरायली हमले में ईरान के शीर्ष सुरक्षा प्रमुख अली लारीजानी मारे गए

तेल अवीव। ईरान के रक्षा मंत्रालय ने स्वीकार कर लिया है कि इजरायल के हमले में उनके शीर्ष सुरक्षा प्रमुख अली लारीजानी मारे गए हैं। इससे पहले इजरायली मीडिया ने मंगलवार को दावा किया था कि इजरायली सेना ने ईरान की 'सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल' के सचिव और शीर्ष सुरक्षा प्रमुख अली लारीजानी को निशाना बनाकर हमला किया जिसमें उनकी मौत हो गयी। 'टाइम्स ऑफ इजरायल' की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली सेना के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एयाल ज़मीर ने एक बयान में कहा कि रात भर चले सैन्य अभियानों में ''महत्वपूर्ण खात्मे संबंधी उपलब्धियां'' दर्ज की गई हैं। जनरल ज़मीर के इन संकेतों को अली लारीजानी पर हुए हमले से जोड़कर देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन कार्रवाइयों ● शेष पेज 11 पर

किसी भी उम्र का बच्चा गोद लेने पर मातृत्व अवकाश

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि अब किसी भी उम्र के बच्चे को गोद लेने वाली महिला को 12 हफ्ते की छुट्टी मिलेगी। सिर्फ 3 महीने से कम उम्र के बच्चे को गोद लेने पर ही छुट्टी देना गलत है।

जस्टिस जेबी परदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच सोशल सिक्योरिटी कोड, 2020 से जुड़े मामले की सुनवाई कर रही थी। इस दौरान बेंच ने धारा 60(4) को असंवैधानिक करार देते हुए बच्चे की उम्र 3 महीने से कम होने के नियम को रद्द कर दिया। हमसानंदिनी नंदूरी ने इस मामले में जनहित याचिका दाखिल की थी। उन्होंने कहा था कि उम्र के आधार पर छुट्टी देना गलत है और यह संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता के अधिकार) का उल्लंघन है। इसके अलावा कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह पितृत्व अवकाश (पिता की छुट्टी) को भी कानून

❐ अभी उम्र 3 महीने से कम होना जरूरी, सुप्रीम कोर्ट बोला- पितृत्व अवकाश पर भी कानून बने

में शामिल करे। कोर्ट ने कहा कि इसकी अवधि माता-पिता और बच्चे की जरूरतों के अनुसार तय होनी चाहिए। पितृत्व अवकाश को कानून में शामिल किया जाना चाहिए, क्योंकि बच्चे की देखभाल सिर्फ मां की जिम्मेदारी नहीं है।

गोद लेने वाली मां के लिए 3 महीने की उम्र की शर्त गलत और भेदभावपूर्ण है। यह संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता के अधिकार) का उल्लंघन है। पितृत्व अवकाश को सामाजिक सुरक्षा लाभ के रूप में मान्यता देने के लिए केंद्र सरकार कानून बनाए। इस छुट्टी की अवधि माता-पिता और बच्चे की ● शेष पेज 11 पर

लोक सभा ने आठ सदस्यों का निलंबन तत्काल प्रभाव से समाप्त किया

नयी दिल्ली। लोकसभा ने आठ सदस्यों का निलंबन वापस लेने के प्रस्ताव को मंगलवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया, जिससे उनका निलंबन तत्काल प्रभाव से समाप्त हो गया।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि ध्यानाकर्षण सूचना 374 के खंड दो के तहत वह आठ सदस्यों के निलंबन को वापस लेने का प्रस्ताव रखते हैं। उन्होंने कहा कि निलंबित सदस्यों का निलंबन वापस लिया जाये। इसके बाद प्रस्ताव को सदन ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। इस पर अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित हो गया है, अतः आठ सदस्यों का निलंबन तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाता है। इससे पहले कांग्रेस के के. सुरेश ने कहा कि कांग्रेस के सात और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के एक सदस्य का निलंबन दुखद है। कल श्री बिरला की अध्यक्षता में हुई बैठक मे इस पर व्यापक चर्चा की गयी। सत्ता और विपक्ष के नेताओं ने अपना-अपना पक्ष रखा। बैठक में सभी सदस्यों का मत था कि सदस्य सदन में ● शेष पेज 11 पर

24 घंटे में पीएनजी कनेक्शन

एजेंसी

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर सरकार ने पाइप के माध्यम से रसोई गैस का पीएनजी कनेक्शन लेने वालों के लिए प्रोत्साहन योजना शुरू करने के साथ- साथ नये आवेदनों को 24 घंटे में मंजूरी देने का निर्णय लिया है। उपभोक्ताओं को रसोई गैस सिलेंडर आसानी से उपलब्ध कराने के लिए सरकार जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ व्यापक अभियान चला रही है । इसके तहत पिछले कुछ दिनों में देश भर में लगभग 12,000 छापे मारे गए हैं और लगभग 15,000 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। उत्तर प्रदेश में दस लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा घरेलू एलपीजी का उत्पादन भी 38 प्रतिशत बढ गया है।

पेट्रोलियम मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने पश्चिम एशिया के संकट से उत्पन्न स्थिति की जानकारी देने के लिए बुलाये गये संवाददाता सम्मेलन में मंगलवार को बताया कि केन्द्र सरकार वाणिज्यिक एलपीजी उपभोक्ताओं को पीएनजी में स्थानांतरित करने की कोशिश

❐ पाइपलाइन बिछाने के लिए तमाम मंजूरियों की जरूरत नहीं

❐ घबराकर बुकिंग न करें, वैकल्पिक ईंधन अपनाएं : सरकार

❐ एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ देशभर में 12,000 छापे, 15,000 सिलेंडर जब्त

कर रही है। केन्द्र ने राज्य सरकारों को पत्र लिखकर उनसे अनुरोध किया है कि पीएनजी की नयी पाइपलाइन बिछाने के लिए सभी अनुमतियां स्वीकृति मानी जाएं और स्थानीय प्राधिकरण द्वारा लगाए जाने वाले सड़क पुनर्स्थापन और अनुमति शुल्क को माफ किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस दिशा में जीएएल अथॉरिटी ऑफ इंडिया पहले ही सभी सीजीडी कंपनियों के साथ बैठक कर चुकी है। इसके अलावा, पीएनजी आरबीआई ने भी एक परामर्श जारी किया है। श्रीमती शर्मा ने कहा हमारी सीजीडी कंपनियां जैसे आईजीएल, एमजीएल, जीएएल इंडिया और बीपीसीएल ने उन कंपनियों के लिए विभिन्न प्रोत्साहन घोषित किए हैं जो पीएनजी कनेक्शन लेना चाहती हैं। इसी प्रकार, भारत सरकार ने सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखा है। उनसे अनुरोध किया गया है कि पाइपलाइन बिछाने की सभी अनुमतियों को स्वीकृत माना जाए। उन्होंने कहा कि नए आवेदनों को 24 घंटे के भीतर मंजूरी दी जानी चाहिए। राज्य सरकार या स्थानीय प्राधिकरण द्वारा लगाए जाने वाले सड़क पुनर्स्थापन और अनुमति शुल्क को माफ किया जाना चाहिए साथ ही कार्य समय और कार्य अवधि में भी छूट दी जानी चाहिए। संयुक्त सचिव ने कहा कि एक नोडल प्राधिकरण भी नियुक्त किया जाना चाहिए ताकि समन्वय बना रहे और कार्य तेजी से किए जा सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि एलपीजी के ● शेष पेज 11 पर

हर मंडल में आधुनिक ट्रॉमा सेंटर बनेगा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। हादसे में घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराने की दिशा में अहम कदम उठाया जाएगा। यूपी के सभी 18 मंडलों में आधुनिक ट्रॉमा सेंटर विकसित किया जाएगा, ताकि गंभीर मरीजों को लखनऊ के ट्रॉमा सेंटर की तरफ रुख न करना पड़े। इससे केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर में मरीजों का दबाव कम होगा। मरीज को समय पर बेहतर इलाज भी मिल सकेगा। यह सलाह डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने दी। मंगलवार को केजीएमयू के साइटिफिक कन्वेंशन सेंटर में ट्रॉमा एंड इमरजेंसी केयर रोडमैप फॉर ट्रॉमा एंड इमरजेंसी नेटवर्क विषय पर कार्यशाला हुई। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि पांच साल पुराने सभी मेडिकल कॉलेजों में इमरजेंसी मेडिसिन विभाग खोला जाएगा।

इससे इमरजेंसी में आने वाले मरीजों को और बेहतर इलाज मिल सकेगा। वहीं

❐ पांच साल पुराने मेडिकल कॉलेजों में इमरजेंसी मेडिसिन विभाग खोला जाएगा

लेवल एक के ट्रॉमा सेंटर प्रत्येक मंडल में बनाए जाएं। इसके तहत प्रमुख हाईवे, शहर में ट्रॉमा सेंटरों का नेटवर्क तैयार किया जाए, ताकि घायलों को गोल्डन आवर में इलाज मुहैया कराकर जान बचाई जा सके। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों के एमबीबीएस डॉक्टरों को ट्रॉमा केयर में प्रशिक्षण दिया जाए। छह माह के प्रशिक्षण के बाद उन्हें डिप्लोमा या सर्टिफिकेट प्रदान किया जाए। ● शेष पेज 11 पर

कैलाश मानसरोवर की यात्रा से लौटे 555 श्रद्धालुओं को सीएम योगी ने प्रदान की 1-1 लाख की सहायता राशि

बढ़ती आस्था के बीच तीर्थ स्थलों पर सुविधाओं का विस्तार

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में कैलाश मानसरोवर यात्रा से लौटे 555 श्रद्धालुओं को 1-1 लाख की सहायता राशि वितरित करते हुए आस्था, संस्कृति और विकास के समन्वय का स्पष्ट संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ जैसे आयोजनों में उमड़ी करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था न केवल भारत की सांस्कृतिक शक्ति को दर्शाती है, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी नई गति देती है। इसी दृष्टि के साथ सरकार तीर्थ यात्राओं को सुविधाजनक, सुरक्षित और व्यापक बनाकर 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को मजबूत कर रही है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा से लौटे श्रद्धालुओं का अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कठिनाइयों, चुनौतियों और विषम प्राकृतिक परिस्थितियों के बीच इस यात्रा को पूर्ण करना एक अद्भुत आध्यात्मिक अनुभव है। भारतीय सनातन

योगी बोले

❐ तीर्थ यात्राओं से मजबूत हो रहा 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का संकल्प

❐ काशी, अयोध्या और मथुरा-वृंदावन जैसे प्रमुख तीर्थ स्थलों पर बढ़ती भीड़ चुनौती भी और अवसर भी

❐ धार्मिक पर्यटन से विकास और रोजगार को बढ़ावा, महाकुंभ बना आस्था के साथ आर्थिक मजबूती का बड़ा उदाहरण

❐ महाकुंभ में श्रद्धालुओं ने अफवाहों को नकारा, आस्था को रखा सर्वोपरि:

परंपरा में तीर्थ यात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोने का सशक्त माध्यम रही है। पूर्वकाल में लोग अपने परिश्रम से अर्जित संसाधनों का उपयोग यात्रा व सेवा में करते थे, जिससे उन्हें पुण्य के साथ-साथ समाज को समझने की नई दृष्टि मिलती थी। भारत के धर्मस्थलों की स्थापना के पीछे भी यही भावना रही है। आदि शंकराचार्य द्वारा चारों दिशाओं में पीठों की स्थापना इस सांस्कृतिक एकता का प्रमाण है, जब अलग-अलग शासन व्यवस्थाओं के बावजूद भारत एक सांस्कृतिक राष्ट्र के रूप में स्थापित था। आज भी यह परंपरा जीवित है और आवश्यक है कि धार्मिक यात्राओं में श्रद्धा को सर्वोपरि रखते हुए उनकी पवित्रता व गरिमा को बनाए रखा जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां इन मूल्यों से प्रेरित होती रहें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए वर्ष 2017-18 में गाजियाबाद में कैलाश मानसरोवर भवन का निर्माण कराया गया, जो यात्रा का पहला पड़ाव है और जहां विदेश मंत्रालय की आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होती हैं। बदलते समय के साथ तीर्थ यात्राओं का स्वरूप भी बदला है। अब श्रद्धालुओं की संख्या तेजी से बढ़ी है। वर्ष 2025 में प्रदेश में करीब 164 करोड़ श्रद्धालुओं का आगमन हुआ, जिनमें 66 करोड़ केवल प्रयागराज महाकुंभ में पहुंचे। काशी, अयोध्या और मथुरा-वृंदावन जैसे प्रमुख तीर्थ स्थलों पर श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या एक ओर चुनौती है तो दूसरी ओर अवसर भी। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार आवागमन, ठहरने और अन्य मूलभूत सुविधाओं को लगातार सुदृढ़ कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा विदेश में होने के कारण वहां की भौगोलिक और प्रशासनिक चुनौतियां बनी रहती हैं, ऐसे में भारत सरकार और प्रदेश सरकार देश के भीतर ही बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करा सकती हैं, जबकि आगे की यात्रा में अन्य देशों के सहयोग की आवश्यकता होती है। कठिन परिस्थितियों के बावजूद श्रद्धालु अपनी आस्था के बल पर भगवान शिव के दर्शन के लिए यह यात्रा पूर्ण करते हैं। सीएम योगी ने बताया कि ● शेष पेज 11 पर

बहुगुणा ने उत्तर प्रदेश के विकास को प्रदान की नई ऊंचाइयां : योगी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धा निवेदित की। मुख्यमंत्री योगी ने स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा को लोकप्रिय राजनेता, कुशल प्रशासक व स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बताया। उन्होंने कहा कि बहुगुणा ने उत्तर प्रदेश के विकास को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा का जन्म तत्कालीन उत्तर प्रदेश (वर्तमान उत्तराखंड) के जनपद पौढ़ी के एक छोटे से गांव में हुआ था। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा गांव में ही अर्जित की। आगे की शिक्षा के लिए उन्होंने प्रयागराज की भूमि को चुना। वहीं उच्च शिक्षा ग्रहण करने के दौरान वह छात्रनेता के रूप में देश के स्वाधीनता आंदोलन से जुड़े। उन्होंने देश की स्वतंत्रता के साथ ही सामाजिक जन-जागरूकता व राष्ट्रीय चेतना को प्रखर रूप से बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज में 1942 में छात्रनेता के रूप में उनकी गिरफ्तारी हुई। स्वतंत्र भारत में जनप्रतिनिधि, प्रदेश सरकार के मंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री के रूप में उन्होंने अनेक उल्लेखनीय कार्य किए।

उत्तर प्रदेश के विकास को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं। उन्होंने प्रयागराज को नई पहचान दी। हेमवती नंदन बहुगुणा द्वारा जनप्रतिनिधि के रूप में जो भी कार्य किए गए। वे समाज के प्रत्येक तबके, देश की समृद्धि व आमजन के कल्याण के लिए थे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, विधायक जय देवी, विधान परिषद सदस्य रामचंद्र प्रधान, डॉ. अम्मार रिजवी, पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी, पूर्व महापौर संयुक्ता भाटिया आदि ने भी स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

पंचवेदी रुद्राभिषेक संग आयोजित हुई शिव भजन संध्या, प्रस्तुत हुई भव्य झांकियां

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। मासिक शिवरात्रि के पावन अवसर पर श्री शिव पार्वती बर्फानी सेवा संस्थान की ओर से मंगलवार को जानकीपुरम स्थित महानंदा रिसॉर्ट में भव्य धार्मिक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पंचवेदी रुद्राभिषेक, शिव भजन संध्या, आकर्षक झांकियों और प्रसाद वितरण का आयोजन कर श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक माहौल से सराबोर कर दिया गया। कार्यक्रम में मुख्याचार्य पुनीत दुबे, आचार्य निर्मल कुमार झा व पवन चतुर्वेदी ने मंत्रोच्चार के बीच रुद्राभिषेक कराया। वहीं कलाकारों द्वारा प्रस्तुत शंकर पार्वती, राधाकृष्ण, हनुमानजी, सहित अन्य झांकियां आकर्षण का केंद्र रही। इस दौरान भक्त झूम उठे और फूलों की होली खेली। वहीं मौजूद लोगों ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर प्रदेश व देश की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिव भक्तों ने भाग लेकर रुद्राभिषेक में आहुति दी और भजन संध्या में भक्तिमय वातावरण का आनंद लिया। संस्था के अध्यक्ष अरुणेंद्र कुमार मौर्य ने बताया कि मासिक शिवरात्रि के पावन अवसर पर इस प्रकार के धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिससे लोगों में आस्था और सामाजिक एकता को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर सुंदर झांकियां भी सजाई गईं, जिन्हें देखने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। पूरे आयोजन के दौरान भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा। वहीं इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुणेंद्र मौर्या ने लगभग 300 लोगों को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष अरुणेंद्र मौर्या, राजेश यादव, एडवोकेट राज कुमार सोनी, पार्षद निशा तिवारी, पार्षद प्रतिनिधि सौरभ तिवारी, पूर्व पार्षद मुकेश शुक्ला, प्रमोद तिवारी, मनोज मिश्रा, अवधेश अग्रवाल, किशन सिंह बिष्ट, राकेश रस्तोगी, कृष्ण कुमार लोधी, शेखर कश्यप, ए.आर. तिवारी व विजय कुमार यादव समेत अन्य मौजूद रहे।

हवाई चप्पल वाले को हवाई जहाज का सपना दिखाने वाले रेल से भी उतार दिया : उज्जवल

कोरांव प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। प्रयागराज सांसद उज्जवल रमण सिंह ने लोकसभा में वर्ष 2026-27 के लिए रेल मंत्रालय की अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान अपने क्षेत्र की समस्याओं और विकास योजनाओं को पुरजोर तरीकें से रखा।उक्त जानकारी देते हुए सांसद प्रतिनिधि विनय कुशवाहा ने बताया कि सांसद उज्जवल रमण सिंह ने सदन में कठौली मेजा, व्यौहरा करछना में अण्डरपास का मुद्दा प्राथमिकता से रखा तो माण्डा,मेजा,भीरपुर, करछना, जसरा शंकरगढ़ में ट्रेनों के ठहराव की भी मांग की। उन्होंने प्रयागराज जं. पर हो रहे धीमें निर्माण कार्य पर चिंता व्यक्त किया तो वहीँ सूबेदारगंज स्टेशन का नाम बदलकर प्रयागराज कैण्ट करने का सुझाव दिया। सांसद उज्जवल ने बुलट ट्रेन के रूट में प्रयागराज को न रखने पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रयागराज के साथ सौतेला व्यवहार हैं क्योंकि यहाँ कुम्भ मेला लगता हैं जिसमें करोड़ों लोग आते हैं यह धार्मिक व शैक्षिक नगरी ।उन्होंने कहा कि बुलट ट्रेन या प्रीमियम ट्रेन की को प्राथमिकता देने की जगह बहुसंख्यक आम जनता का ख्याल रखते हुए कोविड में बंद हुई पैसेंजर ट्रेनों के संचालन पर ध्यान दिया जाय क्योंकि रेलवे गरीबों की लाइफ लाइन हैं मोदी सरकार ने हवाई चप्पल पहनने वाले को हवाई जहाज पर घुमाने का सपना दिखा कर रेल से भी उतार दिया।

उत्तर प्रदेश में फिर बदलेगा मौसम, 22 तक बारिश और आंधी-तूफान के आसार

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार 19 मार्च से प्रदेश में बारिश का नया दौर शुरू होगा, जो 22 मार्च तक जारी रहने की संभावना है। इस दौरान कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, उत्तरी पंजाब के ऊपर सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और दक्षिणी हरियाणा के ऊपर बने चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से पिछले दो दिनों में तराई और आसपास के मध्य जिलों में रुक-रुक कर बारिश और गरज-चमक देखने को मिली थी। हालांकि अब यह गतिविधियां थम गई हैं। वर्तमान में किसी सक्रिय मौसम प्रणाली के अभाव में 18 मार्च तक मौसम शुष्क बना रहेगा। इस दौरान तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी होने की संभावना है, जिससे गर्मी का असर बढ़ेगा। मौसम विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, 19 मार्च से पश्चिमी यूपी में बारिश की शुरुआत होगी, जो धीरे-धीरे पूरे प्रदेश में फैल जाएगी। इस बारिश के चलते अधिकतम तापमान में 5 से 7 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है और तापमान सामान्य या उससे नीचे पहुंच सकता है। हाल ही में हुई बारिश के दौरान मुजफ्फरनगर में 7.2 मिमी, बिजनौर में 6.8 मिमी, सहारनपुर में 5.2 मिमी और संभल में 2.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई। वहीं न्यूनतम तापमान में भी गिरावट देखी गई, जहां नजीबाबाद में 12.5 डिग्री, मेरठ में 13.6 डिग्री, मुजफ्फरनगर में 14.8 डिग्री और अयोध्या में 15 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। राजधानी में दिन का तापमान 33.1 डिग्री और रात का तापमान 19.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंगलवार को यहां आसमान साफ रहने के साथ अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। प्रदेश में सबसे अधिक गर्मी बांदा में 36.6 डिग्री, उरई में 36.4 डिग्री, फतेहपुर में 36.2 डिग्री और प्रयागराज में 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज की गई। अधिकारियों के अनुसार फिलहाल 1-2 दिन गर्मी बढ़ेगी, लेकिन 19 मार्च से मौसम बदलते ही प्रदेशवासियों को गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

आईआईएम लखनऊ का 40वां दीक्षांत समारोह कल

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम लखनऊ) का 40वां दीक्षांत समारोह 19 मार्च को आयोजित किया जाएगा। इस बार समारोह के मुख्य अतिथि के तौर पर बजाज फाइनेंस लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक संजीव बजाज शामिल होंगे।

समारोह में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आईआईएम लखनऊ के चेयरमैन एन चंद्रसेकरन द्वारा स्नातक छात्रों को डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। वहीं, संस्थान के निदेशक प्रो. एमपी गुप्ता डायरेक्टर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। इस दीक्षांत समारोह में पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (पीजीपी), पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन सस्टेनेबल मैनेजमेंट (पीजीपीएसएम), इंटरनेशनल प्रोग्राम इन मैनेजमेंट फॉर एग्जीक्यूटिव्स (आईपीएमएक्स) और पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट फॉर वर्किंग एग्जीक्यूटिव्स (पीजीपीडब्ल्यूई) सहित विभिन्न कार्यक्रमों के मेधावी छात्रों को पदक प्रदान किए जाएंगे।

मंडल रेल प्रबंधक के नेतृत्व में चला टिकट चेकिंग अभियान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन के निर्देशन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शेख रहमान के नेतृत्व में वाराणसी मंडल विभिन्न रेलखण्ड पर निरन्तर टिकट जांच अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में वाराणसी मंडल के छपरा, सीवान, थावे एवं जलालपुर स्टेशन को आधार बनाकर छपरा कचहरी-थावे - जलालपुर रेल खण्ड पर सघन टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान उक्त रेल खण्ड पर चलने वाली गाड़ी संख्या 75103 छपरा- थावे डेमू सवारी गाड़ी,75105 थावे- कप्तानगंज डेमू सवारी गाड़ी 55036 गोरखपुर - सीवान सवारी गाड़ी सहित विभिन्न सवारी गाड़ियों में किलाबन्दी कर सघन टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया।

इस टिकट जांच अभियान टीम के टिकट जाँच दल में मुख्य वाणिज्य निरीक्षक/ थावे विशाल कुमार सिंह, मंडल वाणिज्य निरीक्षक/सीवान श्री प्रणव प्रभाकर सुधाकर मिश्रा, अमित कुमार, ममता कुमारी, राजेश सिंह, प्रकाश कुमार सहित कुल 05 टिकट जाँच कर्मचारियों एवं रेलवे सुरक्षा बल के जवान के सहयोग से सघन टिकट जांच किया गया और बिना टिकट यात्रा एवं अनियमित टिकट पर यात्रा करने वाले कुल 35 यात्रियों को पकड़ा गया और उनसे रेल राजस्व के रूप में रु 9720(नौ हजार सात सौ बीस रूपये) जुर्माना वसूलने के बाद छोड़ दिया गया । उक्त सघन टिकट जाँच अभियान के दौरान उक्त रेल खण्ड के स्टेशनों के टिकट काउंटरों पर टिकट लेने के लिए लम्बी कतार लग गई थी । वाराणसी मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबन्धक श्री शेख रहमान ने आम यात्रियों से अपील की है कि यात्री अपनी यात्रा के दौरान रेल नियमों का पालन करें और अपना उचित यात्रा टिकट लेकर ही यात्रा करें एवं ट्रेनों एवं स्टेशनों पर स्वच्छता बनायें रखे।

राजस्व वसूली को लेकर तेवर कड़े

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। नगर निगम प्रशासन ने राजस्व वसूली को लेकर अपने तेवर कड़े कर दिए हैं। गृहकर और जलकर के बाद अब निगम की रडार पर वे दुकानदार हैं, जो वर्षों से सरकारी दुकानों का किराया दबाए बैठे हैं। निगम ने ऐसे दुकानदारों को 31 मार्च तक किराया न जमा करने पर आवंटन निरस्त करने की चेतावनी दी है । शहर निगम की 1,962 दुकानों है । इसमें विश्वेश्वरगंज (बड़ा नंबर 1 से 5), नई सड़क मार्केट, टाउन हॉल शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और अर्दली बाजार जैसे प्रमुख व्यापारिक केंद्रों के कई दुकानदार किराया जमा करने में हीलाहवाली कर रहे हैं। जब कि निगम ने दुकानदारों की सहूलियत के लिए किराया जमा करने की प्रक्रिया को डिजिटल कर दिया है। सभी दुकानों पर क्यूआर कोड की सुविधा भी प्रदान की गई है, ताकि दुकानदार आसानी से भुगतान कर सकें। सहायक नगर आयुक्त अनिल यादव ने 31 मार्च तक किराया न जमा करने दुकानों को सील करने की चेतावनी दी है। ऐसे में दुकानों के पास किराया जमा करने के लिए अब महज 18 दिनों का मौका है। निगम की इस सख्ती का असर राजस्व पर भी साफ दिखाई दे रहा है। पिछले तीन वर्षों में दुकान के किराए की वसूली में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में जहां महज 80 लाख रुपये की वसूली हुई थी, वहीं 2024-25 में यह आंकड़ा बढ़कर 2.72 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 की बात करें तो अब तक कुल 4,79,52,613 रुपये (करीब 4.79 करोड़) की वसूली की जा चुकी है। सहायक नगर आयुक्त ने बताया कि जिन दुकानदारों को नोटिस दिया गया है, उन्हें केवल तीन दिन की और मोहलत दी गई है। इसके बाद बिना किसी रियायत के आवंटन निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू होगी। जो दुकानदार फिर भी सहयोग नहीं करेंगे, उनकी दुकानों का ताला पुलिस बल की मौजूदगी में तोड़कर निगम अपने कब्जे में ले लेगा। डिजिटल भुगतान के लिए हर दुकान पर क्यूआर कोड की सुविधा पहले ही प्रदान की जा चुकी है, ऐसे में भुगतान न करने के पीछे अब कोई बहाना स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एक साल बाद भी नहीं मिला आरटीआई का जवाब

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए कानून की अनदेखी का मामला सामने आया है। पत्रकार अमरनाथ झा द्वारा प्रयागराज विकास प्राधिकरण में डाली गई आरटीआई का एक साल बाद भी जवाब नहीं दिया गया है।

जानकारी के अनुसार 15 फरवरी 2025 को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आरटीआई आवेदन संख्या PYDPA/R/2025/60025 दाखिल किया गया था। इसमें मुंडेरा चुंगी स्थित पारस ग्रीन / प्रभु निवास पारस ग्रीन अपार्टमेंट के स्वीकृत नक्शे, फ्लैटों की संख्या और निर्माण से संबंधित वैधानिक स्वीकृतियों की जानकारी मांगी गई थी। आरटीआई कानून के अनुसार किसी भी सरकारी विभाग को 30 दिनों के भीतर सूचना देना अनिवार्य होता है, लेकिन एक वर्ष से अधिक समय बीतने के बावजूद आवेदक को कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई। इससे विभाग की कार्यप्रणाली और पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। सूचना अधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि निर्धारित समय में सूचना न देना आरटीआई अधिनियम का उल्लंघन है और इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। अब आवेदक ने मामले में प्रथम अपील और राज्य सूचना आयोग में शिकायत करने की तैयारी शुरू कर दी है। यदि मामला आयोग तक पहुंचता है तो प्राधिकरण के जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय हो सकती है।

प्रयागराज में 108 एम्बुलेंस भर्ती पर बड़ा सवाल

25 हजार डीडी के बीच प्रयागराज में 'ड्राइविंग टेस्ट' शुरू

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। 108 एम्बुलेंस सेवा की भर्ती को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। 17 मार्च को प्रयागराज के सीएमओ के पास राजकीय अस्पताल तेलियर गंज बेली में टीबी अस्पताल के पीछे एएनएम ट्रेनिंग सेंटर परिसरों मे अभ्यर्थियों से एम्बुलेंस चलवाकर ड्राइविंग टेस्ट लिया जा रहा है, जबकि दूसरी तरफ भर्ती प्रक्रिया में 25,000 की डीडी जमा कराने की मांग पहले ही सवालों में है। आज सुबह 9 बजे से शाम 3 बजे तक यह कार्य चलाया जा रहा है।

मौके पर मौजूद युवाओं के मुताबिक, बिना किसी स्पष्ट सरकारी आदेश या लिखित सूचना के ही भर्ती जैसी प्रक्रिया चल रही है। अभ्यर्थियों को मौके पर बुलाकर सीधे गाड़ी चलाने का टेस्ट लिया जा रहा है, जिससे पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं।

इससे पहले सामने आए दस्तावेज में अभ्यर्थियों से 25,000 की डीडी EMRI Green Health Services के नाम पर बनवाने को कहा गया था, जो Hyderabad में पेयेबल बताई गई, जबकि जमा करने का पता लखनऊ दिया गया है। इतना ही नहीं ईएमटी से 45000 की डीडी की मांग की गई है । अब प्रयागराज में हो रहे इस टेस्ट ने पूरे मामले को और संदिग्ध बना दिया है। जबकि विज्ञापन में 25 हजार डीडी की कोई बात का उल्लेख नहीं किया गया है। युवाओं का आरोप है कि भर्ती के नाम पर पहले मोटी रकम मांगी जा रही है और फिर बिना आधिकारिक प्रक्रिया के टेस्ट लेकर चयन की बात कही जा रही है। इससे यह आशंका और गहरी हो गई है कि कहीं यह सुनियोजित वसूली का खेल तो नहीं। क्या 108 एम्बुलेंस भर्ती के नाम पर युवाओं से पैसा लेकर बिना नियम के चयन किया जा रहा है? अब जरूरत है कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग तुरंत संज्ञान लेकर पूरे मामले की जांच करे, ताकि सच्चाई सामने आ सके और बेरोजगार युवाओं के साथ किसी भी तरह की ठगी न हो।

गोसेवा आयोग सदस्य का औचक निरीक्षण, गौआश्रय स्थल की व्यवस्थाओं पर दिए सख्त निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग के सदस्य रमाकान्त उपाध्याय ने मंगलवार को कौड़िहार ब्लॉक के ग्राम पंचायत घाटमपुर स्थित गौवंश आश्रय स्थल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौआश्रय स्थल में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। साथ ही सभी गौवंशों की शत-प्रतिशत ईयर टैगिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने निर्देशित किया कि आश्रय स्थल पर गौवंशों के लिए भूसा-चारा, हरा चारा, स्वच्छ पेयजल एवं प्रकाश व्यवस्था हर हाल में उपलब्ध रहे। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मा0 सदस्य ने पशु स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देते हुए कहा कि सभी गौवंशों का समय-समय पर टीकाकरण कराया जाए। साथ ही पशुचिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से गौआश्रय स्थलों का निरीक्षण करें।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि यदि कोई गौवंश बीमार पाया जाता है, तो उसे अलग रखकर समुचित उपचार की व्यवस्था की जाए, ताकि अन्य पशुओं में संक्रमण न फैले। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैंकर्स समिति की बैठक सम्पन्न, वार्षिक ऋण योजना 2026-27 का विमोचन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में जिला स्तरीय सलाहकार समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की त्रैमासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी हर्षिता सिंह सहित विभिन्न बैंकों एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान नाबार्ड की पीएलपी के आधार पर तैयार वित्तीय वर्ष 2026-27 की वार्षिक ऋण योजना का विमोचन किया गया। जिलाधिकारी ने सरकारी योजनाओं के तहत लंबित आवेदनों की समीक्षा करते हुए सभी बैंकों को निर्देश दिया कि एक सप्ताह के भीतर लंबित मामलों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी ने जनपद का ऋण-जमानुपात (एक टथपद्धध) 41.65% रहने पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने विशेष रूप से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (28.90%) और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (28.13%) समेत 40% से कम प्रदर्शन वाले 11 बैंकों को स्थिति सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश स्तर पर एक Ratio को 65% तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित है, जिसे प्राप्त करने के लिए सभी बैंकों को सक्रिय प्रयास करने होंगे।

उन्होंने बैंकों को निर्देशित किया कि वे सीएम युवा स्वरोजगार योजना, ओडीओपी, मुद्रा ऋण, स्टैंडअप इंडिया, केसीसी, स्वयं सहायता समूह, पशुपालन एवं वेयरहाउसिंग जैसी योजनाओं में अधिक से अधिक ऋण वितरित कर जनपद की आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दें। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत बैंक स्तर पर लंबित 1765 आवेदन पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। साथ ही मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के अंतर्गत लंबित 8 आवेदनों को भी तत्काल निपटाने को कहा। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि बैंकों को योजनाओं के क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभानी होगी, ताकि पात्र लाभार्थियों को समय पर ऋण और सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सरकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, जिससे अधिक से अधिक लोग इनका लाभ उठा सकें। बैठक में विभिन्न योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, पीएम फसल बीमा, अटल पेंशन योजना, जीवन ज्योति बीमा, सुरक्षा बीमा योजना, शिक्षा ऋण, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन आदि की बैंकवार समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने आईजीआरएस से संबंधित शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण पर भी विशेष जोर दिया और कहा कि विभागों एवं बैंकों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक मणि प्रकाश मिश्रा ने तिमाही प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर आरबीआई लखनऊ के एलडीओ सुधीर पांडेय, नाबार्ड के डीडीएम अनिल शर्मा सहित सभी बैंकों के अधिकारी मौजूद रहे।

रोजगार सेवक की आत्महत्या पर सियासत गरमाई

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष परिजनों से मिलने पहुंचे फत्तेखेड़ा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। मोहनलालगंज के फत्तेखेड़ा निवासी रमेश प्रजापति के द्वारा बीते 15 मार्च को जनपद रायबरेली थाना बछरावां कर बिशनपुर गांव में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेने के मामले में सियासी माहौल गरमाने लगा है।

मोहनलालगंज क्षेत्र के फत्ते खेड़ा गांव में मंगलवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय मृतक रमेश प्रजापति के घर पहुंचे और शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी।अजय राय ने मृतक के पिता और बड़े भाई राजेश से काफी देर तक बातचीत कर घटना की पूरी जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने परिवार को ढाढ़स बंधाते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़ी है और हर संभव मदद करेगी। उन्होंने इस घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि प्रशासनिक उपेक्षा के परिणामस्वरूप रमेश आत्महत्या के लिए मजबूर हुआ हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मौजूदा प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि रोजगार सेवकों के साथ लगातार हो रहे उत्पीड़न और उनकी समस्याओं की अनदेखी चिंता का विषय है। सरकार को चाहिए कि रोजगार सेवकों की समस्याओं का स्थाई समाधान करें ताकि ऐसी दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो सके उन्होंने सरकार से मांग की कि मृतक के परिवार पत्नी संगीता और बेटी को 50 लाख रुपये का मुआवजा दिया और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए, ताकि परिवार का भरण-पोषण हो सके। अजय राय ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला, तो कांग्रेस पार्टी सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने के लिए मजबूर होगी।

गोरखपुर से चुनावी बिगुल फूंकेगी निषाद पार्टी

- निषाद पार्टी ने अपने चुनावी अभियान का औपचारिक आगाज़ करने की तैयार की रणनीति, प्रदेश के चार प्रमुख क्षेत्रों में होगा विशाल जनसभाओं का आयोजन

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में निषाद पार्टी ने अपने चुनावी अभियान का औपचारिक आगाज़ करने की रणनीति तैयार कर ली है। पार्टी प्रदेश के चार प्रमुख क्षेत्रों गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज और मेरठ में विशाल जनसभाओं का आयोजन करने जा रही है। इन रैलियों के माध्यम से निषाद पार्टी अपनी संगठनात्मक ताकत का प्रदर्शन करने के साथ-साथ अपने प्रमुख सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों को मजबूती से उठाएगी। निषाद पार्टी द्वारा आगामी 22 मार्च को गोरखपुर जनपद स्थित महंत दिग्विजयनाथ पार्क गोरखपुर में एक विशाल रैली का आयोजन प्रस्तावित है। यह रैली पार्टी के चुनावी अभियान की औपचारिक शुरुआत मानी जा रही है और इसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं, समर्थकों एवं निषाद समाज के लोगों की भागीदारी की अपेक्षा है। यह कदम आगामी चुनावों के दृष्टिगत अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इन रैलियों के माध्यम से पार्टी स्पष्ट संदेश देना चाहती है कि वह पूरी तैयारी और मजबूती के साथ चुनावी मैदान में उतर चुकी है। विशेष रूप से पूर्वांचल, जो निषाद पार्टी का पारंपरिक प्रभाव क्षेत्र रहा है, वहां पार्टी अपने जनाधार को और मजबूत करने पर विशेष ध्यान दे रही है। वहीं मेरठ में रैली आयोजित कर पार्टी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने और नए सामाजिक समीकरण स्थापित करने की दिशा में प्रयासरत है।

इन जनसभाओं का मुख्य केंद्र बिंदु मझवार/तुरैहा समाज को अनुसूचित जाति में परिभाषित किए जाने की मांग होगी। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष इस मुद्दे को रैलियों में प्रमुखता से उठाते हुए इसे जनआंदोलन का रूप देने की रणनीति पर कार्य कर रहे हैं। पार्टी का मानना है कि यह केवल एक सामाजिक मुद्दा नहीं, बल्कि अधिकार और सम्मान से जुड़ा विषय है। बीते चार वर्षों में सत्ता में रहते हुए भी पार्टी नेतृत्व ने इस मुद्दे को लगातार उठाया है और प्रदेश में दो बार ल्लमछुआ एससी संवैधानिक अधिकार यात्राङ्क का आयोजन किया है। अब इन रैलियों के माध्यम से मझवार आरक्षण के मुद्दे को निर्णायक स्तर तक ले जाने का प्रयास किया जाएगा। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपनी प्रमुख मांगों को बिंदुवार रखते हुए विस्तार से प्रस्तुत किया है, ताकि समाज के अधिकारों और समस्याओं को मजबूती से सामने लाया जा सके। अपनी मांगो के माध्यम से निषाद पार्टी समाज के अधिकार, सम्मान और समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक आंदोलन खड़ा करने की दिशा में कार्य कर रही है। साथ ही, पार्टी वर्ष 2022 से अब तक प्रदेश की सरकार में भागीदारी के बाद मछुआ/निषाद समाज को मिले वास्तविक लाभों का मुद्दा भी जनता के बीच उठाएगी। इसके माध्यम से पार्टी यह स्पष्ट करना चाहती है कि सरकार में भागीदारी के बाद समाज को क्या ठोस लाभ प्राप्त हुए हैं, विशेष रूप से मत्स्य विभाग में प्रतिनिधित्व मिलने के बाद। यह पहल न केवल विपक्ष को जवाब देने का प्रयास है, बल्कि स्वयं को समाज का सशक्त प्रतिनिधि सिद्ध करने की रणनीति भी है। इन प्रस्तावित रैलियों के साथ-साथ निषाद पार्टी ने उत्तर प्रदेश में अपनी संगठनात्मक मजबूती को और सुदृढ़ करने की दिशा में भी बड़ा कदम उठाया है। पार्टी ने प्रदेश के सभी 88 संगठनात्मक जिलों में प्रभारियों की नियुक्ति कर दी है। यह निर्णय जमीनी स्तर पर संगठन को अधिक सक्रिय, संगठित और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे कार्यक्रमों के बेहतर समन्वय के साथ-साथ जनसंपर्क और चुनावी तैयारियों को भी नई गति मिलेगी। कुल मिलाकर, निषाद पार्टी का यह चुनावी आगाज़ केवल रैलियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। पूर्वांचल में मजबूत पकड़ और पश्चिम उत्तर प्रदेश में विस्तार की योजना के साथ पार्टी पूरे प्रदेश में स्वयं को एक सशक्त और निर्णायक राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है। आगामी चुनावों में इस रणनीति की सफलता प्रदेश की राजनीति की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राकस वीर बाबा मंदिर मार्ग पर बन रही आरसीसी सड़क, जलभराव से मिलेगी निजात

नगराम, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। क्षेत्र के समेसी गांव स्थित राकस वीर बाबा मंदिर जाने वाले मार्ग पर लंबे समय से जलभराव की समस्या बनी हुई थी, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। खासकर बरसात के दिनों में स्थिति और गंभीर हो जाती थी। ग्रामीणों की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्रीय विधायक अमरेश रावत एवं ग्राम प्रधान अशोक रावत के प्रयासों से अब इस मार्ग के निर्माण कार्य ने गति पकड़ ली है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के माध्यम से अजीत यादव के घर से लेकर राजकिशोर के घर तक आरसीसी सड़क का निर्माण कराया जा रहा है, जो अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है। सड़क निर्माण पूरा होने के बाद जहां ग्रामीणों को जलभराव की समस्या से स्थायी राहत मिलेगी, वहीं राकस वीर बाबा मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को भी सुगम आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। इस पहल से क्षेत्र में खुशी का माहौल है और ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

बच्ची को चिढ़ाने का विरोध किया तो बाल खींचकर पिटाई

सरोजिनी नगर, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। रश्मि सिंह पत्नी स्व0 विमलेश कुमार निवासी 119-इ कृष्णालोक कालोनी फ़ेज-1 सरोजनीनगर ने बताया कि बीती 16/03/2026 को वह गौरी बाजार से घरेलू सामान खरीदकर समय करीब 6.45 बजे शाम अपने घर पहुंची तो देखा कि मेरे पडोसन रीता उर्फ अंजू श्रीवास्तव पत्नी मनीष श्रीवास्तव मेरी बेटी शानवी सिंह (9 वर्ष) को किसी बात को लेकर चिढ़ा रही थी मैने जब रीता उर्फ अंजू श्रीवास्तव से बच्ची को चिढ़ाने से मना किया तो रीता व उनकी बेटी अनोखी श्रीवास्तव व मुस्कान श्रीवास्तव मुझे गाली देने लगी इसपर जब मैने बोला कि गलती आप लोग कर रहे हैं और मुझे गलियां क्यो दे रहे हैं ,तो तीनो ने मिलकर मेरे बाल खींचे मेरे सिर पर पत्थर से मारा और हाथ में दाँत से काटा भी तथा मुझे जान से मारने की देकर चली गई। रश्मि की तहरीर पर सरोजिनी नगर पुलिस मामला दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है।

आध्यात्मिकता से प्रशासन बनेगा पारदर्शी व प्रभावी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। ब्रह्माकुमारीज के प्रशासनिक प्रभाग द्वारा कर्मयोग फॉर एम्पावर्ड भारत विषय पर राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण सम्मेलन गोसाईंगंज के कबीरपुर स्थित गुलजार उपवन में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें देशभर से प्रशासनिक एवं प्रशिक्षण क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि सहभागिता कर रहे हैं। कार्यक्रम की शुरुआत गुलजार उपवन राजयोग प्रशिक्षण केंद्र की डायरेक्टर बीके राधा दीदी के स्वागत भाषण से हुई। इसके पश्चात मुख्य अतिथि अपर मुख्य सचिव विवेक मेश्राम (आईएएस), विशिष्ट अतिथि अपर आयुक्त लखनऊ मंडल राधेश्याम (आईएएस), द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कर्नाटक से पधारी बीके वीणा जी ने सम्मेलन के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि ल्लड्यूटी सिर्फ ड्यूटी नहीं सेवा हैङ्क– अर्थात जब कार्य को सेवा भाव से किया जाता है, तभी वह कर्मयोग में परिवर्तित होता है। इस मिशन का उद्देश्य प्रशासनिक स्तर पर कार्यरत अधिकारी अपने दैनिक कार्यों को कर्मयोग में रूपांतरित कर सकें।

सत्र के दौरान वक्ताओं ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि जीवन में रहते हुए कर्म को कर्मयोग में परिवर्तित करना ही सच्ची सफलता है। यदि प्रशासनिक सेवाओं में कार्यरत प्रत्येक व्यक्ति अपने कार्य को सेवा भावना से करे, तो पूरी व्यवस्था अधिक संवेदनशील, प्रभावी और जनहितकारी बन सकती है।

बस्तिया गांव में नव गठित बी पैक्स का उद्घाटन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। गोसाईगंज क्षेत्र के गांव बस्तिया में नव गठित बी - पैक्स (सहकारी समिति) का उद्घाटन मोहनलालगंज के विधायक अमरेश कुमार द्वारा किया गया ।इस आयोजन में जिला सहकारी बैंक लिमिटेड के चेयरमैन वीरेंद्र प्रताप सिंह भी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोहनलालगंज विधायक अमरेश कुमार ने सरकार की उपलब्धियां को गिनाते हुए कहा की सरकार में सभी लोग ईमानदारी से कम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में जनहित के काम बड़ी ही इमानदारी से किए हैं। विधायक ने कहा कि इससे पहले की सरकारों द्वारा काम नहीं किए जाते थे।कह दिया जाता था कि पैसा नहीं है। लेकिन भाजपा सरकार में ऐसा नहीं है । विधायक ने कहा कि प्रयास है कि मोहनलालगंज विधानसभा क्षेत्र में एक भी रोड विधानसभा क्षेत्र में कच्ची न रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन वीरेंद्र प्रताप सिंह ने जिला सहकारी बैंकों व सहकारी समितियों से होने वाली उपलब्धियां से लोगों को अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन बक्शी का तालाब की अपर जिला सहकारी अधिकारी ममता प्रजापति द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सहकारिता विभाग के प्रभारी रामलाल वर्मा ,अपर जिला सहकारी अधिकारी विनोद कुमार ,सहायक विकास अधिकारी शिवकुमार वर्मा, जिला सहकारी बैंक के उप प्रबंधक देवेंद्र कुमार वर्मा, भाजपा नेता गोकर्ण वर्मा, राजकुमार वर्मा ,पंकज नयन, शिवकुमार रावत ,बजरंग वर्मा, संतोष कुमार शर्मा और शंभू नाथ पांडेय कार्यक्रम में मौजूद रहे।

भाजपा के मनोनीत सभासदों का भव्य स्वागत

लखनऊ,कैनविज टाइम्स संवाददाता। गोसाईगंज ब्लॉक अंतर्गत भाजपा मंडल अमेठी में पार्टी द्वारा मनोनीत सभासद उमाकांत साहू और राम प्रताप रावत का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। पतंजलि योग समिति गंगागंज के अध्यक्ष नागेश कुमार ने गंगागंज स्थित अपने आवास पर दोनों सभासदों को माला पहनाकर उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान क्षेत्र के गणमान्य लोग भी मौजूद रहे और नव-नियुक्त सभासदों को शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने कहा कि पार्टी ने जिन कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी है, वे निश्चित रूप से जनता की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे और क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सभासद उमाकांत साहू और राम प्रताप रावत ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे जनता की सेवा और क्षेत्र के विकास के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

लोहिया संस्थान में मरीज की मौत पर परिजनों ने काटा बवाल, लापरवाही का आरोप

लखनऊ,कैनविज टाइम्स संवाददाता। लखनऊ के डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में मंगलवार को मरीज की मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ। गुस्साए तीमारदारों ने रेजिडेंट डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ मारपीट की और आपातकालीन (ट्रायज) क्षेत्र में तोड़फोड़ कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को काबू में किया और डॉक्टरों की तहरीर पर एक तीमारदार को हिरासत में ले लिया। संस्थान के प्रवक्ता डॉ. भुवन तिवारी ने बताया, ल्लमरीज लाल बहादुर (45) को निमोनिया और एक्यूट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम के साथ बेहद गंभीर हालत में लाया गया था। उनका ऑक्सीजन स्तर काफी कम था। डॉक्टरों ने तत्काल वेंटिलेटर पर शिफ्ट करने की सलाह दी, लेकिन परिजनों ने शुरू में सहमति नहीं दी। लगभग दो घंटे की देरी के बाद वेंटिलेशन शुरू किया गया, लेकिन तब तक स्थिति अत्यंत गंभीर हो चुकी थी और मरीज को बचाया नहीं जा सका। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि डॉक्टरों ने समय पर इलाज शुरू कर दिया था और लापरवाही के आरोप निराधार हैं। वहीं, तीमारदारों का आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने मरीज को समय पर भर्ती नहीं किया और वेंटिलेटर को लेकर गुमराह किया। उनका कहना है कि अगर सही समय पर इलाज मिलता तो मरीज की जान बच सकती थी। परिजनों ने एक रेजिडेंट डॉक्टर पर महिलाओं के साथ अभद्रता का भी आरोप लगाया है।

संकुल बैठक में शैक्षिक गुणवत्ता व नामांकन बढ़ाने पर जोर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बख्शी का तालाब, लखनऊ। शैक्षिक सत्र 2025-26 के तहत बख्शी का तालाब क्षेत्र अंतर्गत न्याय पंचायत बगहा में मार्च माह की संकुल बैठक कंपोजिट विद्यालय हरदा कॉलोनी में आयोजित की गई। राज्य परियोजना द्वारा निर्धारित एजेंडा के अनुसार प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर के विभिन्न शैक्षिक बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में शिक्षक संकुल रश्मि गुप्ता, ममता, रणधीर सिंह एवं वरिष्ठ शिक्षक देवसूदन ने एजेंडा के अनुरूप विषयों को विस्तार से रखा। प्रमुख बिंदुओं में वार्षिक परीक्षा की तैयारी, परीक्षाफल निर्माण, आगामी सत्र में 'स्कूल चलो अभियान', आउट ऑफ स्कूल बच्चों की गणना, शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना, गतिमान प्रशिक्षण एवं आईसीटी के प्रभावी उपयोग जैसे मुद्दे शामिल रहे।बैठक के दौरान न्याय पंचायत के सभी विद्यालयों द्वारा निर्धारित विषयों पर प्रेजेंटेशन भी प्रस्तुत किए गए, जिससे आपसी अनुभवों का आदान-प्रदान हुआ। निपुण आकलन के संबंध में वरिष्ठ शिक्षक राजेश कुमार सिंह ने विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए शिक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।बैठक में न्याय पंचायत के सभी विद्यालयों की सहभागिता सुनिश्चित रही और शैक्षिक गुणवत्ता सुधार के लिए सामूहिक प्रयासों पर बल दिया गया।

नन्हे कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों से सजी शाम, मेधावी छात्र हुए सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निगोहां, लखनऊ। निगोहा बाजार स्थित मार्डन पब्लिक स्कूल इंटर कॉलेज में मंगलवार को वार्षिकोत्सव बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम बछरांवा स्थित मार्डन पब्लिक स्कूल इंटर कॉलेज के प्रबंधक त्रिलोकी नाथ चौरसिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा विधायक अमरेश रावत एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में रायबरेली जनपद के हरचंदपुर ब्लॉक प्रमुख पीयूष प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन एवं गणेश वंदना के साथ हुई। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक पृथ्वीराज, प्रबंधक त्रिलोकी नाथ चौरसिया, अध्यक्ष हरिहर चौरसिया एवं प्रधानाध्यापिका सीमा शर्मा द्वारा मुख्य अतिथियों का बुके भेंट कर भव्य स्वागत किया गया।

इसके बाद नन्हे-मुन्ने बच्चों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। चलें जैसे हवाएं आयो रे शुभ दिन आयो मेरा जूता है जापानी, डांडिया नृत्य, शिव तांडव, होली गीत और कव्वाली जैसी रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय प्रबंधन एवं अतिथियों द्वारा मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अभिभावकों और क्षेत्रीय लोगों की भारी भीड़ मौजूद रही, जिन्होंने बच्चों की प्रतिभा की सराहना की।

इस मौके पर बछरांवा स्थित मार्डन पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या नीना खन्ना, निगोहा ग्राम प्रधान अभय दीक्षित, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। तालियों की गड़गड़ाहट और उत्साह से गूंजता रहा पूरा परिसर, जिससे यह वार्षिकोत्सव एक यादगार आयोजन बन गया।

गणेश जन्म कथा से गूंजा पंडाल, राम दरबार में हुआ भव्य राजतिलक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगराम, लखनऊ। कटरा कस्बे में आयोजित द्वितीय श्री शिव महापुराण कथा का वातावरण इन दिनों पूरी तरह भक्ति और श्रद्धा में डूबा हुआ है। कथा के दौरान अनुभवी कथावाचक अवधेश नंदन मिश्रा महाराज ने भगवान गणेश के जन्म की पावन कथा का अत्यंत मार्मिक एवं विस्तारपूर्वक वर्णन किया। उन्होंने गणेश और कार्तिकेय के जन्म प्रसंग को विधिवत सुनाते हुए बताया कि 'गणेश' का अर्थ ही विवेक होता है, और मनुष्य के जीवन में विवेक का विशेष महत्व है।

कथा के बीच प्रस्तुत की गई मनमोहक झांकियों ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। बालाजी महाराज के दिव्य दर्शन तथा राम दरबार की भव्य झांकी, जिसमें प्रभु श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण की आकर्षक प्रस्तुति की गई, ने पूरे पंडाल को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। इस दौरान नगराम कस्बे के समाजसेवी संदीप शुक्ला, मुख्य यजमान राम आधार वर्मा, सुशील गुप्ता, अवधेश गुप्ता एवं डॉ. रमेश चौरसिया ने राम दरबार में पहुंचकर प्रभु श्रीराम, माता सीता, बालाजी महाराज और लक्ष्मण का राजतिलक किया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में बाल व्यास कलाकार श्याम जी ने ल्लराधिका गोरी से बृज की छोरी से ब्याह कर दोङ्क भजन की मनमोहक प्रस्तुति दी। भजन की मधुर धुन सुनते ही श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे और पूरा पंडाल जयकारों से गूंज उठा।

कथा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ ने आयोजन की भव्यता को और बढ़ा दिया। पूरा क्षेत्र भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत नजर आया।

हिंदू नववर्ष पर होंगे सांस्कृतिक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- स्वामी विवेकानंद साप्ताहिक मिलन एवं राष्ट्रीय पर्व एवं उत्सव समिति का आयोजन
- विशेष रूप से संघ के 100 वर्ष की ऐतिहासिक यात्रा को लेकर कार्यक्रम

लखनऊ। भारतीय संस्कृति, परंपरा एवं सामाजिक चेतना के प्रतीक हिंदू नववर्ष (विक्रम संवत 2083) के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मार्गदर्शन में स्वामी विवेकानंद साप्ताहिक मिलन एवं राष्ट्रीय पर्व एवं उत्सव समिति की ओर से एक भव्य, सांस्कृतिक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन 19 मार्च को सायं 05:30 बजे प्रदेश की राजधानी लखनऊ के उत्सव (प्रतीक) स्थल, 1090 चौराहा के निकट, गोमती नगर में किया जाएगा।

ये बातें मंगलवार को राष्ट्रीय पर्व एवं उत्सव समिति के संयोजक ललित श्रीवास्तव ने जियामऊ स्थित विश्व संवाद केंद्र में प्रेस कांफ्रेंस कर पत्रकारों से कही। उन्होंने बताया कि इस वर्ष आयोजन विशेष रूप से 100 वर्ष की संघ यात्रा के ऐतिहासिक पड़ाव को समर्पित है, जिसमें संगठन के शताब्दी वर्ष की गौरवशाली यात्रा, सेवा, संस्कार और राष्ट्र निर्माण में योगदान को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके साथ ही समाज के समग्र एवं सकारात्मक परिवर्तन के लिए पंच परिवर्तन आधारित संकल्प कार्यक्रम भी इस आयोजन का प्रमुख आकर्षण रहेगा।

ललित श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों में राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक गौरव एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करना है। आयोजन के माध्यम से नागरिकों को अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक करते हुए एक सशक्त, संगठित एवं संस्कारित समाज के निर्माण की दिशा में प्रेरित किया जाएगा।

राष्ट्रीय पर्व एवं उत्सव समिति के मीडिया प्रभारी शिवांक रमन भदौरिया ने कहा कि कार्यक्रम में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के लिए ल्लनिबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता 2026 का भी आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता दो वर्गों जूनियर वर्ग (कक्षा 6 से 8) एवं सीनियर वर्ग (कक्षा 9 से 12) में होगी। प्रतिभागियों के लिए विषय कुटुंब प्रबोधन अथवा पर्यावरण संरक्षण निर्धारित किया गया है। विजेता प्रतिभागियों को 19 मार्च को आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित भी किया जाएगा। कार्यक्रम के अन्य प्रमुख आकर्षण में नव संवत्सर पंचांग का विधिवत अनावरण, भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, संघ शताब्दी वर्ष विषय पर विशेष प्रदर्शनी, भारत गौरव सेल्फी प्वाइंट एवं मुंबई से आए सुप्रसिद्ध गायक सुरेश जी की भजन संध्या का कार्यक्रम है। स्वामी विवेकानंद साप्ताहिक मिलन प्रमुख ऋषि जैन ने कहा कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत समाज को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा प्रस्तावित पंच परिवर्तान रूपी संकल्पों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इनमें सामाजिक समरसता, भाईचारा एवं एकता को बढ़ावा देना, नागरिक कर्तव्य-कानून पालन, अनुशासन एवं राष्ट्रीय जिम्मेदारियों का निर्वहन, पर्यावरण संरक्षण-प्रकृति संरक्षण, स्वच्छता एवं सतत जीवनशैली अपनाना, कुटुंब प्रबोधन-परिवार में संस्कार, संवाद एवं एकजुटता को मजबूत करना और स्वदेशी जीवनशैली- भारतीय परंपराओं, उत्पादों एवं संस्कृति को अपनाना शामिल हैं। समिति के ऋषि जैन ने कहा कि यदि समाज का प्रत्येक नागरिक इन पांच संकल्पों को अपने जीवन में उतार ले तो एक सशक्त, समृद्ध एवं आत्मनिर्भर भारत का निर्माण संभव है। इस भव्य आयोजन में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य नागरिक, शिक्षाविद, युवा, महिलाएं एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम को जनभागीदारी का उत्सव बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। राष्ट्रीय पर्व एवं उत्सव समिति ने लखनऊ सहित आसपास के क्षेत्रों के विभिन्न नागरिकों, युवाओं एवं विद्यार्थियों से इस ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर भारतीय संस्कृति, एकता एवं सामाजिक परिवर्तन के इस महाअभियान का हिस्सा बनने का आग्रह किया है।

मिश्रिख में 'मनरेगा बचाओ यात्रा' का समापन, डीएम को सौंपा ज्ञापन

❒ यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने मनरेगा से जुड़े मुद्दों को लेकर ग्रामीणों से संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मिश्रिख, सीतापुर। कांग्रेस पार्टी द्वारा सुनीता चौधरी के नेतृत्व में आयोजित 'मनरेगा बचाओ यात्रा' का समापन आज मिश्रिख में हुआ। यह यात्रा मछरेहटा ब्लॉक के परसदा गांव से शुरू होकर गोंदलामऊ ब्लॉक के विभिन्न गांवों से गुजरते हुए मिश्रिख क्षेत्र के कई गांवों में पहुंची।

यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने मनरेगा से जुड़े मुद्दों को लेकर ग्रामीणों से संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। इसके बाद मिश्रिख स्थित डाक बंगला में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व स्थानीय लोग मौजूद रहे।बैठक के उपरांत प्रतिनिधिमंडल ने जिला अधिकारी सीतापुर को ज्ञापन सौंपकर मनरेगा मजदूरों की मजदूरी का शीघ्र भुगतान, जॉब कार्ड बनाने में आ रही समस्याओं का समाधान तथा अधिक से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की।इसके साथ ही ज्ञापन में वर्तमान में हो रही गैस सिलेंडर की किल्लत को जल्द से जल्द दूर करने, आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाने और उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराने की भी मांग उठाई गई।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मनरेगा गरीब और मजदूर वर्ग के लिए महत्वपूर्ण योजना है, लेकिन वर्तमान में कई जगहों पर इसके क्रियान्वयन में अनियमितताएं सामने आ रही हैं। उन्होंने प्रशासन से योजना को पारदर्शी और प्रभावी तरीके से लागू करने की मांग की, ताकि जरूरतमंद लोगों को इसका पूरा लाभ मिल सके।इस मौके पर अनुपम राठौर (सांसद प्रतिनिधि, कंाग्रेस पार्टी सीतापुर), हसीना खातून, आंशू शुक्ला, मनोज अग्रवाल, रामआसरे राठौर, ब्रजकिशोर राठौर, जितेंद्र सक्सेना, प्रेम यादव सहित सैकड़ों की संख्या में कंाग्रेस कार्यकर्ता, स्थानीय पदाधिकारी और क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर मनरेगा से जुड़ी समस्याओं के समाधान और जनहित के मुद्दों को लेकर अपनी आवाज बुलंद की तथा प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

ड्रोन कैंप प्रशिक्षण का अंतिम दिन उत्साह और उपलब्धियों के साथ संपन्न

❒ प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभागियों को ड्रोन तकनीक के संचालन, सुरक्षा और उसके विभिन्न उपयोगों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। 22 वीं यूपी बटालियन एनसीसी के तत्वावधान में आयोजित ड्रोन प्रशिक्षण सिविल कैंप का अंतिम दिन उत्साह, सीख और उपलब्धियों के साथ सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।

एनसीसी कर्नल राजकुमार एच सिंह के संरक्षण में चल रहे इस प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभागियों को ड्रोन तकनीक के संचालन, सुरक्षा और उसके विभिन्न उपयोगों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान कैडेट्स एवं प्रतिभागियों ने ड्रोन को असेंबल करना, उसे सुरक्षित तरीके से उड़ाना तथा निगरानी और आपदा प्रबंधन जैसे कार्यों में उसके उपयोग की तकनीक सीखी। इस प्रशिक्षण से युवाओं में आधुनिक तकनीक के प्रति समझ और दक्षता में काफी वृद्धि हुई। शिविर का मुख्य उद्देश्य युवाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ना तथा भविष्य में आने वाली चुनौतियों और आपदाओं से निपटने के लिए उन्हें तैयार करना था। पूरे प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कैडेट्स को प्रतिदिन नई तकनीकें सीखने और व्यावहारिक अभ्यास करने का अवसर मिला।शिविर के अंतिम दिन कार्यक्रम का समापन विशेष रूप से हुआ, जिसमें ब्रिगेडियर अमित कुमार चंद, शौर्य चक्र, डीडीजी, एनसीसी निदेशालय (उत्तर प्रदेश), लखनऊ ने शिविर का दौरा किया। इस अवसर पर कैडेट्स ने उनके सामने ड्रोन का सफल डेमो और ड्रोन शो प्रस्तुत किया, जिसे देखकर उन्होंने कैडेट्स के कौशल और आत्मविश्वास की सराहना की।कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षण में भाग लेने वाले सभी कैडेट्स और प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र (सर्टिफिकेट) भी प्रदान किए गए। अधिकारियों ने बच्चों के उत्साह, अनुशासन और तकनीकी सीखने की लगन की प्रशंसा की।इस अवसर पर कई वरिष्ठ अधिकारी, प्रशिक्षक तथा एनसीसी के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। यह प्रशिक्षण शिविर युवाओं के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

सकरन ब्लॉक में खूनी हमला, ग्राम प्रधान पर जानलेवा हमला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सकरन, सीतापुर। मंगलवार को सकरन ब्लॉक परिसर उस वक्त दहशत और अफरा-तफरी का केंद्र बन गया, जब दिनदहाड़े दबंगों ने ग्राम प्रधान पर जानलेवा हमला कर दिया। सरकारी परिसर में हुई इस सनसनीखेज वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत रेवान के प्रधान अवधराम ब्लॉक परिसर स्थित पंचायत सचिव के आवास पर किसी जरूरी कार्य से पहुंचे थे। तभी पहले से घात लगाए बैठे गांव के ही दबंग बबलू यादव, अनूप यादव (पुत्र बालक यादव) और शहीद भट्ठ ने अचानक हमला बोल दिया। हमलावरों ने बिजली की मोटी केबल से ताबड़तोड़ वार कर प्रधान को गंभीर रूप से घायल कर दिया। सिर पर गहरी चोट लगने से प्रधान लहूलुहान होकर मौके पर ही गिर पड़े।

घटना के बाद पूरे ब्लॉक परिसर में चीख-पुकार और भगदड़ मच गई। सरकारी दफ्तर में मौजूद कर्मचारी और आमजन दहशत में इधर-उधर भागने लगे। घटना स्थल से कुछ ही दूरी पर स्थित पुलिस चौकी के जवानों ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर भाग रहे तीनों हमलावरों को दौड़ाकर पकड़ लिया। सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर बिसवां कोतवाली भेज दिया गया है।

घायल प्रधान का बयान

घायल प्रधान अवधराम ने बताया कि मैं ब्लॉक में कार्य से आया था, पंचायत सचिव के आवास पर बैठा था, तभी अचानक गांव के लोगों ने मुझ पर हमला कर दिया।

क्या बोले चौकी प्रभारी

चौकी प्रभारी सांडा अरुण उपाध्याय ने बताया''तीनों आरोपी पुलिस की गिरफ्त में हैं, उनके खिलाफ सख्त विधिक कार्रवाई की जा रही है।'' ब्लॉक परिसर जैसे सरकारी स्थान पर दिनदहाड़े इस तरह का खूनी हमला प्रशासनिक सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। क्या सरकारी दफ्तर अब दबंगों के लिए खुले अखाड़े बन चुके हैं। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों ने आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई और ब्लॉक परिसर में सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है।

तीन विवाहित जोड़े पुनः साथ रहने को हुये राजी

अमेठी। जनपद अमेठी में कानून व्यवस्था मजबूत करने के साथ ही खाकी रिश्तों को भी मजबूत कर रही है।महिला थाना के प्रयास से तीन विवाहित जोड़ा पुनः साथ रहने को राजी हुये है।मिशन शक्ति नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन के तहत सोमवार को महिला थाना की प्रभारी निरीक्षक कंचन सिंह मय टीम द्वारा पति-पत्नी के बीच चल रहे विवादों के संबंध में शिकायतों को सुना गया तथा समस्याओं को सुलझाते हुये पति पत्नी को साथ रहने के लिए समझाया गया जिसमें तीन विवाहित जोड़ा राजी खुशी से आपस में एक साथ रहने के लिये सहमत होकर घर गये तथा अमेठी पुलिस को धन्यवाद दिया।अमेठी पुलिस द्वारा उनको आगामी जीवन की शुभकामनाएं दी गई।

मोहनगंज पुलिस ने कब्र खुदवाकर शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा

अमेठी। थाना मोहनगंज क्षेत्र के गांव शुक्लापुर मजरे फूला में दस दिन पूर्व संदिग्ध परिस्थितियों में हुई महिला की मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है।सोमवार को नायब तहसीलदार और स्थानीय पुलिस की मौजूदगी में शव को कब्र खुदवाकर महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है। मृतका के मायके पक्ष के लोगों द्वारा लगातार गम्भीर आरोप लगाये जा रहे थे लेकिन ससुरालियों ने शव को दफन कर दिया था। बताते चलें कि थाना शिवरतनगंज क्षेत्र के गांव पूरे हिरई मजरे खरगपुर निवासी इम्तियाज अहमद की बहन रुकसाना का विवाह करीब पन्द्रह वर्ष पूर्व थाना मोहनगंज क्षेत्र की ग्राम पंचायत फूला के गांव शुक्लापुर निवासी अल्ला वासिद के बेटे अकील के साथ हुआ था। मृतका के एक दस वर्ष की पुत्री सारा भी है। बताया जाता है कि रुकसाना की बीती सात और आठ मार्च की रात में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मायके पक्ष की माने उसकी मौत के बाद ससुराल पक्ष के लोगों ने आनन फानन उसका शव घर के सामने स्थित बाग में दफना दिया था।मृतका के भाई इम्तियाज अहमद ने हत्या की आशंका जताते हुये जिलाधिकारी से शव का पोस्टमार्टम कराये जाने की मांग करते हुये प्रार्थना पत्र दिया था।

कांग्रेसी नेताओं की मांगः मनरेगा मजदूरों का भुगतान जल्द कराया जाए

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता के नेतृत्व में पार्टी के तमाम पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन मुख्य विकास अधिकारी को दिया। ज्ञापन में कहा गया कि जनपद शाहजहांपुर सहित प्रदेश के कई जिलों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के अंतर्गत कार्य करने वाले मजदूरों की मजदूरी का भुगतान पिछले कई महीनों से लंबित है।

मजदूरों ने कड़ी मेहनत से कार्य किया है, लेकिन समय समय से उन्हें मजदूरी न मिलने के कारण उनके सामने आजीविका का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। उनके परिवारों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उनके बच्चों की शिक्षा, भोजन तथा अन्य आवश्यक जरूरतें प्रभावित हो रही हैं। मांग की गई कि मनरेगा मजदूरों का लंबित भुगतान जल्द कराया जाए और भविष्य भी उनका भुगतान समय से किया जाए। इस दौरान में पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र दीक्षित, निवर्तमान प्रदेश सचिव अनूप वर्मा, तनवीर सफदर, बीएन सिंह एडवोकेट, पवन सिंह, सुरेश चंद्र शुक्ला, कृष्ण विनोद मिश्रा,अरुणोद मिश्रा, पूनम पांडेय, बिंदेश्वरी राज, दिनेश कुमार, पार्षद तालिब खान, सीमा गौतम, रानी पांडे, जसवीर कौर गिल, फुरकान अहमद कुरैशी, गौरव त्रिपाठी, रामजी अवस्थी, सईद अंसारी, संजय सक्सेना, सुशील प्रकाश शर्मा, लक्ष्मी नारायण मिश्रा, लक्ष्मीकांत मिश्रा, इरफान खान, अदीब अहमद, डॉ. फहाद, ओमेंद्र यादव, सोनपाल यादव, बालगोविंद यादव, रंजीत सिंह, शिवदर्शन, प्रत्यूष मिश्रा, शाश्वत मिश्रा, हरनाम कटियार, नीरज अवस्थी, प्रो. जाने आलम, अनिल श्रीवास्तव, अजय पाठक आदि कंाग्रेस पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बाघ के हमले से किसान की मौत, ग्रमीणों ने मोहम्मदी सिकंदरबाद हाईवे पर किया प्रदर्शन

❒ ग्रामीणों ने की मुआवजे और बाघ को पकड़ने की मांग, हजारों की भीड़ घटना स्थल पर मौजूद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अज़ान खीरी । थाना हैदराबाद क्षेत्र के नंदलालपुर गाँव में बीते सोमवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहाँ जानवरों के लिए चारा लेने गए एक किसान को बाघ ने अपना शिकार बना लिया। इस दर्दनाक हमले में किसान की मौके पर ही मौत हो गई, जिससे पूरे इलाके में दहशत और गहरा आक्रोश फैल गया है।

मृतक किसान के परिवार और हजारों की संख्या में ग्रामीण मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव को लेकर मोहम्मदी सिकंदरबाद हाइवे पर उतर आए। उन्होंने शव को सड़क पर रखकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिससे यातायात बाधित हो गया। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांगें हैं कि हमलावर बाघ को जल्द से जल्द पकड़ा जाए ताकि भविष्य में ऐसी किसी भी घटना की पुनरावृत्ति न हो, और मृतक किसान के परिवार को सरकार की ओर से उचित मुआवजा प्रदान किया जाए।ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ समय से क्षेत्र में बाघ का आतंक लगातार बढ़ रहा है, जिसके कारण उनकी जान-माल की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। खेतों और खलिहानों में काम करने

मदरसों को नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराने की मांग

❒ पाठय पुस्तकें उपलब्ध होने के बावजूद अपनाया जा रहा है पक्षपात पूर्ण रवैयाः फूल मियां

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। अरबी फारसी मदारिस एसोसिएशन के अध्यक्ष इकबाल हुसैन उर्फ फूलमियां ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को पत्र देकर अनुदानित मदरसों को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें उपलब्ध कराने की मांग की है।

अरबी-फारसी मदारिस एसोसिएशन के अध्यक्ष इकबाल हुसैन उर्फ फूलमियां ने बताया कि शासन द्वारा सभी बच्चों को समान रूप से निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें उपलब्ध कराने के निर्देश हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर मदरसों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। आरोप लगाया कि किसी मदरसा संचालकों को अब तक किताबें नहीं मिल पाई है, जो खेद की बात है। उन्होंने बताया कि शाहजहांपुर नगर क्षेत्र में निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकों का वितरण किया जा रहा है। उन्हें पुस्तकें प्राप्त करने के लिए नगर कार्यालय में भेजा गया, तो खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय नगर में तैनात कंप्यूटर ऑपरेटर रविंद्र सिंह ने उनसे कहा कि पहले प्राथमिकता बेसिक स्कूलों को दी जाएगी, उसके बाद अनुदानित विद्यालयों को और यदि पुस्तकें बचती हैं तो मदरसों को दी जाएंगी। इकबाल हुसैन उर्फ फूलमियां ने कहा कि पाठय पुस्तकें उपलब्ध होने के बावजूद पक्षपात पूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है। उन्होंने मांग की है कि मदरसों को भी अन्य विद्यालयों की तरह समान प्राथमिकता के आधार पर पाठ्य-पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएं, ताकि वहां अध्ययनरत छात्र-छात्राएं शिक्षा से वंचित न रहें। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो उच्च अधिकारियों से शिकायत करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

रमज़ान के रोज़ों का वैज्ञानिक महत्व व लाभ

बिसवां, सीतापुर,कैनविज टाइम्स संवाददाता। पवित्र माह रमजान में रखे जाने वाले रोज़े इस्लाम की एक महत्वपूर्ण इबादत हैं। इसके साथ ही रोजों का एक वैज्ञानिक महत्व भी है। इस महत्व की चर्चा करते हुए पर्यावरणविद् एवं समाजसेवी डा0 फुरकान अहमद अंसारी ने बताया कि इसमें सूर्योदय से सूर्यास्त तक भोजन और जल का त्याग किया जाता है, जिसका उद्देश्य आत्मसंयम, आध्यात्मिक शुद्धि और मानवता की भावना को बढ़ाना है। वैज्ञानिक दृष्टि से रोज़ा रखना शरीर के लिए लाभकारी माना गया है। इससे पाचन तंत्र को विश्राम मिलता है, शरीर की कार्यप्रणाली बेहतर होती है और संचित वसा ऊर्ज़ा के रूप में उपयोग होने लगती है। साथ ही यह रक्त में शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में सहायक है, जिससे टाइप टू शर्करा जैसी बीमारियों का जोखिम कम हो सकता है। रोज़ा मानसिक शांति, धैर्य और अनुशासन का भी विकास करता है। यह व्यक्ति में दूसरों के प्रति संवेदनशीलता और सामाजिक एकता की भावना को मजबूत बनाता है।इस प्रकार रमज़ान के रोज़े न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक ही नहीं हैं बल्कि वैज्ञानिक और सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी हैं।

एलपीजी आपूर्ति को लेकर उचौलिया में दिख रही किल्लतग्राहक परेशान

उचौलिया खीरी,कैनविज टाइम्स संवाददाता। पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष के कारण भारत में ख्रध्कआपूर्ति बाधित हुई है, जिसका असर उचौलिया (उत्तर प्रदेश) सहित कई क्षेत्रों में भी देखा जा रहा है। गैस सिलेंडरों की कमी के कारण लोगों में हड़कंप है और वितरण केंद्रों पर लंबी कतारें लग रही हैं। ईंधन संकट के बीच लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है। अब जहां सरकार गैस की कमी न होने का दावा कर रही है वही ग्राहक को गैस न मिलना अपने आप मे एक बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है। आखिर कमी नही तो फिर गैस की आपूर्ति क्यों ? क्यों ग्राहक इधर से उधर लाइनों में व भटक रहे है।

प्रेम प्रसंग के चलते पति ने पत्नी को उतारा मौत के घाट

अमेठी,कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना गौरीगंज पुलिस व स्वाट सर्विलांस टीम द्वारा पूरे डींगुर मजरे हृदय शाह में चौबीस घण्टे पूर्व हुई महिला की हत्या का खुलासा किया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक लकड़ी का डण्डा और मोटरसाइकिल के साथ मृतका के पति को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। थाना क्षेत्र के गांव पूरे डींगुर मजरे सराय हृदयशाह निवासी सोमई पुत्र रामदीन द्वारा सोलह मार्च को पर लिखित तहरीर दी गयी कि उनकी पुत्री रेखा उम्र करीब सत्ताइस वर्ष होली के दिन अपनी ससुराल से उनके घर आयी थी। पन्द्रह मार्च की रात करीब आठ बजे शौंच हेतु गयी थी जिसका शव गांव के बाहर गेंहू के खेत में मिला है। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनकी पुत्री की हत्या कर दी गयी है। उक्त सूचना पर थाना गौरीगंज पुलिस ने अभियोग दर्जकर लिया गया।पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देश पर थाना गौरीगंज के प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार मिश्र मय हमराह द्वारा अभियोग उपरोक्त में विभिन्न माध्यमों से साक्ष्य संकलन के उपरान्त प्रकाश में आये मोटरसाइकिल संख्या यूपी 44 एई 9017 सवार मृतका के पति मंशाराम पुत्र स्व. रामऔसान निवासी दिछौली थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक जनपद अमेठी उम्र करीब उनतीस वर्ष को गिरफ्तार किया गया। मोटरसाइकिल के कागज मांगने पर दिखा नही सका। पुलिस टीम द्वारा की गई पूंछतांछ में युवक ने बताया कि वह एक लड़की से बात करता था जिसका उसकी पत्नी रेखा (मृतका) विरोध करती थी जिस बात को लेकर दोनों में मनमुटाव रहता था व प्रायः कहासुनी होती रहती थी साथ ही युवक को शक था कि उसकी पत्नी का अन्य लोगों से भी संबन्ध था। उसकी पत्नी फोन से अन्य लोगों से बातचीत करती थी जिसके बारे में युवक द्वारा पूंछने पर वह कुछ नही बताती थी। बीती चार मार्च को वह अपनी पत्नी के साथ होली में ससुराल आया था तभी उसने रेखा को रास्ते से हटाने की योजना बना ली थी। पन्द्रह मार्च को रेखा को उसके मायके में ही खत्म करने की योजना बनाते हुये वह कूरेभार जनपद सुलतानपुर भट्ठे से एक मोटा डण्डा लेकर मोटरसाइकिल से अपनी ससुराल रात्रि में पहुंचा तथा सुनसान जगह पर खेतों में मोटरसाइकिल खड़ी कर रेखा को फोन किया तथा जान से मरने की दुहाई देकर उसे खेतों में बुला लिया।

खेत में काम कर रही युवती से जबरदस्ती की कोशिश, विरोध पर हमला, आरोपी फरार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और आरोपी की तलाश जारी है।

धौरहरा खीरी। जनपद लखीमपुर खीरी के थाना धौरहरा क्षेत्र में एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां खेत पर काम कर रही एक युवती के साथ जबरदस्ती और दुष्कर्म के प्रयास का आरोप लगा है। घटना के बाद इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बजहा गांव स्थित एक खेत में युवती गन्ना छिलाई का काम कर रही थी।

इसी दौरान गांव का ही निवासी विनय अवस्थी (निवासी बजहा), जो नशे की हालत में बताया जा रहा है, वहां पहुंच गया। आरोप है कि उसने युवती को शराब पीने के लिए मजबूर किया और मना करने पर उसका हाथ पकड़कर उसे गन्ने के खेत के अंदर खींचने लगा।युवती के शोर मचाने पर अन्य मजदूर मौके पर पहुंचे और उसे बचाने का प्रयास किया। इस दौरान आरोपी ने धारदार हथियार दिखाकर लोगों को डराया और दौड़ाया। बीच-बचाव करने आए मनोज नामक व्यक्ति पर उसने हमला कर दिया, जिससे उसके दाहिने हाथ में चोट आई।बताया जा रहा है कि आरोपी बाद में गांव पहुंचा और खेत मालिक विनोद कुमार अवस्थी के घर पर गाली-गलौज करते हुए उनके पुत्र शरद अवस्थी पर लाठी से हमला कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया।

पीड़िता द्वारा थाना धौरहरा में लिखित तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। पीड़िता के अनुसार, घटना के दौरान आरोपी का मोबाइल फोन मौके पर गिर गया, जो अब उसके पास है और पुलिस जांच में अहम साक्ष्य हो सकता है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और आरोपी की तलाश जारी है।

दो दंपति का आपसी सहमति से हुआ समझौता, किया विदा

❒ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर परिवार परामर्श केंद्र का हुआ आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर । एसपी के निर्देशन में परिवार परामर्श केंद्र का आयोजन पुलिस लाइन में किया गया। जिसमें 15 पत्रावली पर सुनवाई की गई और 02 दंपति का आपसी सहमति से समझौता कराकर उन्हें विदा किया गया।थाना सेहरामऊ दक्षिणी क्षेत्र के एक दंपति की शादी लगभग 09 वर्ष पूर्व हुई थी।

पत्नी अपने मायके फोन पर बात करती थी, इसी बात पर पति-पत्नी के बीच कहासुनी हो गई थी। जिसके चलते पत्नी अपने मायके चली गई थी। इस मामले की शिकायत मिलने पर दोनों पक्षों को परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया और दोनों पक्षों की आपस में वार्ता कराई गई और समझाया-बुझाया गया। जिसके बाद दंपति एक-दूसरे के साथ रहने को तैयार हो गए। आपसी सहमति से समझौता होने पर दोनों को परिवार परामर्श केंद्र से विदा किया गया। इसी तरह थाना खुटार क्षेत्र के एक दम्पति की शादी करीब 16 वर्ष पूर्व हुई थी। इसमें पत्नी करीब एक माह से अपने मायके में रह रही थी। बताया गया कि पत्नी दवाई लेने के बाद बिना बताए अपने मायके बहन के घर चली गई थी। इसी बात पर ससुराल लौटने पर उसकी सास से कहासुनी हो गई और आवेदिका अपने मायके चली गई। शिकायत मिलने पर दोनों पक्षों को परिवार परामर्श केंद्र बुलाकर उनकी आपस में वार्ता कराई गई और समझाया-बुझाकर उनका आपसी सहमति से समझौता कराया गया। इसके बाद दोनों को परिवार परामर्श केंद्र से सकुशल विदा किया गया। इस मौके पर परिवार परामर्श केन्द्र प्रभारी महिला उपनिरीक्षक मधु यादव, महिला मुख्य आरक्षी चन्द्रकान्ता शर्मा, महिला आरक्षी मोनिका कुमारी आदि मौजूद रहे।

किसानों के हित में सांसद अनुराग शर्मा की बड़ी पहल

झांसी। ललितपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद अनुराग शर्मा ने बुंदेलखंड के किसानों की समस्याओं को लेकर प्रदेश सरकार के समक्ष अहम मुद्दे उठाए हैं। उन्होंने ऊर्ज़ा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा और कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही को पत्र भेजकर सिंचाई और फसल सुरक्षा से जुड़े सुधारों की मांग की है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम सुनील पुत्र राम आसरे ग्रा.जफरापुर, आज से मुझे सुनील नाम से जाना पहचाना जाए।
शपथी सुनील निवासी जफरापुर शिवदयालगंज, थाना- नवाबगंज , जनपद गोंडा

हत्यारोपी अजय प्रताप सिंह और उसके ताऊ की दुकानें जमींदोज, चार घंटे तक चले बुलडोजर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। मूसाझाग क्षेत्र के गांव सैजनी स्थित एचपीसीएल प्लांट के दो अफसरों की हत्याकांड के आरोपी अजय प्रताप सिंह और उसके ताऊ की 11 दुकानों को जिला प्रशासन ने मंगलवार को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई मार्ग पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए की गई।

सैंजनी गांव स्थित एचपीसीएल प्लांट में हुई कंपनी के अफसरों की हत्या के मामले में प्रशासनिक कार्रवाई ने मंगलवार को रफ्तार पकड़ ली। सैंजनी गांव में हत्यारोपी अजय प्रताप सिंह व उसके ताऊ की अवैध मार्केट को बुलडोजरों ने ध्वस्त कर दिया। अवैध रूप से कब्जाया पंचायत घर भी तोड़ा गया है। दोहरे हत्याकांड से जुड़ा मामला इन दिनों सुर्खियों में है। नामी पेट्रोलियम कंपनी के दो अधिकारियों की दिनदहाड़े प्लांट में हत्या कर दी गई और आरोपी अजय प्रताप सिंह साफ निकलकर थाने पहुंचा। बाद में पुलिस ने उसे पैर में गोली मारने का घटनाक्रम दिखाते हुए उसे कोर्ट में पेश किया, यहां से उसे जेल भेज दिया गया। वहीं इस मामले में आरोपी के परिवार के खिलाफ

पहली कार्रवाई दुकानों के ध्वस्तीकरण की हुई है। मूसाझाग, दातागंज, हजरतपुर व आसपास के अन्य थानों की पुलिस के साथ एसडीएम व सीओ दातागंज भी यहां डेरा डाले रहे। इसमें हजरतपुर रोड को पुलिस प्रशासन की गाड़ियां लगाकर बंद कर दिया गया। सुबह दस बजे से दो बुलडोजरों ने ध्वस्तीकरण शुरू किया, जो दोपहर दो बजे तक चला। पहले चरण में अजय की छह दुकानों व आवासीय परिसर वाला मार्केट गिराया गया तो दूसरे चरण में उसके ताऊ पूर्व जिला पंचायत सदस्य राकेश प्रताप सिंह के मार्केट की पांच दुकान गिरा दी गईं। सैंजनी चौराहे से दूसरे छोर पर पंचायतघर को भी बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक सरकारी जमीन पर गलत नक्शे से बने पंचायतघर पर अजय के परिवार ने कब्जा कर लिया था। हालांकि इसके बराबर में ही प्रधान ने दूसरा पंचायतघर बनवा दिया था। निजी उपयोग में लाए जा रहे पंचायत घर को ध्वस्त किया गया है। सैंजनी चौराहा से हजरतपुर रोड पर पीडब्ल्यूडी के रोड किनारे की सरकारी अभिलेख में दर्ज बंजर जमीन को कब्जाकर यह मार्केट बनाया गया था। अजय और उसके ताऊ राकेश सिंह ने यहां अपनी दुकानें बनवाकर किराये पर उठा दी थीं और मोटी आमदनी कर रहे थे। भतीजे के साथ आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहने वाले ताऊ राकेश सिंह को भी खामियाजा भुगतना पड़ा। एसडीएम धर्मेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बंजर जमीन पर कब्जा करके व्यावसायिक गतिविधियां करने वालों को पहले नोटिस दिया गया था। इन्होंने कोई जवाब नहीं दिया तो विधिक प्रक्रिया के तहत निर्माण तोड़कर रास्ता खाली कराया गया। चालीस और दुकानों पर ध्वस्तीकरण का खतरा

अजय के साथ ही उसके परिवार के अन्य लोगों ने भी यहां रोड किनारे की महंगी जमीन कब्जाकर दुकानें बनवा रखी हैं। इसी सीध से अन्य बिरादरी के कुछ रसूखदार लोगों ने भी सैंजनी चौराहे के पास बाजार विकसित कर लिया है। अब अन्य लोगों की करीब चालीस दुकानें इसी तरह बंजर जमीन पर बनाने की पुष्टि हुई है। एसडीएम ने बताया कि इन सभी को नोटिस दिया जा रहा है। संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो इन दुकानों को भी ध्वस्त किया जाएगा। दोहरे हत्याकांड के आरोपी अजय प्रताप सिंह ने दबंगई और रसूख के दम पर सैजनी गांव में चौराहे के पास पूरा मार्केट बना लिया था। नोटिस लगने के बाद रविवार रात में ही किरायेदार दुकानदारों ने दुकानें खाली कर दीं, अजय के परिजनों व करीबियों ने शटर और जंगले भी तोड़कर कहीं छुपा दिए।

शाहजहांपुर के दबंग परिवार से जुड़ा अजय प्रताप सिंह पूरी दबंगई से सैजनी में आकर बस गया था। चौराहे के पास ही उसने सड़क किनारे पूरा बाजार विकसित किया हुआ है। इनमें छह दुकानों के साथ ही आवासीय जगह भी है। लगभग सभी दुकानें किराये पर दी गई थीं। इनमें से एक में चप्पल-जूतों की दुकान, दूसरी में मेडिकल स्टोर, एक में जनसेवा केंद्र व अन्य तरह के धंधे चल रहे थे। घटना के बाद दहशत में सभी दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद कर दी थीं।वहीं रविवार सुबह इन दुकानों को निर्माण मानकों के विपरीत बताकर ध्वस्तीकरण पूर्व कार्रवाई का नोटिस चस्पा हुआ तो शाम ढलते ही दुकानदारों ने अपना सामान यहां से हटा लिया। इनमें से एक दुकानदार ने बताया कि उन्होंने पगड़ी के रूप में अच्छी खासी रकम अजय को दी थी, काम भी ठीक चल रहा था। अब उनकी वह रकम भी मारी गई। दुकान भी कहीं दूसरी जगह पता नहीं कब मिल सकेगी। फिलहाल, सामान उन्होंने अपने घर पर रख लिया है। सभी दुकानों के लोहे के शटर भी उखड़े हुए थे। इस बारे में संबंधित दुकानदारों ने जानकारी न होने की बात कही।

सम्भल में सीएम युवा उद्यम वृहद ऋण वितरण कार्यक्रम आयोजित

❒ 116 लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित, युवाओं को स्वरोजगार के लिए किया गया प्रेरित, डिजिटल बैंकिंग अपनाने पर जोर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सम्भल। स्टेट बैंक क्षेत्रीय कार्यालय रामपुर के तत्वावधान में सीएम युवा उद्यम वृहद ऋण वितरण कार्यक्रम का आयोजन बहजोई स्थित डीआर रिसॉर्ट में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ.राजेंद्र पैंसिया (जिलाधिकारी सम्भल) तथा प्रशासनिक कार्यालय के उप महाप्रबंधक सुमन बक्शी उपस्थित रहे। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय रामपुर के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री प्रभात कुमार सहित विभिन्न शाखाओं के प्रबंधक एवं बैंक अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान कुल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यम योजना युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से सरकार युवाओं को स्वरोजगार के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध करा रही है, जिससे वे अपने व्यवसाय स्थापित कर सकें और अन्य लोगों को भी रोजगार दे सकें। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य युवाओं को नौकरी खोजने वाला नहीं बल्कि नौकरी देने वाला बनाना है। इसके लिए सरकार द्वारा सरल ऋण प्रक्रिया, पारदर्शी व्यवस्था और डिजिटल माध्यमों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे योजनाओं का लाभ सीधे पात्र युवाओं तक पहुंच सके। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुमन बक्शी ने लाभार्थियों से ऋण राशि का समुचित एवं उत्पादक उपयोग करने तथा नियमानुसार समय पर लेनदेन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह योजना युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसके साथ ही कार्यक्रम में डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के उपयोग पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों ने क्यूआर कोड और साउंड बॉक्स जैसी सुविधाओं के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इनसे लेन-देन को सुरक्षित, पारदर्शी और सरल बनाया जा सकता है। अंत में अधिकारियों ने सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हरिद्वार में देव उत्सव के दौरान अंतर्राष्ट्रीय भजन गायक दीनबंु के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। उत्तर मय क्षेत्र सांस्तिक केंद्र, प्रयागराज (संस्ति मंत्रालय, भारत सरकार) तथा श्री गंगा सभा (रजिस्टर्ड) हरिद्वार, उत्तराखंड के संयुक्त तत्वााान में आयोजित देव उत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत हर की पौड़ी, हरिद्वार में मां गंगा की पावन गोद में भजनों की अविरल ारा बही।

इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय भजन गायक दीनबंु सिंह ने अपने सुमुर भजनों की प्रस्तुति से उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग कर दिया। उनके भजनों की मुरता और भक्ति भाव से ओतप्रोत प्रस्तुति ने ऐसा वातावरण बनाया कि वहां मौजूद श्रोता बंु स्वयं को रोक न सके और खड़े होकर झूमने व नाचने लगे। पूरा हर की पौड़ी क्षेत्र भक्ति और उल्लास के रंग में रंग गया तथा वातावरण मां गंगा की आराना और भजन-कीर्तन से गूंज उठा। दीनबंु सिंह के भजनों ने पूरे परिसर को भक्ति रस में सराबोर कर दिया, जिससे हर की पौड़ी का वातावरण आयात्मिक ऊर्जा और श्रद्धा से भर उठा। श्रद्धालुओं ने

भजनों के साथ ताली बजाकर और झूमकर अपनी भक्ति का भाव व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में वाद्य यंत्र पर अमित ीमन ढोलक राहुल थापा कीबोर्ड राघव शर्मा तबला विनय शर्मा ओक्टोपैड तथा सुमित गिटार पर साथ दिए। कार्यक्रम के दौरान भारतीय संस्ति और परंपरा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अन्य विभिन्न सांस्तिक विााओं की भी शानदार प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। इस प्रकार देव उत्सव के मंच से भक्ति, संस्ति और संगीत का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं के मन में आयात्मिक आनंद की अनुभूति कराई।

एसएसपी से मिले हर्षित के परिजन, स्थानीय विधायक, पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। एचपीसीएल हत्याकांड में मृतक हर्षित मिश्रा के परिजन मंगलवार को बदायूं पहुंचे। उन्होंने एसएसपी से मुलाकात की। इसके बाद हर्षित के मामा ने स्थानीय विधायक, पुलिस और गांव के प्रधान पर गंभीर आरोप लगाए।

एचपीसीएल प्लांट के दो अफसरों की हत्या के मामले में मृतक हर्षित मिश्रा के परिजनों का गुस्सा मंगलवार को उस समय फूट पड़ा, जब वे एसएसपी कार्यालय पहुंचे लेकिन उन्हें तत्काल मुलाकात का अवसर नहीं मिला। इससे नाराज परिजनों ने परिसर में हंगामा कर दिया। न्याय की मांग को लेकर नारेबाजी शुरू कर दी। हर्षित के मामा ने स्थानीय विधायक और पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। वहीं परिजनों ने आरोप लगाया कि घटना के बाद भी उन्हें संतोषजनक कार्रवाई का भरोसा नहीं मिल पा रहा है। उनका कहना था कि दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। हंगामे की सूचना पर पहुंचे अधिकारियों ने उन्हें समझाने का प्रयास किया, जिसके बाद देर तक चली बातचीत के बाद परिजनों की एसएसपी अंकिता शर्मा से मुलाकात कराई गई। मुलाकात के दौरान परिजनों ने पूरे घटनाक्रम को विस्तार से बताया और न्याय की मांग दोहराई। एसएसपी अंकिता शर्मा ने उन्हें निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद स्थिति सामान्य हुई। वहीं हर्षित के मामा विकास मिश्रा ने कहा कि उनके भांजे ने पहले ही पुलिस को सूचना दी थी, लेकिन उसकी शिकायत पर ध्यान नहीं दिया गया। आरोप है कि यहां के स्थानीय विधायक और प्रधान सब मिले हुए हैं। उन्होंने कहा कि योगी जी, मेरे भांजे को न्याय दिलाइए। उन्होंने सीबीआई से जांच कराने की मांग की है। विकास मिश्रा ने न्याय न मिलने पर आत्मदाह करने की चेतावना दी। वहीं मूसाझाग थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव सैंजनी में बने हिंदुस्तान पेट्रोलियम के कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट में उप महाप्रबंधक सुधीर कुमार गुप्ता व सहायक मुख्य प्रबंधक हर्षित मिश्रा की 12 मार्च को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड के बाद जिले में प्रशासनिक सख्ती लगातार बढ़ रही है। आरोपी की संपत्तियों पर बुलडोजर कार्रवाई के साथ-साथ एसआईटी जांच भी जारी है।

जन्नत के दरवाज़े पर सब्र की दस्तक़है :रोज़ा सोहैल असरार खान

चंदौसी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। माह -ए- रमज़ान खुशबुओं का खज़ाना है। रमज़ान का महीना रहमतों और बरकतों का महीना है।माह-ए-रमज़ान में रोज़ा रखना अच्छी ज़िन्दगी जीने की तरबियत है ।इसमें इबादत कर परवरदिगार की राह पर चलने वाले इन्सान का ज़मीर रोजेदार को एक नेक इन्सान के किरदार के लिए हर ज़रूरी तरबियत देता है।यह विचार सोहैल असरार खान ने प्रेस वार्ता के दौरान से अपने संबोधन में व्यक्त किए।सोहैल असरार खान ने कहा कि रमज़ान का तीसरा और आख़िरी अशरा 21वें रोज़े से शुरू होकर 29वें या 30वें रोज़े तक चलता है।तीसरे अशरे का उद्देश्य दोज़ख से निजात पाना है।यक़ीनन रोज़े की 27वीं रात ही शब-ए-कद्र यानी इज्जत और अजमत वाली रात है।माह ए रमज़ान में शब ए कद्र ऐसी ही ख़ास और मुकद्दस रात है।जिसमें मज़हब ए इस्लाम की पाकीज़ा किताब कुरआन ए पाक तमाम दुनिया और इंसानियत के लिए रहनुमाई , रोनक़और रहमत की रोशनी तो है ही समाजी जिंदगी का पाकीज़ा आईना भी है।तीसवें पारे की सूरह कद्र कद्र की पहली आयत में जिक्र है कि मज़हब ए इस्लाम की सबसे बड़ी इस्लामी किताब कुरआन ए पाक को शब ए कद्र में नाजिल किया गया शब-ए-कद्र में इबादत का शबाब हज़ार महीनों से ज्यादा बेहतर है।

सीओ दातागंज का तबादला

बदायूं, कैनविज टाइम्स संवाददाता। एचपीसीएल हत्याकांड के बाद से पुलिस महकमे में फ़ेरबदल जारी है। मंगलवार को सीओ दातागंज केके तिवारी का तबादला कर दिया गया। राहुल पांडेय को दातागंज का सीओ बनाया गया है। केके तिवारी बिल्सी सर्किल भेजा गया है। सुनील कुमार को उझानी सर्किल की जिम्मेदारी मिली है।

मैथिल ब्राह्मण सभा के पदाधिकारियों ने एसएसपी से की शिष्टाचार भेंट

बदायूँ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिले में सामाजिक सौहार्द और आपसी समन्वय को मजबूत करने के उद्देश्य से मैथिल ब्राह्मण सभा के जिलाध्यक्ष नवालकिशोर शर्मा ने अपने पदाधिकारियों के साथ एसएसपी अंकिता शर्मा से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने एसएसपी को गुलदस्ता भेंट कर सम्मान व्यक्त किया और जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। भेंट के दौरान जिलाध्यक्ष नवालकिशोर शर्मा ने संगठन की गतिविधियों एवं सामाजिक कार्यों की जानकारी दी। साथ ही क्षेत्र में शांति व्यवस्था, सामाजिक सहयोग और प्रशासन के साथ समन्वय बनाए रखने कोलेकर भी विचार-विमर्श किया गया। एसएसपी ने भी सभा के पदाधिकारियों से सकारात्मक संवाद करते हुए समाज में शांति, कानून व्यवस्था और भाईचारे को बनाए रखने में सहयोग की अपील की।इस अवसर पर सेवानिवृत्त बैंक वरिष्ठ प्रबंधक ब्रह्मदेव शर्मा, रोहित शर्मा, सेवानिवृत्त फौजी अनिल शर्मा तथा सोमदत्त शर्मा उपस्थित रहे। सभी ने प्रशासन के साथ मिलकर समाजहित में कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। यह शिष्टाचार भेंट सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें समाज और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय की दिशा में सकारात्मक संदेश दिया गया।

सिटीमाल से गोपीचौक तक लगा भीषण जाम, घंटों परेशान रहे राहगीर

बदायूँ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। बदायूँ शहर के व्यस्त मार्ग सिटीमाल से गोपीचौक तक मंगलवार को भीषण जाम लग गया, जिससे आम लोगों को घंटों तक परेशानी का सामना करना पड़ा। दोपहर के समय अचानक बढ़े ट्रैफिक दबाव के कारण सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जाम की स्थिति इतनी गंभीर थी कि बाइक और पैदल चलने वाले लोगों को भी निकलने में कठिनाई हो रही थी। कई लोग अपनी निर्धारित समय पर गंतव्य तक नहीं पहुंच सके, जिससे उन्हें काफी असुविधा झेलनी पड़ी। बताया जा रहा है कि संकरी सड़क, अव्यवस्थित पार्किंग और अचानक बढ़ी भीड़ जाम का मुख्य कारण रही। इसके अलावा कुछ स्थानों पर सड़क किनारे खड़े वाहनों ने भी यातायात को और बाधित किया। सूचना मिलने पर ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद यातायात को धीरे-धीरे सुचारू कराया। हालांकि, जाम खुलने में काफी समय लग गया, जिससे लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ा। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मार्ग पर ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति से बचा जा सके।

श्रीराम के आदर्श जीवन से लें सीख : रवि महाराज

बदायूँ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। बदायूँ शहर के नेकपुर स्थित भगवान परशुराम विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में चल रहे श्रीराम कथा महोत्सव के चौथे दिन कथा वाचक संत रवि जी समदर्शी महाराज ने श्रीराम के आदर्श जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि श्रीराम का जीवन सत्य, त्याग, कर्तव्य और मर्यादा का प्रतीक है और मनुष्य को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने नारद जी के अभिमान, विश्वमोहिनी स्वयंवर, मनु- सतरूपा तथा प्रताप भानु की कथाएं सुनाते हुए बताया कि क्रोध और अहंकार में लिया गया निर्णय मनुष्य को अंततः पश्चाताप की ओर ले जाता है। कार्यक्रम में कई गणमान्य लोग और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भारतीय शिक्षा बोर्ड की जनपद सम्भल की संगोष्ठी कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में सम्पन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सम्भल, बहजोई । भारतीय शिक्षा बोर्ड की जिला स्तरीय संगोष्ठी आज कलक्ट्रेट सभागार में 1.00बजे सम्पन्न हुई । संगोष्ठी में प्रमुख वक्ता के तौर पर डा.एन पी सिंह पूर्व आईएएस चेयरमैन भारतीय शिक्षा बोर्ड, एवं मुख्य अतिथि जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया एवं विशिष्ट अतिथि मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा एवं जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार रहे । सर्वप्रथम सभी अतिथियों ने मिलकर वेद मन्त्रों के साथ दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ ।

गोष्ठी में मुख्य वक्ता डॉ एन पी सिंह चैयरमेन भारतीय शिक्षा बोर्ड सेवानिवृत आईएएस ने विस्तार से समस्त जिलों से पधारे विद्यालयों के प्रबंधकों/ प्राचार्यों/ उद्योपतियों से विस्तार से भारतीय शिक्षा बोर्ड की आवश्यकता के बारे में विस्तार से चर्चा की । श्री सिंह ने बताया कि आधुनिक पाश्चात्य शिक्षा के परिवेश में शिक्षा में भारतीय संस्कृति और संस्कारों का अभाव है और केवल धन कमाने का ही उद्देश्य है हमारे भारत में लगातार छात्र छात्राओं का नैतिक पतन हो जा रहा है पढ़ लिखकर भी बच्चे अपराध करने से नहीं डर रहे आये दिन बलात्कार आत्महत्याएं बढ़ रही हैं , भौतिक चकाचौंध के बातावरण में माता-पिता का अपमान, सामाजिक समरसता, राष्ट्रके प्रति सकारात्मक सोच का अभाव दीखता है । भारतीय शिक्षा बोर्ड की मूल भावना है बच्चों को भारतीय संस्कृति, वेद, शास्त्र , उपनिषद, गीता आध्यात्मिक शिक्षाओं के साथ आधुनिक कंप्यूटर साइंस व सनातन के साश्वत मूल्यों के साथ प्रकृति के मूल से जोड़कर गुणवत्तापूर्ण व संस्कारयुक्त ,चरित्रवान बनाना है। इसके लिये भौतिकतावादी चकाचौंध से मानस का विचार परिवर्तन करना होगा। इसके लिए सभी से निवेदन किया गया यदि भारत को सशक्त, संस्कारवान और विश्व गुरु बनाना है तो विद्यालय भारतीय शिक्षा बोर्ड से जुड़ें । मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया ने अपने सम्बोधन में कहा कि बच्चों को संस्कार देने का काम सर्वाधिक माता-पिता और आदर्श शिक्षक का होता है उसको एक माहौल भी प्रभावित करता है इसलिए हमें बड़ी-बड़ी फैसिलिटी युक्त इमारतों के विद्यालय की ओर अधिक आकर्षित नहीं होना है और प्राचीन वैदिक संस्कृति की ओर लौटना है और अपने देश में भारतीय संस्कृति के मूल्यों के साथ शिक्षा बहुत आवश्यक है भारत यदि जीवित रहेगा तो विश्व बचेगा यदि भारत नहीं रहा तो विश्व नहीं बचेगा । कलेक्ट्रेट के बाद डी आर रिसोर्ट में प्राइवेट व सरकारी विद्यालयों के प्रबन्धक व प्रधानाचार्यो के साथ भी शैक्षणिक सम्वाद किया गया व गोष्ठी का संचालन सुनील शास्त्री राज्य प्रभारी भारत स्वाभिमान ने किया इस अवसर पर प्रमुखतयाः श्री एम एल पटेल खण्ड शिक्षाधिकारी ,पतंजलि परिवार से श्री विपिन बिहारी राज्य प्रभारी पतंजलि योग समिति दयाशंकर आर्य राज्य प्रभारी पतंजलि किसान सेवा समिति, कुलदीप ,राज्य संगठन मन्त्री , शिवनन्दन , राज्य कोर्डिनेटर एवं जिले के पदाधिकारी/कार्यकर्ता प्रमुखताः रामवीर शास्त्री, भुवनेश , यशपाल शास्त्री, देवदत्त , कालाराम , रामवीर, ज्योतिवसु, दिनेश, हरेन्द्र आर्य,आ के अतिरिक्त काफी संख्या में उद्योगपति ,विद्यालयों के प्रबन्धक, प्राचार्यों ने सहभागिता की ।

पुलिस ने स्मैक के साथ युवक को भेजा जेल शुकुल बाजार

अमेठी। थाना शुकुल बाजार पुलिस ने मादक पदार्थो की बिक्री करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ा रुख अख्तियार करते हुये पन्द्रह ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देश पर स्थानीय पुलिस द्वारा क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में व नशा मुक्त अमेठी अभियान के तहत थाना शुकुल बाजार पुलिस द्वारा देखभाल क्षेत्र चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान राजू उर्फ रविन्द्र कुमार उपाध्याय पुत्र सहदेव निवासी ग्राम पूरे फल्लू पांडे मजरे महोना पूरब को गिरफ्तार किया गया जिसके कब्जे से पन्द्रह ग्राम स्मैक बरामद हुई है। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष विवेक कुमार वर्मा ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये युवक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्जकर जेल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये युवक के खिलाफ ग्यारह अपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

टीआई की सरपरस्ती में चल रही कोडवर्ड लिखी ईको, एंट्री फीस में महीनेदारी का खेल

❒ शहर के बॉर्डर पर यातयात प्रभारी करवाते बड़े वाहनों से उगाही, शहर में जाम से राहगीर परेशान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। शहर के पुलिस लाइन चौराहे पर आर और एस कोडवर्ड वाली गाड़ियों के द्वारा टू स्टार टीआई के इशारे पर उगाही हो रही है खानापूर्ति के लिए अपने चाहतों के छुट मुट चालान कर देते हैं जिसकी वजह से चौराहे पर जाम की स्थिति बनी रहती हैं। वहीं सूत्रों की मानें तो कुछ चुनिंदा ईको गाड़ियां सफ़ेद प्राइवेट कमर्शियल और आटो पीले रंग की नंबर प्लेट की भी हैं, जिनके चालकों के द्वारा उगाही करके महीनेदारी यातयात प्रभारी को दी जाती हैं। और बिना प्रभारी की मर्जी से पुलिस लाइन चौराहे पर ईको गाड़ियों को कोई यातयात सिपाही भगा सकता हैं ''सबब यह है कि'' प्रभारी के निर्देशन में यातयात सिपाहियों के नाम से कुछ ईको गाड़ियां चलती है इसलिए भी जाम की स्थिति बनी रहती है। प्रभारी का दबदबा होने की वजह से

भ्रष्टाचार की बात दबी जुबा से कह तो सब लोग कर रहे मगर कोई खुल कर नहीं बोल पा रहा हैं। अगर उच्चाधकारियों के द्वारा इसकी धरातलीय गोपनीय जांच होती है तो भ्रष्टाचार में टीआई समेत कई सिपाही लिप्त पाए जाएंगे। यातयात प्रभारी जाम से निजात दिलाने के दाबे तो बड़े बड़े कर रहे मगर शहर में जाम की स्थिति से निजात नहीं दिला पा रहे हैं। प्रभारी शहर के बाहर बड़े सरकार के आगे या फिर नवादा बाईपास पर बड़े वाहनों को रोक कर चालान के नाम पर अपने खास सिपाहियों से खुलेआम वसूली करवाते हैं।ट्रैफिक प्रभारी अपने गणित में तो पास है, मगर नो पार्किंग जोन में खेल, अतिक्रमण और जाम की व्यवस्था में फ़ेल होते नजर आ रहे हैं, जबकि तत्कालीन डीएम मनोज कुमार ने ऑटो स्टैंड शहर के बाहर बनाने के निर्देश थे। उसके बाद स्थिति जस की तस बनी हुई हैं बावजूद उसके पुलिस लाइन चौराहे, आंबेडकर पार्क, रोड़वेज, लावेला चौक पर ईको गाड़ियां व ऑटो करीब पंद्रह मिनट तक वहां खड़े रहते है। जबकि आंबेडकर पार्क रोड़ पर महिला पुरुष सरकारी अस्पताल और कचहरी आने जाने वाले राहगीर गंभीर मरीजों को लेकर एंबुलेंस यहां से गुजरती हैं। स्थानीय लोगों को कहना है कि प्रभारी की तानाशाही की वजह से यातायात कर्मी मूकदर्शक बनकर खड़े रहते हैं अपने मोबाइल को देखते रहते है और लोग जाम फंसे रहते हैं। इस दौरान नो पार्किंग जोन का उल्लंघन करते आधा दर्जन से अधिक ईको, ऑटो वाले नजर आते हैं। ईको गाड़ियां पुलिस लाइन पर सड़क के किनारे खड़ी रहती है यही वजह है कि चौराहे पर हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। वहीं सूत्रों की मानें तो यातायात प्रभारी द्वारा डग्गामार वाहनों से महीने में एंट्री फीस के नाम पर उगाही की जाती है ''डबलडेकर'' बसों से लालपुल ,पुरानी चुंगी और नवादा में यातायात प्रभारी द्वारा एंट्री फीस के नाम पर प्रति बस से 2000 हजार से लेकर 3000 तक की उगाही की जाती है। टू स्टार टीआई को कई बार माननीयों के आशीर्वाद से ट्रैफिक का प्रभार मिल चुका है।एआरटीओ हरिओम गौतम ने बताया कि हमारी तरफ से लगातार चेकिंग जारी है हम प्रतिदिन चेकिंग की कार्रवाई कर रहे हैं अगर सफ़ेद नंबर प्लेट की ईको गाड़ियां कहीं से सवारियां भरकर टैक्सी में चल रही है तो नियम विरुद्ध है उनके खिलाफ कार्रवाई करके जुर्माना लगाया जाएगा।

गैस कालाबाजारी पर प्रशासन सख्त, कई एजेंसियों पर छापेमारी

सुल्तानपुर। जनपद में रसोई गैस की संभावित कालाबाजारी और जमाखोरी को रोकने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलााकिारी कुमार हर्ष के निर्देश पर जिला पूर्ति अाकिारी जीवेश मौर्य द्वारा जिले के विभिन्न गैस एजेंसियों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। बताया जा रहा है कि सोशल मीडिया के मायम से गैस की कालाबाजारी और अवैा भंडारण की शिकायतें लगातार मिल रही थ। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद जिला पूर्ति अाकिारी के नेतृत्व में खाद्य एवं रसद विभाग की टीम ने कई गैस एजेंसियों पर औचक निरीक्षण किया। अाकिारियों ने एजेंसियों के स्टक रजिस्टर, वितरण प्रणाली तथा उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर की आपूर्ति से संबंाित दस्तावेजों की भी जांच की। जांच के दौरान एजेंसियों को सख्त निर्देश दिए गए कि किसी भी स्थिति में गैस सिलेंडरों की जमाखोरी या कालाबाजारी बर्दाश्त नह की जाएगी। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, वर्तमान में खाड़ी क्षेत्र में चल रहे युद्ध के मद्देनजर आवश्यक वस्तुओं की उपलबता को लेकर सरकार और जिला प्रशासन विशेष रुप से सतर्क है।

नरायनपुर के छात्रों ने अयोया मंडल में जीते दो गोल्ड

भदैंया, सुल्तानपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। अयोया मंडल में आयोजित राज्य स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में जिले के भदैया ब्लक स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय नारायणपुर के छात्रों ने उत्.ष्ट प्रदर्शन किया है। विद्यालय ने मंडल का प्रतिनिाित्व करते हुए दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीता है।टेबल टेनिस में बालिका वर्ग से .तिका शर्मा, रिचा यादव और लवी पाल ने स्वर्ण पदक हासिल किया। वह, बालक वर्ग में मंजीत और ऋषभ शुक्ला ने भी टेबल टेनिस में स्वर्ण पदक जीते। हैंडबल प्रतियोगिता में रिचा यादव और तनु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक दिलाया। इन मेाावी छात्रों के विद्यालय लौटने पर परीक्षा के उपरांत एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय के समस्त स्टाफ और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों में प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलायक्ष दिनेश उपायाय, मुनेंद्र मिश्रा, इंद्रभान यादव, हरिकेश्वर सिंह, गीता मौर्य और अनुपम यादव शामिल थे। विद्यालय की इस उपलबि पर खंड शिक्षा अाकिारी शिव शंकर मिश्रा और ब्लक व्यायाम शिक्षक शिव प्रताप सिंह ने छात्रों को बााई दी और उन्हें सम्मानित किया।

महानगर के बूथ से लेकर मंडल स्तर तक सभी कार्यकर्ता सम्मान के पात्र : संजय गुप्ता

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता । संगठन की शक्ति कार्यकर्ताओं के लगन, परिश्रम और सहयोग से ही बढ़ती है। महानगर के बूथ से लेकर मंडल स्तर तक सभी कार्यकर्ता सम्मान के पात्र हैं और संगठन की मजबूती में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उक्त बातें मंगलवार को एक वर्ष पूरा होने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से कही।उन्होंने आगे कहा कि सभी कार्यकर्ता मिलकर संगठन को और सशक्त बनाने तथा वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए कार्य करते रहेंगे। भाजपा प्रयागराज महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता के कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गर्म हुआ अफवाहों का बाजार, गैस सिलिंडर के लिए गैस एजेंसियों पर लंबी कतार

❐ जिम्मेदारों के अनुसार, अभी रसोई गैस के आवक में कोई कमी नहीं है

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। खाड़ी देशों में युद्ध का माहौल होने से तरह-तरह की अफवाहें यहां भी तूल पकड़ रही हैं। आ जकल रसोई गैस की आपूर्ति में कमी होने का शोर मचा हुआ है।इसीलिए एजेंसियों पर बड़ी संख्या में उपभोक्ता लाइन लगाते हुए देखे जा रहे हैं,होली के बाद से ही अचानक रसोई गैस की डिमांड बढ़ गई है।

जिम्मेदारों का कहना है कि गैस के दाम में वृद्धि और आवक में कमी की अफवाहों के चलते उपभो क्ता रसोई गैस के लिए अनायास परेशान हो रहे हैं। जिम्मेदारों के अनुसार, अभी रसोई गैस के आवक में कोई कमी नहीं है। पिछले एक सप्ताह से रसोई गैस के लिए कई जगहों पर उपभोक्ताओं की भीड़ देखी जा रही है।गहमागहमी के बीच लोग सिलिंड र प्राप्त

कर रहे हैं।उज्ज्वला योजना के तहत होली पर्व पर मुफ्त सिलेंडर के लिए सरकार की ओर से लाभार्थियों के खाते में केवाईसी करके राशि भी भेजा जा रहा है।इसलिए एजेंसियों पर गैस लेने के लिए भीड़ और जुटने लगी है।इसी बीच मंगलयम गैस प्रतिष्ठान भारत गैस एजेंसी के संचालक देवेंद्र प्राताप ने गैस की कमी की खबरों को अफवाह बताया है।उन्होंने कहा कि गैस का कोई स्टॉक खत्म नहीं हुआ है और न ही किसी तरह का संकट है।लोगों में फैल रही अफवा हों के कार ण ही परेशानी बढ़ रही है।देवेंद्र प्रताप सिंह के मु ताबिक जब से ईरान युद्ध की खबरें आई हैं, तभी से गैस की किल्लत को लेकर अफवाहों का बाजा र गर्म हो गया है। उन्होंने बताया कि कई लोग डर के कारण जरूरत से ज्यादा गैस सिलेंडर लेने की कोशिश कर रहे हैं और घरों में स्टॉक करने लगे हैं, जिससे अनावश्यक दबाव बन रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि मंगलयम गैस प्रतिष्ठान भारत गैस ए जेंसी गोंडा में गैस वितरण का काम पूरी तरह व्यव स्थित तरीके से किया जा रहा है और आम लोगों से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और जरूरत के अनुसार ही गैस लें।गैस एजेंसी संचाल क देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि हमारे, प्रतिष्ठानपर महिलाओ और पुरुषो के लिए अलग - अलग सहायता पटल बनाए गए है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ स्वास्थ्य मेला

❐ सैकड़ों महिलाओं को मिला स्वास्थ्य और जागरूकता का लाभ

❐ टीबी मरीजों को दी गई पोषण पोटलीपरिवार नियोजन सेवाओं के प्रति किया गया जागरूक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को सीएचसी मुस्तफाबाद, जरवल के प्रांगण में मोबियस फाउंडेशन के वित्तीय सहयोग से स्वास्थ्य विभाग और पापुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में विशाल स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। महिला सशक्तिकरण को समर्पित इस मेले में सैकड़ों लोगों ने भाग लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

मेले में कुल 754 लोगों का पंजीकरण किया गया, जिनमें 722 महिला व पुरुष तथा 32 किशोर-किशोरियां शामिल रहीं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम ने 350 मरीजों की इंटरनल मेडिकल ओपीडी तथा 240 सामान्य मेडिकल ओपीडी में जांच की। इसके अलावा 42 किशोर-किशोरियों

का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया।

स्वास्थ्य मेले में 43 पुरुषों को परिवार नियोजन पर विशेष परामर्श दिया गया, जबकि महिला और पुरुष मिलाकर 50 लाभार्थियों को परिवार नियोजन साधनों के साथ परामर्श उपलब्ध कराया गया। पात्र लाभार्थियों के 33 आयुष्मान गोल्डन कार्ड भी बनाए गए, ताकि उन्हें जरूरत पड़ने पर निःशुल्क उपचार की सुविधा मिल सके।

मेले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, समूह सखी और स्वास्थ्य सखियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर महिलाओं को बाल विवाह के दुष्प्रभाव, परिवार नियोजन के महत्व और दो बच्चों के बीच कम से कम तीन वर्ष का अंतर रखने के प्रति जागरूक किया गया। टीबी मरीजों को पोषण सहयोग के लिए पोषण पोटली भी वितरित की गई।

मेले को संबोधित करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय कुमार ने कहा कि महिला दिवस आधी आबादी के सम्मान और अधिकारों का प्रतीक है। एक स्वस्थ महिला ही सशक्त समाज की नींव रखती है। वहीं उपायुक्त (स्वतरू रोजगार) धनंजय सिंह, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ने महिलाओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य और आजीविका एक-दूसरे के पूरक हैं और हमारा लक्ष्य महिलाओं को शारीरिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। सीएचसी अधीक्षक डॉ. कुंवर रितेश ने बताया कि इस तरह के स्वास्थ्य मेले ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि विभाग का लक्ष्य है कि सभी पात्र परिवारों के आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनें, ताकि कोई भी गरीब इलाज से वंचित न रहे। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले 65 स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पीएफआई की राज्य प्रतिनिधि शिल्पा नायर, खंड विकास अधिकारी जरवल, डीएचईआईओ बृजेश सिंह, डीसीपीएम मो. राशिद, आरकेएसके से राकेश गुप्ता, मोबियस फाउंडेशन से प्रभात कुमार तथा पीएफआई के कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे।

हज 2026 की यात्रा पर जाने वाले यात्रियों को उपलब्ध

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच। हज-2026 की यात्रा के सम्बन्ध में उ.प्र. राज्य हज समिति द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार हज कमेटी ऑफ इण्डिया, मुम्बई द्वारा तीसरी एवं अन्तिम किश्त के रुप में जमा की जानी वाली धनराशि में कैटरिंग की धनराशि सम्मिलित नहीं होगी। जो हज यात्रियों को बाद में जमा करनी होगी।

हज 2026 में मक्के में स्वयं बिल्डिंग में किचन व्यवस्था समाप्त कर दी गयी है सभी हज यात्रियों को कैटरिंग व्यवस्था के अन्तर्गत खान-पान उपलब्ध करायी जायेगी। जिसके लिए हज कमेटी ऑफ इण्डिया, मुम्बई एक कामन फूड का चयन कैटरिंग सेवा हेतु विचार किया जा रहा है।मो. खालिद ने बताया कि हज 2026 में जाने वाले प्रत्येक हज यात्री को उड़ान स्थल पर बुकिंग उपरान्त प्रपत्रों के वितरण के समय एक स्मार्टवाच भी उपलब्ध करायी जायेगी। यह स्मार्टवाच डाटा केबिल से रिचार्ज होगी। जिसे हज यात्रा हेतु प्रस्थान करने उपरान्त प्रत्येक हज यात्री को अपनी कलाई पर पहनना आवश्यक होगा। इस स्मार्टवाच में यात्री के यात्रा से सम्बन्धित सम्पूर्ण विवरण उपलब्ध होगा। स्मार्टवाच इण्डिया में काम नही करेगी सऊदी अरब पहुंचने उपरान्त ही स्वतः एक्टिवेट हो जायेगी।यह स्मार्टवाच जीपीएस से कनेक्ट होगी जिससे यात्री के बिछड़ जाने अथवा किसी अन्य समस्या होने पर इसमें लगे बटन को यात्री द्वारा दबाते ही सीधे कन्ट्रोल रुम में सिगनल पहुंच जायेगा। जिससे यात्री की सही लोकेशन पत्ता लगाने उपरान्त उसकी समस्या निवारण किया जाना सम्भव हो सकेगा।

हज यात्रियों को अपनी स्मार्टवाच की चार्जिंग पूर्ण रखने का सुझाव दिया गया क्योंकि स्मार्ट वाच के डिस्चार्ज होने पर यह कार्य नहीं करेगी जिससे यात्री को आवश्यकता पड़ने पर असुविधा होगी।जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने बताया कि सभी हज यात्रियों को उड़ान तिथि आवंटित हो चुकी है। यात्रियों को उड़ान तिथि से दो दिवस पूर्व निर्धारित उड़ान स्थल पर पहुंचकर अपनी फ्लाइट की बुकिंग कर्न्फमेशन हेतु यात्री अपने सगे-सम्बन्धी को भेजकर भी करा सकते हैं परन्तु उड़ान तिथि से 24 घण्टे पूर्ण यात्री को उड़ान स्थल पहुंचना होगा। यात्रा से सम्बन्धित प्रपत्र सम्बन्धित यात्री को उपलब्ध कराये जायेंगे।हज 2026 हेतु चयनित हज यात्रियों से पासपोर्ट पहले से जमा नहीं कराये गये हैं बुकिंग के समय प्रत्येक हज यात्री को अपना पासपोर्ट लाना आवश्यक होगा। यात्रियों को स्वयं यह भी सुनिश्चित किया जाना है कि उनका पासपोर्ट डैमेज श्रेणी के अन्तर्गत न हों अन्यथा यात्रा बाधित हो जायेगी। जिसका पूर्ण उत्तरदायित्व सम्बन्धित हज यात्री का ही होगा। प्रत्येक हज यात्री को अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर पर हज सुविधा एप एवं नुसुक एप डाउनलोड करना अनिवार्य है। बिना नुसुक एप के मदीने में रियाजु जन्नाह हेतु पंजीकरण सम्भव नहीं होगा। जिन हज यात्रियों ने अपने नम्बर के स्थान पर किसी अन्य सगे-सम्बन्धी/एजेण्ट का नम्बर अंकित कर रखा है उन्हें सुझाव दिया गया है कि अपना नम्बर रजिस्टर्ड करा लें अन्यथा हज यात्री को हज यात्रा के दौरान असुविधा होगी।

कस्बे के तीन लोगों को नामित सभासद बनाए जाने से भाजपाइयों में खुशी की लहर

रायबरेली। उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 2 सन 1916) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल उत्तर प्रदेश द्वारा नगर पंचायत महराजगंज के लिए तीन सदस्यों को सभासद के लिए नामित किया है। आपको बता दें कि, तीन सभासदों के नामित होने पर भाजपा के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर की है। महराजगंज नगर पंचायत के आर्य नगर वार्ड के लिए अनुपमा पाण्डेय, शांति नगर के लिए विजय कुमार धीमान व पैगम्बर नगर वार्ड के लिए सूर्य प्रकाश वर्मा को सभासद के लिए नामित किया गया है। राज्यपाल द्वारा नामित सभासदों की सूची आने के पश्चात क्षेत्र में खुशी का माहौल है और क्षेत्रीय लोग उक्त सदस्यों की इस सफलता पर उनके द्वारा लगातार संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार किये जा रहे प्रयासों का परिणाम बता रहे हैं। वहीं बधाई देने वालों में पूर्व विधायक रामलाल अकेला, चेयरमैन प्रतिनिधि प्रभात साहू, पूर्व ब्लाक प्रमुख सत्येंद्र प्रताप सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश सिंह राठौर समेत अन्य लोग मोज़ूद रहे।

सिस्टम की लापरवाही: डीएसओ ऑफिस में एक विकलांग व्यक्ति को कागजों में दिखया मुर्दा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिले में सिस्टम की लापरवाही से एक 35 वर्षीय दिव्यांग व्यक्ति को डीएसओ ऑफिस मेंकागजों में मृत घोषित कर दिया गया है।खाद्य एवं रसद विभाग ने उसके राशन कार्ड से नाम भी काट दिया,जबकि वह व्यक्ति जीवित है।तरबगंज विधा नसभा क्षेत्र के दुफ़ेड़िया गांव निवासी दिव्यांग संदी प कुमार (35) को जब राशन कार्ड से नाम कटने की जानकारी मिली, तो वह जिला पूर्ति कार्यालय पहुंचे।

यहां उन्हें बताया गया कि उन्हें मृत घोषित कर दिया गया हैसंदीप ने जिम्मेदार अधिकारियों को शिकायती पत्र दिया,लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। इसके बाद संदीप ने बीजेपी विधायक प्रेम नारायण पांडेय से संपर्क किया,तो विधायक ने अपने लेटर पैड पर जिलापूर्ति अधिकारी को पत्र लिखकर बताया कि संदीप कुमार जीवित हैं और उनका नाम गलत तरीके

से काटा गया है।विधायक ने राशन कार्ड की पात्रता सूची में उनका नाम फिर से शामिल करने और दोषियों के खिलाफ जांच क र प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। विधायक का पत्र लेकर पीड़ित दिव्यांग संदीप कुमार जिलापूर्ति अधिकारी कार्यालय पहुंचे उन्होंने विधायक का पत्र सौंपकर खुद के जीवित होने का दावा किया है।इस मामले के सामने आने के बाद जिला पूर्ति विभाग में हड़कंप मच गया। गोंडा के जिला पूर्ति अधिकारी कुंवर दिनेश प्रताप सिंह ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं।पीड़ित संदीप कुमार ने बताया, ''मैं परेशान हूँ, मुझे कागजों में मृत दिखा दिया गया है, जबकि मैं जीवित हूँ। मैं चाहता हूं कि जिन लोगों ने भी ऐसा किया है,उनके खिलाफ क ड़ी कार्रवाई की जाए।'' जिला पूर्ति अधिकारी कुंवर दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि पूरे मामले की जांच की जा रही है कि किन परिस्थितियों में नाम काटा गया। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विधायक का पत्र मिलने की पुष्टि भी की है ।

दबिश के दौरान 75 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद

रायबरेली, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशानुसार अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध जारी प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में, आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 2 रोबिन आर्य मय हमराह द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्यवाही की गयी। टीम द्वारा सदर तहसील के थाना गुरुबख्शगंज अंतर्गत संदिग्ध ग्राम आशाराम का पुरवा एवं सराय मुबारक में अवैध कच्ची शराब बनाने के अड्डों/संदिग्ध घरों में दबिश के दौरान जनपद में कुल 75 लीटर अवैध कच्ची शराब एवं 300 किलो लहन बरामद कर लहन को मौके पर नष्ट किया गया एवं 3 अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किये गए। उन्होंने बताया कि जिले में अवैध शराब के निर्माण एव बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेंगी। इससे पूर्व भी पुलिस की ओर से इस अवैध करोबार के प्रति हर संभव कार्रवाई की गयी जिसमे भारी मात्रा अवैध शराब बरादम कर इसमे शमिल आरोपियों के विरूद्ध कार्रवाई की गयी।

थानों पर सुनवाई नहीं,एसपी ऑफिस मे उमड़ रही भीड़

❐ थाने पर जनता के साथ खराब व्यवहार की पुलिस की आ रही शिकायते

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। पिछले कुछ दिनों में एसपी ऑफिस मे शिका यतों का बोढ़ बढ़ा है। कारण साफ है कि थानों पर फरियादियों की सुनवाई नहीं होती। अगर सुन भी ली गई तो किसी न किसी हस्तक्षेप के कारण उन्हें न्याय नहीं मिल पाता। वैसे भी थानों पर पुलिस के जनता के साथ खराब व्यवहार की शिकायतें भी कुछ ज्यादा ही हैं।

इसी कारण फरियादियों का था नों पर से विश्वास उठता जा रहा है।ऐसे में लोग अ पनी फरियाद लेकर एसपी के ऑफिस पर पहुंच रहे हैं।हैरान करने वाली बात यह है कि एसपी के आफिस फरियादियों की संख्या अब बीस-तीस न हीं बल्कि सैकड़ो तक पहुंच गई है,पूरा मजमा पुलि स कार्यालय पर कई दिन से नजर आ रहा है।शास न जन सुनवाई को लेकर बेहद गंभीर है। फरियादि यों को अपनी समस्याओं को लेकर बेवजह अफस रों के पास दौड़

न लगानी न पड़े,इसके लिए ही तह सील संपूर्ण समाधान दिवस और थाना समाधान दिवस आयोजित किये जाते हैं। फिर भी लोगों की समस्याओं का निस्तारण नहीं हो पाता।अक्सर दे खा जाता है कि जब पीड़ित व्यक्ति थाने पर जाता है तो उसकी सुनवाई नहीं हो पाती।पुलिस उसका शिकायती पत्र तो ले लेती है,लेकिन इसका उपयो ग अक्सर दूसरे पक्ष से आर्थिक लाभ लेने में कर ती है।इससे पीड़ित को न्याय नहीं मिल पाता।यहां तक कुछ मामले ऐसे भी आए हैं,जिनमें पुलिस शि कायतकर्ता के विरोध में ही गलत रिपोर्ट लगाकर भेज देती है। इससे पीड़ित व्यक्ति न्याय पाने के लिए भटकता रहता है। हालात कुछ ऐसे हैं कि अब लोगों को सीओ स्तर से न्याय मिलने का भी भरोसा नहीं रह गया है। पीड़ित को आस रहती है कि यदि वह कप्तान से मिलेगा तो उसे न्याय मिल सकता है,इसी उम्मीद में पीड़ित एसपी के ऑफिस पर चक्कर लगाते रहते हैं।एसपी ऑफिस पर आने वाली शिकायतों के आजकल अंबार लगे हैं,यह भी ड़ को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है।

अफसरों का भी नहीं थानेदारों में खौफ

अफसर जनशिकायतों के निस्तारण को लेकर बैठ कों में भी मातहत अधिकारियों को दिशा-निर्देश दे ते हैं और उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्ता रण करने की बात कहते हैं।यहां तक कि लापरवा ही पर दंडित करने की बात कहने से भी गुरेज नहीं करते,लेकिन थानेदारों पर इसका कोई खास असर नहीं पड़ता।एसपी क्राइम मीटिंग में ही तमाम थाने दारों की बैठक लेकर अपने इरादों को साफ कर दिया और जनता की शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई करने के लिए निर्देशित कि या है,बावजूद इसके कप्तान के दफ्तर पर टूटती भीड़ थानेदारों की कार्यशैली को कटघरे में खड़ा करती है।

जमीनी विवाद और घरेलू हिंसा के मामले ज्यादा

एसपी के ऑफिस पर आने वाली शिकायतों पर गौर करें तो अधिकतर मामले जमीन के विवाद और घरेलू हिंसा से जुड़े होते हैं।जमीन के विवाद राजस्व विभाग से जुड़े होने की वजह से पुलिस इनके निस्तारण में लाचार दिखती है।ऐसे में पीड़ित को लगता है कि पुलिस मामले को जान बूझकर टाल रही है।

एफपीओ सम्मेलन में कुलदीप मिश्रा सम्मानित

गोंडा, कैनविज टाइम्स संवाददाता। चौपाल सागर स्थित आईटीसी परिसर में आयोजित एफपीओ सम्मेलन में मुख्य अतिथि अंकुर सिंह व एरिया मैनेजर पवन राय ने कृषि इनपुट क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए बेलसर ब्लॉक क्षेत्र के लौव्वा टेपरा स्थित अथरिस फार्मर प्रोड्यू सर कंपनी (एफपीओ) के सीईओ कुलदीप मिश्रा को

प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया। इस दौरान अतिथियों ने उनके कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने किसानों तक गुणवत्ता पूर्ण बीज की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की है और उर्वरकों की उपलब्धता को बेहतर बनाकर किसानों की खेती को मजबूत किया है।अतिथियों ने कहा कि ऐसे प्रयास न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक हैं,बल्कि कृषि क्षेत्र में आत्म निर्भरता को भी बढ़ावा देते हैं।उन्होंने अन्य एफपी ओ को भी इससे प्रेरणा लेने की बात कही। कार्य क्रम में मैनेजर विनय त्रिपाठी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।सम्मेलन के दौरान कृषि विका स नवाचार, आधुनिक तकनीकों के उपयोग और किसानों को संगठित कर उनकी आय दोगुनी करने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

आयोजित होगा किसान दिवस

बहराइच, कैनविज टाइम्स संवाददाता । शासन के निर्देशानुसार जनपद के किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रत्येक माह के तृतीय बुधवार को आयोजित होने वाले किसान दिवसों की श्रृंखला अन्तर्गत आज 18 मार्च 2026 को पूर्वान्ह 11:30 बजे से विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में किसान दिवस तथा कृषक उत्पादक संगठनों द्वारा कराये गये कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया है। यह जानकारी देते हुए डीएम श्री त्रिपाठी ने कृषि एवं एलाइड विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि गत बैठक में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की आख्या एवं अपने विभाग से संबंधित योजनाओं की अद्यतन सूचनाओं सहित किसान दिवस में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

टेट अनिवार्यता के विरोध में यूटा ने निकाला मशाल जुलूस, यूटा की अगुवाई में शिक्षकों ने खोला मोर्चा

गोंडा, कैनविज टाइम्स संवाददाता। मंगलवार को यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन यूटा की गोंडा इकाई द्वारा आरटीई लागू होने के पूर्व से सेवारत शिक्षकों पर टेट की अनिवार्यता लागू किए जाने के विरोध में विशाल मशाल जुलूस निकाला गया, जिला अध्यक्ष रवि प्रकाश सिंह के नेतृत्व में सैकड़ो की संख्या में शिक्षकों ने स्थानीय गांधी पार्क से मसाल

जुलूस निकालकर अपनी आवाज़ बुलंद की, शिक्षकों के सम्मान में...यूटा मैदान में, शिक्षकों का ये अपमान...नहीं सहेगा हिंदुस्तान, काला कानून... वापस लो, जैसे नारों के साथ काफिला बढ़ता हुआ अम्बेडकर चौराहा पहुंचा और यहाँ पदाधिकारियों के सम्बोधन के पश्चात समाप्त हुआ। इस दौरान जिलाध्यक्ष रवि प्रकाश सिंह ने कहा की अनुभव का कोई विकल्प नहीं है और योग्यता की पहचान वर्षों के समर्पण से होती है, जिला संरक्षक हेमंत तिवारी ने कहा की जिन शिक्षकों ने पिछले 10-15 वर्षों से विपरीत परिस्थितियों में बेसिक शिक्षा के नीव मजबूत की आज उनकी योग्यता को एक पात्रता परीक्षा की कसौटी पर कसना न्याय संगत नहीं है, महामंत्री आत्रेय मिश्रा ने कहा सेवा के बीच में नए नियम लागू करना न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध है । इस अवसर पर परसपुर विकास मंच के अरुण सिंह, इंकलाब फाउंडेशन के अध्यक्ष अविनाश सिंह, शिव कंपटीशन हब के संचालक एवं एनएसटी के अध्यक्ष डॉक्टर अजय पाठक, जिला संरक्षक हेमंत तिवारी, महामंत्री आत्रेय मिश्र, कोषाध्यक्ष चन्दन सिंह, जिला उपाध्यक्ष गिरीश पांडेय और सुनील विश्वकर्मा, जिला संयुक्त मंत्री अमित पांडेय, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष बाल कृष्ण गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी अरुण मिश्र, जिला संगठन मंत्री बृजभूषण पांडे, छपिया के अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह, मनकापुर के अध्यक्ष विनय मिश्रा, रूपईडीह के अध्यक्ष प्रवेश तिवारी, ब्लॉक अध्यक्ष इटियाथोक जितेंद्र मौर्य, कमलेंद्र चौबे ,उपेन्द्र सिंह ,रवि प्रकाश पाठक,प्रवेश चंद्र तिवारी, देवघर द्विवेदी,पवन मौर्य, शिवनारायण पांडे, अरविंद पांडे, रजत गुप्ता, विजय कुमार, वीरेंद्र बहादुर कुशवाहा, संदीप कुमार आदि उपस्थित रहे, यह जानकारी संगठन के मीडिया प्रभारी अरुण मिश्र ने दी ।

अस्वीकृत व अज्ञात गन्ना प्रजातियों की न करें बुवाई ए.के.सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। बजाज हिन्दुस्थान शुगर मिल लिमिटेड कुन्दरखी के महाप्रबंधक ए.के.सिंह के निर्देशन में बसंतकालीन गन्ना बुवाई को लेकर चीनी मिल परि क्षेत्र के ग्राम बेसहूपुर में किसान गोष्ठी का आयोज न हुआ।जिसका प्रमुख उद्देश्य वसंतकालीन गन्ना बुवाई,पेड़ी प्रबंधन और भूमि उपचार रहा।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक ने किसान बंधुओं से कहा कि क्षेत्र में विभिन्न अस्वीकृत व अज्ञात गन्ना प्रजातियां उपलब्ध हैं,जिन्हें कुछ लो गों द्वारा विभिन्न नामों से बीज के लिए वितरित किया जा रहा है।जो इस क्षेत्र के लिए स्वीकृत नहीं हैं।अतः किसान बंधु उनकी बुआई कदापि न करें। केवल स्वीकृत एवं उन्नतिशील गन्ना प्रजातियों की ही बुआई करें,जिससे गन्ना बेचने के दौरान आप लोगो को असुविधा न हो।महाप्रबंधक ने वसंत कालीन गन्ना बुवाई में उन्नतशील प्रजातियों जैसे को. 0118, को. 15023, को.लख. 14201, को.लख. 16202, कोशा.

18231, कोशा. 17231 तथा जलप्लावित क्षेत्र के लिए 94184, को 98014 आदि का समय से वुवाई करने के लिए किसानों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि गन्ना प्रजातियों का समय से बुवाई अत्यंत आवश्यक है। महाप्रबंधक ने कृषकों को पेड़ी गन्ने का अच्छा प्रबंधन करके अधिक लाभ प्राप्त करने की अपील किया उन्होंने आर.एमडी. एवं मलचर के प्रयोग पर जोर दिया और स्वस्थ फ़सल की दशा मे द्वितीय पेड़ी रखने की भी अपील किया।उन्होंने यह भी कहा कि आगामी पेराई सत्र में गन्ना प्रजाति को डीगरेड/डाउन करके तौल कार्य नही किया जायेगा। अतः जिस प्रजाति का गन्ना बोया गया है, उसी प्रजाति में गन्ने का सर्वे कराया जाए। जिससे पेराई सत्र के दौरान गन्ना आपूर्ति में परेशानी से बचा जा सके।श्री सिंह ने सहफ़सली खेती गन्ना एवं लोविया का निरीक्षण किया तथा कृषकों से कहा कि जिन्हें गन्ना बीज की आवश्यकता है, चीनी मिल से बीज प्राप्त कर सकते हैं। किसी भी समस्या के समाधान हेतु अपने क्षेत्र के गन्ना पर्वेक्षक अथवा चीनी मिल के अधिकारियों से संपर्क करें। इस मौके पर वरिष्ठ गन्ना अधिकारी रमेश प्रताप सिंह, सुपरवाइजर मेलाराम गिरी, जगदम्बा वर्मा, राम सिंह, राधेश्याम वर्मा, शंभू वर्मा सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

भागवत कथा के पांचवें दिन कथा व्यास ने पूतना वध व श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का किया वर्णन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। क्षेत्र के ग्राम सभा ओथी में इन दिनों मोक्षदाहिनी श्रीमद्भागवत कथा का भव्य एवं आध्यात्मिक आयोजन श्रद्धा और भक्त के वातावरण में संपन्न हो रहा है। यजमान आशीष मौर्य के निवास पर आयोजित इस पुण्य अनुष्ठान का संकल्प क्षेत्र के ग्राम सभा जिहवा निवासी आनंद मिश्रा द्वारा लिया गया है।

यह उनके द्वारा संकल्पित छठवीं श्रीमद्भागवत कथा है, जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं। कथा स्थल पर सप्तवेदी, गणेश,अंबिका, रूद्र हनुमत देव सहित विभिन्न देवताओं की विधिवत स्थापना कर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अनुष्ठान संपन्न कराया जा रहा है। आपको बता दें कि, मंगलवार को कथा के पांचवें दिन सिधौना अमांवा से पधारी कथा व्यास संध्या साध्वी ने कृष्ण की बाल लीलाओं एवं पूतना का वध जैसे प्रसंगों का व्याख्यान करते हुए बताया कि, गोकुल में कृष्ण जन्म उत्सव मनाया गया भगवान जब 7 दिन के थे तब उन्होंने पूतना का वध कर दिया। भगवान ने कंस द्वारा भेजे गए सभी राक्षसों का वध कर दिया। भगवान गोकुल में माखन चुराते हैं और वहां पर वीणु वादन लीला करते हैं भगवान गोकुल छोड़कर वृंदावन निवास करने लगते हैं। कथा व्यास ने श्री कृष्ण लीला एवं पूतना का वध जैसे प्रसंगों पर कथा कहते हुए पांडाल में उपस्थित समस्त श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। कथा के विराम पश्चात आरती की गई और उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया कथा स्थल पर पूरे दिन भक्ति, श्रद्धा और उत्साह का वातावरण बना रहा। आयोजनकर्ता आनंद मिश्रा ने बताया कि, उनके द्वारा जीवनपर्यंत श्रीमद् भागवत कथा जैसे धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन निरंतर कराया जाता रहेगा जिससे समाज में धर्म संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों का प्रसार होता रहे।इस मौके पर यज्ञशाला के मुख्य यज्ञाचार्य पंडित योगेंद्र तिवारी, उपयज्ञाचार्य पंडित अमरेश शुक्ला समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

पूरनपुर नगर पालिका में पांच नामित सभासदों की घोषणा शासन ने जारी की सूची

❐ उत्तर प्रदेश शासन के नगर विकास विभाग, लखनऊ ने नगर पालिका परिषद पूरनपुर के लिए पांच मनोनीत (नामित) सभासदों के नामों की आधिकारिक घोषणा कर दी है

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। नगर पालिका में मनोनीत सभासदों की सूची का लंबे समय से इंतजार था। सोमवार को प्रमुख सचिव नगर विकास पी. गुरुप्रसाद की ओर से सदस्यों को नामित किए जाने संबंधी अधिसूचना जारी की गई पिछले महीने भाजपा संगठन ने सूची को अंतिम रूप देकर नगर विकास विभाग के पास भेजा गया था।

उत्तर प्रदेश शासन के नगर विकास विभाग, लखनऊ ने नगर पालिका परिषद पूरनपुर के लिए पांच मनोनीत (नामित) सभासदों के नामों की आधिकारिक घोषणा कर दी है सूची जारी होने के बाद स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी देखी गई शासन द्वारा जारी सूची में मनोनीत सदस्यों के नाम इस प्रकार हैं।अरविन्द गुप्ता, मयंक सक्सेना, उपेन्द्र भारती, गुन्जन सक्सेना और प्रदीप सिंह मुखिया नगर पालिका परिषद पूरनपुर के अध्यक्ष शैलेन्द्र गुप्ता ने सभी नव-मनोनीत सदस्यों को बधाई दी उन्होंने कहा, ''शासन ने अनुभवी और ऊर्जावान कार्यकर्ताओं को चुनकर नगर के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है मुझे पूर्ण विश्वास है कि ये सभी सदस्य बोर्ड की बैठकों में जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पात्र व्यक्तियों तक पहुँचाने में सेतु का कार्य करेंगे इन सदस्यों के बोर्ड में आने से विकास कार्यों की निगरानी और समस्याओं के निस्तारण में तेजी आएगी समर्थकों ने इस निर्णय के लिए भाजपा के शीर्ष नेतृत्व और प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया।

वनाग्नि प्रबंधन पर पीलीभीत टाइगर रिजर्व में तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित

पीलीभीत। फायर सीजन की शुरुआत को देखते हुए जंगलों को आग से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से विश्व प्रकृति निधि के सहयोग से पीलीभीत टाइगर रिजर्व में तीन दिवसीय वनाग्नि प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला 15 से 17 मार्च तक टाइगर रिजर्व मुख्यालय में आयोजित हुई कार्यशाला का उद्घाटन 15 मार्च को प्रधान वन संरक्षक सुनील चौधरी ने किया इसमें माला, महोफ, बरही, हरिपुर और दियोरिया रेंज के करीब 100 वनकर्मियों और अधिकारियों ने भाग लिया कार्यक्रम के दौरान फील्ड डायरेक्टर एवं मुख्य वन संरक्षक पी.पी. सिंह ने वनाग्नि प्रबंधन को अत्यंत गंभीरता से लेने पर जोर दिया। उन्होंने जंगल को आग से बचाने के लिए ब्लकूल बर्निंगङ्क और ब्लकंट्रोल बर्निंगङ्क जैसी तकनीकों की जानकारी दी और उनके महत्व को रेखांकित किया। प्रभागीय वनाधिकारी मनीष सिंह ने कहा कि जंगल की आग केवल पेड़-पौधों को ही नहीं, बल्कि जैव विविधता को भी गंभीर नुकसान पहुंचाती है। इससे रेंगने वाले जीवों और घास के मैदानों में रहने वाले पक्षियों पर विशेष रूप से विपरीत प्रभाव पड़ता है। उन्होंने समय रहते आग पर नियंत्रण की आवश्यकता बताई।

ब्लॉक में नवागत एडीओ पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ द्वारा स्वागत

पूरनपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। ब्लॉक में नवागत एडीओ हरिश्चंद्र भारती का मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम में संघ के पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने फूल-मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान संघ के अध्यक्ष हरनारायण लाल, मंत्री रवि सुखलाल, तौफीक अहमद, संजीव, गंगाराम, रामशरण यादव और राकेश सहित कई कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने नवागत एडीओ से क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने और कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान की अपेक्षा जताई। एडीओ हरिश्चंद्र भारती ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि वे शासन की योजनाओं को प्राथमिकता से लागू कराते हुए कर्मचारियों के हितों का भी ध्यान रखेंगे।

पूर्ति निरीक्षक ने सिलेंडरों का जखीरा पकड़ा डीएम को भेजी रिपोर्ट

पूरनपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। गैस संकट के बीच हो रही कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए पूर्ति विभाग ने बड़ी कार्रवाई की। गांव सुल्तानपुर में एक कमरे से करीब 24 गैस सिलेंडर बरामद किए गए, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पूर्ति निरीक्षक बृजेश मिश्रा ने पुलिस के साथ छापेमारी की। मौके पर मौजूद अंकित मिश्रा सिलेंडरों के संबंध में कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका। बरामद सिलेंडरों को जोगराजपुर गैस एजेंसी के सुपुर्द कर दिया गया है। पूर्ति निरीक्षक ने बताया कि मामले की रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेजी जा रही है और निर्देश मिलने पर संबंधित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। मंगलवार दोपहर एक बजे पूर्ति निरीक्षक बृजेश मिश्रा ने बताया कि डीएम को रिपोर्ट भेजी जाएगी।

श्मशान भूमि की बदहाली पर हिन्दू महासभा ने मंत्री संजय सिंह गंगवार को सौंपा ज्ञापन

पीलीभीत, कैनविज टाइम्स संवाददाता। अखिल भारत हिन्दू महासभा ने जनपद की श्मशान भूमि की बदहाल स्थिति को लेकर गन्ना राज्यमंत्री एवं सदर विधायक संजय सिंह गंगवार को ज्ञापन सौंपा जिलाध्यक्ष पं. पंकज शर्मा के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में गांवों की श्मशान भूमि में गंदगी, अवैध कब्जे और सुविधाओं के अभाव पर चिंता जताई गई संगठन ने बताया कि कई स्थानों पर अंतिम संस्कार के लिए भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। चिड़ियादाह गांव का उदाहरण देते हुए स्थिति को अत्यंत खराब बताया गया। साथ ही आरोप लगाया कि पूर्व में शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई महासभा ने श्मशान भूमि की जांच, अतिक्रमण हटाने, साफ-सफाई, चहारदीवारी निर्माण और टीन शेड जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की मंत्री से शीघ्र कार्रवाई कर जनसमस्याओं के समाधान की अपील की गई।

माधोटांडा शराब ठेके पर सेल्समैन से मारपीट, रंगदारी मांगने का आरोप, मुकदमा दर्ज

पूरनपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। विकासखंड के माधोटांडा कस्बे के अंग्रेजी शराब ठेके पर कार्यरत सेल्समैन ने एक व्यक्ति पर मारपीट और रंगदारी मांगने का आरोप लगाया है। न्यूरिया हुसैनपुर निवासी पंकज कुमार ने थाना माधौटांडा में दी तहरीर में बताया कि 15 मार्च को दोपहर करीब 2 बजे कुलदीप मिश्रा ठेके पर आया और खुद को दबंग बताते हुए बिना पैसे शराब देने का दबाव बनाने लगा। आरोप है कि विरोध करने पर उसने गाली-गलौज की, मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। साथ ही हर महीने 5000 रुपये रंगदारी मांगते हुए जबरन शराब की बोतल ले गया। पीड़ित ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले में मुकदमा दर्ज किया।

वेतन को लेकर स्वास्थ्य कर्मचारियों का फूटा गुस्सा, दी एक हफ्ते की चेतावनी

सुलतानपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। राज्य कर्मचारी कल्याण समिति चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण समिति विभाग सुलतानपुर के तत्वाधान में स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के समस्त कर्मचारियों ने विगत फरवरी माह का वेतन न मिलने के कारण मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं प्राचार्य कार्यालय पर प्रदर्शन कर वेतन भुगतान करने की मांग की ज्ञात हो की विगत फरवरी माह में मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार ने स्पष्ट आदेश जारी किया था कि कर्मचारियों को होली से पहले वेतन का भुगतान कर दिया जाए। परन्तु खेद का विषय है कि मुख्यमंत्री के आदेशों की अवहेलना करते हुए विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों ने आज तक भुगतान न कर कर्मचारियों को आंदोलन पर जाने के लिए विवश कर दिया गया है। यहाँ यह भी अवगत कराना है कि हमारे मुस्लिम भाइयों की महत्वपूर्ण त्यौहार ईद में भी सूखा रहेगा। आज प्रर्दशन के मायम से अधिकारियों को चेतावनी दी गई कि यदि एक सप्ताह के अंदर वेतन का भुगतान न किया गया तो आंदोलन प्रारंभ कर दिया जाएगा जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी उच्च अधिकारियों की होगी। प्रर्दशन में राजकीय नर्सेज संघ की अयक्ष रेनू मिश्रा मंत्री चंद्रिका प्रसाद चतुर्थ श्रेणी के मंत्री राम रतन कोषायक्ष चुन्नीलाल उपायक्ष कमालुद्दीन आडीटर सलीम खान नेत्र परिक्षण अधिकारी संघ अयक्ष जय भीम लैबटेक्नीशियन संघ के अयक्ष विजय चौधरी मंत्री ार्मेन्द्र यादव एक्सरे टेक्निशियन अयक्ष सुरेन्द्र यादव के अतिरिक्त विभाग के समस्त कर्मचारियों ने भाग लिया।

कोइरीपुर में प्राानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत 7 लाभार्थियों को स्वी.ति पत्र वितरित

सुल्तानपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपद के पीपी कमैचा ब्लक क्षेत्र अंतर्गत नगर पंचायत कोइरीपुर में सोमवार शाम 4 बजे प्राानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को पक्के मकान उपलब कराने हेतु एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।नगर पंचायत कोइरीपुर कार्यालय एवं डूडा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम में नगर अयक्ष रुबीना बानो, अयक्ष प्रतिनिधि कासिम राइन, आशिासी आिकारी वीरेन्द्र प्रताप, परियोजना आिकारी संजय सिंह, सीएलटीसी अवनीश चौहान, डीपीएम सुल्तानपुर सौरभ मिश्रा, लिपिक राम .ष्ण मिश्र एवं मंडल अयक्ष राजेश जायसवाल की उपस्थिति रही।कार्यक्रम के दौरान 7 पात्र लाभार्थियों को आवास योजना के स्वी.ति पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर नगर अयक्ष रुबीना बानो ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को अपना पक्का घर मिल सके। उन्होंने लाभार्थियों से अपील की कि वे स्वी.ति पत्र प्राप्त होने के बाद शीघ्र ही अपने आवास निर्माण कार्य को प्रारंभ करें और निर्धारित समय में पूर्ण करें, ताकि योजना का पूरा लाभ मिल सके।इस पहल से नगर के कई जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षित एवं स्थायी आवास मिलने की उम्मीद बढ़ी है।

भरत का चरित्र और त्याग सबसे बड़ा आदर्श है

कादीपुर,सुलतानपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। स्थानी बाजार मुस्तफाबाद सरैया मे भव्य संगीतमयी राम कथा के तीसरे दिन सुल्तानपुर से पधारे बाल व्यास संपूर्णानंद जी महाराज ने भरत के चरित्र को विस्तार पूर्वक बताया और कहा कि भरत का त्याग और प्रेम ही सबसे बड़ा आदर्श है। रामचरितमानस में सबसे बड़ा त्याग कोई किया है तो वह है भरत जी भरत का चरित्र सुनते ही उपस्थित जनता भाव विभोर हो गई। जौनपुर से पधारे बाबा बजरंग दास जी महाराज ने केवट और राम का बहुत ही मार्मिक प्रसंग सुनाया। और अपने भजन के मायम से कहा कि जादू बा तोहरी चरणीय में बहुत ही अच्छी भजन के मायम से लोग मंत्र मुगा हो गए। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता आनंद दुबे लालमणि सिंह अमल ारी सिंह पूर्व जिला अयक्ष ऋषिकेश ओझा अंकित मिश्रा मनोज पांडे रमेश तिवारी अशोक तिवारी का श्रीराम अग्रहरि हरि पांडे लाल जी पांडे दिवाकर पांडे बबलू पांडे वेद प्रकाश पांडे मनोज पांडे विजय अग्रहरी दिनेश पांडे गंगापुर भुलिया हिमांशु पांडे राम बहादुर चौहान गंगा राम विश्वकर्मा राम जी मिश्रा प्रेम शंकर पांडे .ष्ण कुमार तिवारी मोनू गिरि सहित सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

होटलों ढाबों में धड़ल्ले से इस्तेमाल किये जा रहे घरेलू गैस सिलेंडर

अमेठी, कैनविज टाइम्स संवाददाता । जनपद में इनके संचालकों द्वारा नियम कानूनों की जमकर उड़ाई जा रही धज्जियां अमेठी,जिला प्रशासन द्वारा जनपद में एलपीजी गैस सिलेंडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होने की बात कही जा रही है लेकिन जनपद की गैस एजेंसियों पर सुबह से ही गैस सिलेंडर लेने के लिये उपभोक्ताओं की भीड़ साफ तौर यह बता रही है कि गैस सिलेंडर की किल्लत चल रही है। जनपद के विभिन्न कस्बों में संचालित होटलों ढाबों और नामचीन रेस्टोरेंटो पर आज भी एलपीजी घरेलू गैस सिलेंडर धड़ल्ले से इस्तेमाल किये जा रहे हैं। इन होटल व ढाबा संचालकों के रसूख के आगे नियम कानून बौने नजर आते है जिनका अनुपालन कराने में सरकारी मुलाजिम भी नाकाम साबित होते जा रहे हैं।आला अधिकारियों की उदासीनता के चलते नियमित लाखों रुपये की राजस्व हानि हो रही है लेकिन सम्बंधित विभागों के खेवनहार हाथ पर हाथ धरे बैठे हुये है।जनपद अमेठी के कस्बा शुकुल बाजार,रानीगंज, बीएचईएल,जगदीशपुर, मुसाफिरखाना, जामो, मोहनगंज, जायस, फुरसतगंज, इन्हौना,गौरीगंज, शिवरतनगंज, सेमरौता, अहोरवा भवानी सहित अन्य तमाम कस्बों में बड़े पैमाने पर होटल ढाबा और रेस्टोरेंट संचालित किये जा रहे हैं। इनके संचालकों के लिये शासन प्रशासन की गाइडलाइन कोई मायने नही रखती है।यहां पर घरेलू गैस सिलेंडर का इस्तेमाल किया जाता है जिससे स्थानीय पुलिस, अग्नि शमन और आपूर्ति विभाग भी भलीभांति वाकिफ है लेकिन आला अधिकारी इन पर शिकंजा कसने में नाकाम साबित होते नजर आ रहे है। अब सवाल यह उठता है कि उपभोक्ता को लाइन लगाने के बावजूद सिलेंडर नही मिल पाता है उसे पहले पर्ची कटाओ तो तीसरे दिन सिलेंडर दिया जाता है तो यह होटल व्यवसायियों को आखिर कहां से घरेलू गैस सिलेंडर मिल जाता है ? फिलहाल इसका जबाब किसी के पास नही है जबकि इससे ऐसा प्रतीत होता है कि दाल में कुछ तो काला जरुर है। तहसील से लेकर जनपद तक के अधिकारी कागजों पर चकाचक रिपोर्ट भेजकर शासन प्रशासन को गुमराह करने से बाज नही आ रहे है जिसका खामियाजा आम जनमानस को भुगतना पड़ रहा है। अब देखना यह है कि इस पर प्रशासन की नजरें कब इनायत होती है यह तो भविष्य के गर्भ में छिपा हुआ है।

कार्यक्रम में पिस्टल से हर्ष फायरिंग वीडियो वायरल होने पर पुलिस जांच में जुटी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। जनपद में एक बार फिर हर्ष फायरिंग का मामला सामने आया है पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के घाटमपुर गांव में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान युवकों द्वारा खुलेआम पिस्टलों से फायरिंग किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है वीडियो सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आ गई है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार, गांव में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान आधा दर्जन से अधिक युवक बेखौफ होकर हवा में कई राउंड फायरिंग करते नजर आए वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि युवक बिना किसी डर के भीड़ के बीच पिस्टल लहराते हुए गोलियां चला रहे हैं घटना के समय मौके पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे, जिससे आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया गनीमत रही कि इस दौरान कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन इस तरह की लापरवाही किसी भी समय गंभीर घटना को जन्म दे सकती थी वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट और राज्य सरकार द्वारा हर्ष फायरिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है इसके बावजूद इस तरह की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे कानून-व्यवस्था और आम लोगों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं फिलहाल पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्राचीन देवी स्थान मंदिर का 1.80 करोड़ की लागत से होगा जीर्णोद्धार

पूरनपुर। नगर के लाइनपार साहूकारा में स्थित प्राचीन एवं प्रसिद्ध देवी स्थान मंदिर का अब 1.80 करोड़ रुपये की लागत से जीर्णोद्धार किया जाएगा। मंदिर के नए स्वरूप का डिजाइन भी जारी कर दिया गया है, जिससे इसके भव्य और आकर्षक रूप में विकसित होने का रास्ता साफ हो गया है नगर पालिका परिषद द्वारा मंदिर के साथ-साथ एक धर्मशाला का भी निर्माण कराया जाएगा, जिससे दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। दशकों पुराने इस मंदिर में प्रतिदिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है और यह क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है ज्ञात हो कि कुछ समय पूर्व भाजपा विधायक बाबू राम पासवान और नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता ने लखनऊ में प्रदेश के नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा से मुलाकात कर मंदिर के जीर्णोद्धार की मांग उठाई थी। मंत्री ने इस पर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया था नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन द्वारा मंदिर और धर्मशाला के निर्माण हेतु 1.80 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिल चुकी है जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा उन्होंने कहा कि मंदिर को भव्य रूप देने के साथ श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

संकुल स्तरीय मासिक बैठक एवं सगोष्ठी का हुआ आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। विकासखंड की ग्राम पंचायत मैनी गुलड़िया में संकुलस्तरीय मासिक बैठक का आयोजन किया गया हैं।जिसमें संकुल भगवंतपुर के अंतर्गत संचालित 17 प्राथमिक, 6 उच्च प्राथमिक,4 कंपोजिट विद्यालयों के शैक्षिक स्टाफ ने प्रतिभाग किया बैठक का संचालन नोडल शिक्षण संकुल सूर्य प्रकाश गंगवार द्वारा किया गया बैठक में शिक्षकों से संबंधित कई बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से शिक्षक रवींद्र शर्मा, जंग बहादुर,ख्यालीराम राणा, रजवंत कौर, राजकुमार, लक्ष्मी नारायण,अनुज शर्मा, चंद्रपाल,मोहित कुमार सिंघल, मुकेश कुमार ,दीपक कुमार, मोहम्मद परवेज, संतोष कुमार, अशोक कुमार, आनंद कुमार, अखलाक अहमद, जितेंद्र कुमार ,अमित कुमार श्रीवास्तव, प्रदीप यादव सचिन देव, दीपक भारती सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे हैं।

बाउंड्री विवाद में खूनी संघर्ष, युवक पर जानलेवा हमला मुकदमा दर्ज, मचा हड़कंप, आरोपी फरार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। कलीनगर तहसील के थाना माधौटाण्डा क्षेत्र में बाउंड्री निर्माण को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया ग्राम नवदिया सुखदासपुर में कुछ लोगों द्वारा जबरन बाउंड्री वॉल बनाने का विरोध करने पर एक युवक पर धारदार हथियारों और लाठी-डंडों से हमला कर दिया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया प्राप्त जानकारी के अनुसार विकास पाण्डेय जो वर्तमान में अपनी ससुराल ग्राम नवदिया सुखदासपुर में रह रहे है।

15 मार्च 2026 की सुबह करीब 9 बजे अपनी सास के बाग की ओर गया था आरोप है कि उसी समय गांव के ही रजनीश कुमार, श्यामबिहारी, वीरसिंह, संतोष कुमार और हरीचन्द्र, रामकुमार पुत्रगण श्रीराम वहां जबरन बाउंड्री वॉल का निर्माण कर रहे थे विकास पाण्डेय ने जब इसका विरोध किया तो आरोपियों ने एकजुट होकर उस पर हमला बोल दिया बताया जा रहा है।कि हमलावर तलवार, बाँका, फावड़ा और लाठी-डंडों से लैस थे उन्होंने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की नीयत से विकास पर ताबड़तोड़ वार किए शोर-शराबा सुनकर मौके पर पहुंचे उसके भाई ऋषभ पाण्डेय और भांजे आदित्य पाण्डेय उर्फ लकी को भी हमलावरों ने नहीं बख्शा और उनके साथ भी मारपीट की घटना के दौरान गांव के कई लोग मौके पर जुट गए, जिन्होंने पूरी घटना को देखा हमले के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए गंभीर रूप से घायल विकास पाण्डेय खून से लथपथ जमीन पर पड़ा रहा,जिसे परिजन तत्काल सरकारी अस्पताल माधौटाण्डा ले गए हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां से आगे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है बताया जा रहा है कि उसकी हालत गंभीर बनी हुई है और वह जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है घटना के संबंध में पीड़ित पक्ष की ओर से थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई। थाना प्रभारी अशोक पाल ने बताया कि आरोपियों के घर पर लगातार पुलिस दबिश दे रही आरोपी फरार हैं।

आयुष्मान योजना में फर्जी क्लेम, आंखों के ऑपरेशन की आड़ में करोड़ों का खेल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। आयुष्मान भारत योजना के तहत आंखों के ऑपरेशन की आड़ में करोड़ों रुपये के गोलमाल का मामला सामने आने के बाद संचालक मामला रफा दफा करने की जुगत में लगे हैं। पूरनपुर के एक निजी अस्पताल के संचालक पर फर्जी मुहर और हस्ताक्षर के जरिए महंगे पैकेज का क्लेम लगाकर करीब दो करोड़ रुपये की हेराफ़ेरी करने का आरोप लगाया गया है।

मामले की शिकायत मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार शहर के नेत्र सर्जन डॉ. विकास अग्रवाल ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को शिकायती पत्र देकर पूरे प्रकरण से अवगत कराया है। शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया है कि पूरनपुर स्थित सिद्धि आई हॉस्पिटल के संचालक ने आयुष्मान योजना के तहत साधारण मोतियाबिंद ऑपरेशन को कागजों में गंभीर और महंगे इलाज के रूप में दिखाकर भारी भरकम क्लेम लिया।डॉ. अग्रवाल के अनुसार फरवरी 2025 में अस्पताल संचालक ने उन्हें ऑपरेशन करने के लिए बुलाया था। दोनों के बीच प्रति केस के आधार पर भुगतान तय हुआ था। फरवरी 2025 से नवंबर 2025 के बीच अस्पताल में लगभग 800 मरीजों के ऑपरेशन किए गए। इनमें करीब 95 प्रतिशत मरीजों के साधारण मोतियाबिंद के ऑपरेशन थे, जबकि लगभग पांच प्रतिशत अन्य नेत्र रोगों के मरीज थे।आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन ने इन सामान्य ऑपरेशनों को आयुष्मान योजना में महंगे पैकेज के तहत दिखाकर अधिक राशि का क्लेम लगाया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद मरीजों के अभिलेखों में ग्लूकोमा और एसएफआईओएल जैसे जटिल उपचार दर्ज किए गए। इसके लिए फर्जी बीएचटी (बेड हेड टिकट) और अन्य दस्तावेज तैयार किए गए। आरोप है कि हर माह कई मामलों में इस तरह फर्जी पैकेज लगाकर योजना से अतिरिक्त भुगतान लिया जाता रहा।डॉ. अग्रवाल का कहना है कि जब उन्हें इस गड़बड़ी की जानकारी हुई तो उन्होंने इस तरह के कार्य से इंकार कर दिया। इसके बाद अस्पताल संचालक ने अन्य डॉक्टरों से ऑपरेशन कराना शुरू कर दिया और उनके नाम की फर्जी मुहर बनवाकर आयुष्मान योजना में क्लेम लगाए जाने लगे। मामले की शिकायत मिलने के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आलोक कुमार ने जांच के आदेश दिए हैं।

आयुष्मान योजना में अनियमितता

पूरनपुर के सिद्ध आई हॉस्पिटल में कार्य कर रहे एक नेत्र सर्जन द्वारा आयुष्मान योजना में अनियमितता की शिकायत की गई है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच टीम गठित कर दी गई है, जो पूरे प्रकरण की गहन जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट सक्षम संस्था को भेजी जाएगी और उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एसपी ने प्रशिक्षणाधीन आरक्षियों की परीक्षा का किया निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। पुलिस अधीक्षक द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन गौरीगंज में आयोजित की जा रही प्रशिक्षणाधीन आरक्षियों की अन्तिम परीक्षा (इनडोर) का निरीक्षण किया गया।पुलिस अधीक्षक श्री सरवणन टी. द्वारा सोमवार को रिजर्व पुलिस लाइन गौरीगंज अमेठी में आयोजित की जा रही प्रशिक्षणरत आरक्षियों की अन्तिम परीक्षा (इनडोर) का निरीक्षण किया गया। रिजर्व पुलिस लाइन गौरीगंज में स्थापित परीक्षा केन्द्र की व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया गया और यह सुनिश्चित किया गया कि परीक्षा निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शान्तिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो रही है । महोदय द्वारा परीक्षार्थियों की उपस्थिति, अनुशासन व परीक्षा प्रक्रिया का जायजा लेकर संबन्धित अधिकारी कर्मचारीगण को किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने व परीक्षा की गोपनीयता बनाये रखने के संबन्ध में निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबन्द पायी गयी एवं सम्पूर्ण प्रक्रिया व्यवस्थित एवं सन्तोषजनक रही। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी लाइन्स श्वेताभ भास्कर व अन्य अधिकारीकर्मचारीगण मौजूद रहे।

मनरेगा भुगतान में भारी देरी पर कांग्रेस का प्रदर्शन, राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। मनरेगा मजदूरों के लंबित भुगतान को लेकर कांग्रेस पार्टी ने जुलूस निकाल कर विकास भवन पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिला विकास आिकारी को सौंपा। यह विरोध प्रदर्शन कांग्रेस जिलायक्ष अभिषेक सिंह राणा के नेतृत्व में हुआ। ज्ञापन में कांग्रेसियों ने केंद्र व राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मनरेगा के तहत कार्य करने वाले मजदूरों को पिछले 75 दिनों से मजदूरी का भुगतान नह किया गया है, सिर्फ उत्तर प्रदेश में लगभग 2 हजार करोड़ रुपये का भुगतान लंबित है। इसके साथ ही योजना को जमीन पर संचालित करने वाले ग्राम रोजगार सेवकों सहित लगभग 40 हजार संविदा कर्मियों को पिछले 8 महीनों से मानदेय न मिलने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया।

कांग्रेस ने मनरेगा मजदुरी भुगतान में देरी के कारण गरीब मजदूरों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है, जिससे वे होली जैसे त्योहार भी ठीक से नह मना सके और अब अन्य त्योहारों पर भी इसका असर पड़ रहा है। ज्ञापन के मायम से कांग्रेसियों ने मांग की है कि मनरेगा मजदूरों के 75 दिनों के लंबित मजदूरी का भुगतान तत्काल कराया जाए। ग्राम रोजगार सेवकों व संविदा कर्मियों के 8 माह से लंबित मानदेय का शीघ्र भुगतान किया जाए। भुगतान में लापरवाही बरतने वाले आिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए तथा प्रदेश में लंबित लगभग 2 हजार करोड़ रुपये का भुगतान तुरंत जारी किया जाए। कांग्रेस जिलायक्ष अभिषेक सिंह राणा ने आक्रमक रुख अपनाते हुए कहा कि मजदूरों का हक मारने वाली सरकार जवाब दे, अगर जल्द भुगतान नह हुआ तो कांग्रेस बड़ा आंदोलन छेड़ेगी। पूर्व प्रदेश सचिव राहुल त्रिपाठी ने कहा कि मनरेगा को कमजोर कर गरीबों को संकट में डालने की साजिश अब नह चलेगी। वरिष्ठ नेता सलाउद्दीन हाशमी ने कहा कि सरकार मजदूर विरोधी नीति पर चल रही है, कांग्रेस हर स्तर पर संघर्ष करेगी। पीसीसी सदस्य हौसला भीम ने कहा कि यदि जल्द भुगतान नह हुआ तो प्रदेशव्यापी आंदोलन कर सरकार को झुकाया जाएगा। अंत में कांग्रेसियों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र मांगें पूरी नह हुईं तो व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर सरदार रणजीत सिंह सलूजा, कुमारी निकलेश सरोज,युवा कांग्रेस के मानस तिवारी, शरद श्रीवास्तव, नंद लाल मौर्य, हाजी फिरोज अहमद, समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

सम्पादकीय

जैव विविधता के साथ टिकाऊ विकास

धरती पर जीवन की विविधता ही प्रकृति की सबसे बड़ी शक्ति है। पेड़-पौधे, पशु-पक्षी, सूक्ष्मजीव और मनुष्य–ये सभी मिलकर एक संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करते हैं। इसी विविधता को जैव विविधता कहा जाता है। आज विकास की दौड़ में मानव ने प्रकृति के संसाधनों का अत्यधिक दोहन किया है, जिससे जैव विविधता को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। ऐसे समय में यह आवश्यक हो गया है कि विकास का मार्ग टिकाऊ विकास के सिद्धांतों पर आधारित हो, जिसमें प्रकृति और मानव दोनों का संतुलित हित सुरक्षित रहे। जैव विविधता केवल पर्यावरण की सुंदरता ही नहीं बढ़ाती, बल्कि मानव जीवन के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। हमारी खाद्य श्रृंखला, औषधियाँ, कृषि, जल चक्र और जलवायु संतुलन–सब कुछ जैव विविधता पर निर्भर करता है। जंगलों में पाए जाने वाले अनेक पौधों से जीवन रक्षक दवाएँ बनती हैं। विविध फसलें और जीव-जंतु कृषि व्यवस्था को मजबूत बनाते हैं। यदि जैव विविधता घटती है तो पारिस्थितिकी तंत्र कमजोर पड़ जाता है और अंततः इसका प्रभाव मानव जीवन पर भी पड़ता है। आज विश्व के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना। बड़े-बड़े उद्योग, शहरीकरण, वनों की कटाई, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के कारण अनेक प्रजातियाँ विलुप्त होने की कगार पर पहुँच गई हैं। विकास के नाम पर यदि प्रकृति को नुकसान पहुँचाया जाएगा तो इसका परिणाम भविष्य में गंभीर पर्यावरणीय संकट के रूप में सामने आएगा। टिकाऊ विकास का अर्थ है–ऐसा विकास जो वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं को पूरा करे, लेकिन भविष्य की पीढ़ियों की जरूरतों से समझौता न करे। इसके लिए प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है। वनों का संरक्षण, जल स्रोतों की रक्षा, जैविक खेती को बढ़ावा, नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग और प्रदूषण को नियंत्रित करना टिकाऊ विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। जैव विविधता के संरक्षण में स्थानीय समुदायों की भूमिका भी बहुत महत्वपूर्ण है। ग्रामीण और आदिवासी समाज सदियों से प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवन जीते आए हैं। उनके पारंपरिक ज्ञान और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति सम्मान की भावना से हमें बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। यदि विकास की योजनाओं में स्थानीय समुदायों को शामिल किया जाए तो संरक्षण के प्रयास अधिक प्रभावी हो सकते हैं। इसके साथ ही सरकारों, वैज्ञानिकों और समाज के सभी वर्गों को मिलकर कार्य करना होगा। शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से लोगों को यह समझाना जरूरी है कि जैव विविधता केवल पर्यावरण की नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की भी सुरक्षा करती है। स्कूलों और विश्वविद्यालयों में पर्यावरण शिक्षा को मजबूत बनाना भी समय की आवश्यकता है। अंततः कहा जा सकता है कि जैव विविधता और टिकाऊ विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। यदि हम प्रकृति की विविधता को बचाते हैं, तो विकास की राह भी सुरक्षित और स्थायी बनती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम विकास की नई सोच अपनाएँ–ऐसी सोच जो प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, बल्कि सहअस्तित्व का मार्ग दिखाए। तभी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और समृद्ध पृथ्वी सुनिश्चित की जा सकती है।

राजनीतिक जंग के आगाज में लोकतांत्रिक मूल्य फिर दांव पर

किसी राज्य या क्षेत्र में चुनाव की घोषणा होती है तो स्वाभाविक रूप से राजनीतिक गतिविधियां तेज हो जाती हैं, आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता है और दल अपने-अपने एजेंडे को लेकर जनता के बीच पहुंचते हैं। किंतु इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में एक संस्था की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है-भारत का चुनाव आयोग। यही संस्था सुनिश्चित करती है कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और हिंसा-मुक्त वातावरण में संपन्न हों। इस बार असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल जैसे चार बड़े राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही देश की राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इन पांचों स्थानों की कुल 824 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है और देश के 17.4 करोड मतदाताओं के मन एवं मानसिकता की जानकारी भी मिलेगी। पिछली बार की तुलना में इस बार मतदान कम चरणों में संपन्न कराया जा रहा है, जो प्रशासनिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण परिवर्तन माना जा सकता है। असम, केरल और पुडुचेरी में जहां 9 अप्रैल को मतदान प्रस्तावित है, वहीं तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में आयोजित किए जा रहे हैं-पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर और दूसरे चरण में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर मतदान होगा। इन चुनावों की ओर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि इनके परिणाम केवल इन राज्यों की राजनीति ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य को भी प्रभावित कर सकते हैं।

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे लोकतंत्र की परिपक्वता, जनविश्वास और राजनीतिक संस्कृति की परीक्षा भी होते हैं। जब किसी राज्य या क्षेत्र में चुनाव की घोषणा होती है तो स्वाभाविक रूप से राजनीतिक गतिविधियां तेज हो जाती हैं, आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता है और दल अपने-अपने एजेंडे को लेकर जनता के बीच पहुंचते हैं। किंतु इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में एक संस्था की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है-भारत का चुनाव आयोग। यही संस्था सुनिश्चित करती है कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और हिंसा-मुक्त वातावरण में संपन्न हों। इस बार असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल जैसे चार बड़े राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही देश की राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इन पांचों स्थानों की कुल 824 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है और देश के 17.4 करोड मतदाताओं के मन एवं मानसिकता की जानकारी भी मिलेगी। पिछली बार की तुलना में इस बार मतदान कम चरणों में संपन्न कराया जा रहा है, जो प्रशासनिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण परिवर्तन माना जा सकता है। असम, केरल और पुडुचेरी में जहां 9 अप्रैल को मतदान प्रस्तावित है, वहीं तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में आयोजित किए जा रहे हैं-पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर और दूसरे चरण में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर मतदान होगा। इन चुनावों की ओर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि इनके परिणाम केवल इन राज्यों की राजनीति ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य को भी प्रभावित कर सकते हैं। इन चुनावों का महत्व केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य की भी परीक्षा है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में लंबे समय से राजनीतिक संघर्ष और टकराव की स्थिति देखने को मिलती रही है। वहां सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है। इस प्रतिस्पर्धा के कारण कई बार चुनावी हिंसा और राजनीतिक तनाव की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। इसलिए यह चुनाव केवल सत्ता की लड़ाई नहीं बल्कि यह भी एक कसौटी है कि क्या लोकतांत्रिक प्रक्रिया हिंसा और भय से मुक्त रहकर संपन्न हो सकती है। लोकतंत्र का मूल आधार यह है कि प्रत्येक मतदाता बिना किसी दबाव, भय या प्रलोभन के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इस आदर्श को बनाए रखना आसान नहीं है। चुनाव आयोग के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होती है कि चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे। इसके लिए आयोग को सुरक्षा बलों की तैनाती, मतदान केंद्रों की व्यवस्था, इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों की सुरक्षा और मतदाता सूची की शुद्धता जैसे अनेक पहलुओं पर लगातार निगरानी रखनी पड़ती है। इसके अतिरिक्त राजनीतिक दलों और उनके कार्यकर्ताओं के आचरण पर भी नजर रखना जरूरी होता है ताकि चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन न हो। इन चुनावों के संदर्भ में पश्चिम बंगाल विशेष चर्चा का विषय बना हुआ है। लंबे समय से वहां राजनीतिक हिंसा और टकराव की घटनाएं सामने आती रही हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि इस बार वहां सत्ता परिवर्तन की संभावना के कारण राजनीतिक संघर्ष और तीखा हो सकता है। सत्तारूढ़ नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करने वाली ममता बनर्जी की सरकार के सामने सत्ता बनाए रखने की चुनौती है, वहीं विपक्ष अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। इस परिस्थिति में चुनाव आयोग की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वह मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण बनाए रखे। दूसरी ओर केरल और तमिलनाडु की राजनीति भी अपने विशिष्ट स्वरूप के कारण चर्चा में रहती है। केरल में आमतौर पर सत्ता दो प्रमुख राजनीतिक मोर्चों के बीच बदलती रही है, जबकि तमिलनाडु की राजनीति क्षेत्रीय दलों के प्रभाव के लिए जानी जाती है। इन राज्यों में चुनावी प्रतिस्पर्धा तीव्र होती है, किंतु अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण वातावरण में मतदान की परंपरा भी देखने को मिलती है। असम की स्थिति भी अलग है, जहां पूर्वोत्तर भारत की राजनीति के संदर्भ में चुनाव के परिणाम महत्वपूर्ण माने जाते हैं। यदि वहां सत्तारूढ़ दल फिर से सत्ता में लौटता है तो यह क्षेत्रीय राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत माना जाएगा। हालांकि इन सभी चुनावों के संदर्भ में एक प्रश्न लगातार उठता है कि क्या राजनीतिक दल लोकतंत्र की मर्यादाओं का पालन करने के लिए पर्याप्त गंभीर हैं। चुनावी राजनीति में प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु जब यह प्रतिस्पर्धा हिंसा, घृणा और असहिष्णुता में बदल जाती है तो लोकतंत्र की मूल भावना को चोट पहुंचती है। दुर्भाग्य से कई बार राजनीतिक दल चुनाव जीतने की होड़ में लोकतांत्रिक शालीनता को नजरअंदाज कर देते हैं। आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत हमले और हिंसक घटनाएं इस प्रवृत्ति के उदाहरण हैं। इस स्थिति में यह केवल चुनाव आयोग की जिम्मेदारी नहीं रह जाती कि वह चुनाव को निष्पक्ष बनाए। राजनीतिक दलों और उनके नेताओं की भी उतनी ही जिम्मेदारी है कि वे लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखें। यदि दल स्वयं ही आचार संहिता का सम्मान करें और अपने कार्यकर्ताओं को संयमित आचरण के लिए प्रेरित करें तो चुनावी प्रक्रिया कहीं अधिक स्वस्थ और सकारात्मक बन सकती है। लोकतंत्र की सफलता केवल संस्थाओं पर निर्भर नहीं करती, बल्कि राजनीतिक संस्कृति और सामाजिक चेतना पर भी निर्भर करती है।

इसके साथ ही मतदाताओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है। यदि मतदाता जागरूक और सजग हों तो वे ऐसे नेताओं और दलों को प्रोत्साहित करेंगे जो लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हैं। मतदाताओं को यह समझना होगा कि उनका वोट केवल एक राजनीतिक विकल्प नहीं बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की दिशा तय करने वाला निर्णय भी है। इन पांच क्षेत्रों में होने वाले चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे यह संदेश देंगे कि भारत का लोकतंत्र किस दिशा में आगे बढ़ रहा है। यदि ये चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न होते हैं तो यह न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी एक सकारात्मक उदाहरण होगा। भारत को अक्सर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में देखा जाता है, इसलिए यहां होने वाली चुनावी प्रक्रिया पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नजर रहती है। निश्चित तसौर पर यह कहा जा सकता है कि चुनाव केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का मंच नहीं हैं, बल्कि वे लोकतंत्र के मूल्यों की परीक्षा भी हैं। असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में होने वाले चुनाव इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यदि इन चुनावों में राजनीतिक दल संयम और जिम्मेदारी का परिचय दें, चुनाव आयोग अपनी निष्पक्षता और दृढ़ता बनाए रखे तथा मतदाता जागरूकता के साथ मतदान करें, तो यह लोकतंत्र की शक्ति को और अधिक सुदृढ़ करेगा। प्रश्न यह है कि क्या हम इन चुनावों के माध्यम से एक ऐसा आदर्श प्रस्तुत कर पाएंगे, जिसमें लोकतंत्र केवल मतपेटियों तक सीमित न रहकर शालीनता, सहिष्णुता और जनविश्वास की भावना को भी मजबूत करे। यही वह कसौटी है जिस पर इन चुनावों की सफलता या असफलता का वास्तविक मूल्यांकन किया जाएगा। -ललित गर्ग

परछाईयां: साहिर लुधियानवी की सृजन स्थली

विवेक शुक्ला

मुंबई कभी रुकती नहीं। यह शहर मानो समय की धड़कन पर दौड़ता रहता है–दिन-रात, बिना ठहरे, बिना थके। सड़कों पर भागती कारें, देर रात तक जगती रोशनियां और काम में डूबे लोग इस शहर की पहचान हैं। लेकिन जब आप जूहू की तरफ मुड़ते हैं और अरब सागर के किनारे पहुँचते हैं, तो अचानक सब कुछ बदल जाता है। शहर का शोर पीछे छूट जाता है। हवा में एक धीमी नमी है और लहरें एक अनवरत संगीत रचती रहती हैं। इसी शांत इलाके में छिपा है वह घर, जहां मशहूर शायर साहिर लुधियानवी ने अपने जीवन का लंबा और रचनात्मक समय बिताया। उस घर का नाम है–परछाईयां। रास्ते में कई लोगों से पूछते हैं। कोई कंधे उचकाकर कहता है–पता नहीं। कोई मुस्कराकर आगे बढ़ जाता है। लेकिन जिद है उस घर को देखने की, जहां साहिर ने अनेक कालजयी गीत और ग़ज़लें लिखीं। दीवारों को छूने की, उन कमरों की हवा में सांस लेने की। चलते रहते हैं, गलियों से गुजरते हैं। और अजीब संयोग–जैसे ही पूछना छोड़ देते हैं, रास्ता खुद खुल जाता है। अचानक एक बड़े, सलेटी रंग के शांत बंगले की नेमप्लेट पर नज़र ठहर जाती है। काले अक्षरों में रोमन लिपि में लिखा है–Parchhaiyan। परछाईयां- अर्थात साये। यह नाम पढ़ते ही साहिर की कई पंक्तियाँ ज़ेहन में उभर आती हैं। उनकी शायरी में गहरी उदासी थी, पर वह उदासी निराशा नहीं, बल्कि संवेदना की रोशनी थी। यह बंगला लगभग पांच सौ वर्ग गज में फैला है। मुंबई में रहने वाले वास्तु विशेषज्ञ डॉ जे.पी. शर्मा. लालधागेवाले साहिर साहब के बंगले को गुजरे कई दशकों को देख रहे हैं। वे बताते हैं कि इसकी बालकनियों से कभी अरब सागर साफ दिखता होगा। ऊपर की मंज़िलों में साहिर अपनी मां के साथ रहते थे। शाम ढलती, समुद्र से ठंडी हवा आती और कमरों में किताबों, काग़ज़ों और स्याही की हल्की गंध फैल जाती। यही वह जगह थी जहां रातें जागती थीं और शब्द धीरे-धीरे कविता का रूप ले लेते थे। इस घर के दरवाज़े दोस्तों के लिए हमेशा खुले रहते थे। फिल्मकार, संगीतकार, कवि और शायर यहां आया करते। कोई धुन गुनगुनाता, कोई राजनीति पर बहस छेड़ देता, तो कोई नई कविता सुनाता। साहिर चुपचाप सुनते, फिर अचानक एक पंक्ति कहते–और कमरे में सन्नाटा छा जाता, क्योंकि वह पंक्ति सीधे दिल में उतरती थी। इसी माहौल में कई अमर फिल्मी गीत जन्मे। जैसे ''उड़ें जब-जब ज़ुल्फें तेरी'' (फिल्मः नौटंकी), जो प्रेम की मस्ती को बयां करता है, या ''तुमसा नहीं देखा'' (फिल्मः तुमसा नहीं देखा), जिसमें साहिर की रोमांटिक संवेदना झलकती है। उनकी पंक्तियाँ आदर्शों की टूटन, समाज की विडंबना और प्रेम की कोमलता को एक साथ बोलती थीं। उनकी कलम विरोध भी करती थी और इंसानियत की लौ बचाए रखती थी। फिल्म प्यासा के ''ये दुनिया अगर मिल भी जाए तो क्या है'' जैसे गीत इसी घर की दीवारों में गूँजे होंगे, जहां सामाजिक अन्याय पर उनकी तीखी टिप्पणियाँ शब्दों में ढलती थीं। या ''अभी ना जाओ छोड़ कर'' (फिल्मः हम दोनों), जो प्रेम की उदासी और बेचैनी को इतनी गहराई से व्यक्त करता है कि सुनकर दिल भर आता है। साहिर का निजी संसार भी इसी घर में बसता था। उन्होंने विवाह नहीं किया। उनकी सबसे बड़ी ताकत उनकी मां सरदार बेगम थीं। कहा जाता है कि किसी भी बड़ी चर्चा या निर्णय से पहले वे मां की राय अवश्य सुनते थे। मेहमान बैठे हों, बहस चल रही हो–वे उठकर मां के कमरे में जाते और पूछते, आप क्या सोचती हैं? मां के प्रति यह सम्मान उनके व्यक्तित्व की कोमलता को उजागर करता है। जब 1976 में उनकी मां का निधन हुआ, तो साहिर भीतर से खाली हो गए। चार वर्ष बाद, 25 अक्टूबर 1980 को दिल का दौरा पड़ने से उनका जीवन थम गया। साहिर के जाने के बाद परछाईयां पर लंबी खामोशी छा गई। कभी जिन कमरों में संगीत और कविता की गूँज रहती थी, वहां सन्नाटा बस गया। विरासत को लेकर विवाद हुए, विशाल लाइब्रेरी बिखर गई। कुछ पांडुलिपियाँ संयोग से मिलीं, जिन्हें चाहने वालों ने सहेज लिया। आज यह बंगला थोड़ा थका हुआ खड़ा है, जैसे समय की धूल उस पर जम गई हो। फिर भी दीवारें उन शब्दों की आहट संभाले हुए हैं। नेमप्लेट पर लिखे परछाईयां को छूते हुए लगता है कि सच्ची कविता दीवारों में नहीं, लोगों की स्मृतियों में रहती है। शायद इसलिए यह घर आज भी एक स्मारक की तरह खड़ा है, याद दिलाता हुआ कि एक शायर की सच्ची विरासत उसकी कविताएं और लोगों के दिल होते हैं।

सेहत मंत्र

पाचन से लेकर इम्युनिटी बढ़ाने के लिए बेस्ट है हल्दी और काली मिर्च का कॉम्बीनेशन

हल्दी, जिसे गोल्डन मसाले के रूप में भी जाना जाता है और जो आपके खाने को एक अच्छा पीला रंग देती है, कई स्वास्थ्य लाभों से भरपूर है। यह तो लगभग सभी जानते होंगे कि हल्दी आपकी कई स्वास्थ्य समस्याओं के इलाज में मदद कर सकती है। लेकिन हल्दी और काली मिर्च का कॉम्बीनेशन आपके लिए काफी अच्छा हो सकता है। क्योंकि हल्दी और काली मिर्च दोनों ऐसे घटक हैं, जिनमें प्रमुख सक्रिय तत्व होते हैं, जो इन्हें बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं। हल्दी और काली मिर्च दोनो रसोई मे मौजूद ऐसी सामाग्रियां हैं, जो एंटी इंफ्लामेटरी, एंटीऑक्सिडेंट और डिजीज फाइटिंग गुणों से भरपूर हैं। आइए यहां हम आपको बताते है कि क्यों और कैसे यह आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छे हैं। हल्दी में सबसे प्रभावी और महत्वपूण तत्व होता है करक्यूमिन, जिसे करक्यूमिनोइड्स भी कहा जाता है। करक्यूमिन एक सक्रिय तत्व है और इसमें एंटी कैंसर गुण भी होता है, जो कैंसर से लड़ने में मददगार है। हल्दी में मौजूद करक्यूमिन पॉलीफ़ेनोल के रूप में सेहत के लिए कई फायदे देता है। यह एक मजबूत एंटीऑक्सीडेंट है और इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीबैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुण होते हैं। काली मिर्च में पाया जाने वाला आपकी कई बीमारियों में मदद करता है। पेपराइन एक बायोएक्टिव कंपाउंड है, जो कैप्साइसिन की तरह एक क्षारीय होता है। पेपराइन काली मिर्च में पाया जाने वाला एक सक्रिय घटक है। पेपराइन पाचन में सुधार, मतली और कई अन्य समस्याओं से राहत देने में मदद के लिए जाना जाता है। क्योकि यह भी हल्दी में मौजूद करक्यूमिन की तरह एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट्स गुणों से भरपूर है। बहुत से लोगों के मन में यह सवाल उठ सकता है कि जब यह दोनों ही घटक स्वास्थ्य के लिए इतने प्रभावी हैं, तो इनका अलग-अलग इस्तेमाल करना भी तो फायदेमंद हो सकता है। आपका सोचना बिलकुल सही है, हालांकि, हल्दी और काली मिर्च को अकेले भी इस्तेमाल किया जा सकता है लेकिन इनका कॉम्बीनेशन क्यों बेस्ट इसका जवाब डा. स्वाती बथवाल यहां बता रही हैं।

धर्म मंत्र

भगवान शंकर का अवतार माना जाता है बजरंग बली को

वैसे तो देवी के कई स्वरूप हैं, पर मूल रूप से वे सभी माता पार्वती के ही विभिन्न रूप या अंश हैं, वही माता पार्वती जो शिव जी की पत्नी हैं। एक बार भगवान शंकर ने उन्हें मजाक में काली कह दिया जिस पर वे रुष्ट हो गईं कि शिव उनके वर्ण का मजाक बना रहे हैं। नाराज हो कर वो वन में गहन तप करने चली गईं। उसी स्थान पर एक भूखा शेर भी था जिसे भोजन की तलाश थी। भूख से व्याकुल शेर ने जब तपस्यारत पार्वती को देखा तो सोचा की वो उन्हीं का शिकार करके अपनी भूख शांत करेगा। वो पार्वती जी का तप पूर्ण होने का इंतजार करने लगा ताकि उनका आखेट कर सके। ये तपस्या कई वर्ष तक चली और शेर भी एक तरह से तपस्या रत हो कर वहीं बैठा रहा। पार्वती की तपस्या से भगवान शिव अत्यंत प्रसन्न हुए और वहां प्रकट हो कर उन्हें गौर वर्ण का आर्शिवाद भी दिया। जल में स्नान करके गोरी हुई पार्वती जब चलने को तैयार हुईं तब उन्होंने शेर को देखा और प्रतीक्षा का भी उन्हें ज्ञान हुआ। पार्वती जी ने इस प्रतीक्षा को एक कठिन प्रतीक्षा का दर्जा दिया और शेर पर अत्यंत प्रसन्न हुईं। कहते हैं कि तभी से पार्वती ने डनहें अपना वाहन बनने का आर्शिवाद दिया और दुर्गा के रूप में शेर उनका प्रिय वाहन बना।

पर्यटन

रहस्यों से भरा है मध्य प्रदेश का 'असीरगढ़ किला'

मध्य प्रदेश देश की विविधतापूर्ण संस्कृति और धरोहरों को संजोए हुए है। जिसमें से एक है बुरहानपुर जिला, जहां आपको घूमने-फिरने की कई जगहें मिलेंगी। तो आइए चलते हैं ऐसी ही एक जगह असीरगढ़ किले की ओर। इंदौर-इच्छापुर राजमार्ग के किनारे सतपुड़ा की ऊंची पहाड़ी पर ऐतिहासिक व अभेद्य असीरगढ़ का किला स्थित है। इसका पहला भाग मलयगढ़, दूसरा भाग कमरगढ़ और सबसे ऊपर असीरगढ़ कहलाता है। रहस्यों से भरा यह किला हर किसी को आकर्षित करता है। कहा जाता है कि 1375 ईस्वी से पहले इस किले पर आशा अहीर नामक व्यक्ति पशुपालन किया करता था। इससे उसके पास इतना धन इकट्ठा हो गया कि आसपास के राजा-महाराजा उससे कर्ज लिया करते थे। जब इस बात की खबर खानदेश के सुल्तान नसीर खान फारुकी को लगी तो उसने छल से किले पर अपना अधिकार जमा लिया। इस तरह किला फारुकी राजाओं के अधीन आ गया। 200 साल तक फारुकी वंश ने यहां से शासन किया। वर्ष 1601 में मुगल सम्राट अकबर ने किले को अपने कब्जे में ले लिया और उसके बाद यहां से शुरू हुआ मुगलों का दक्षिण भारत का विजय अभियान। 1731 तक यह किला मुगलों के पास रहा। उसके बाद इस पर निजाम हैदराबाद का अधिकार हो गया। 1800 ईस्वी तक आते-आते इस किले पर मराठों का वर्चस्व हो गया और 1830 के आसपास इस पर सिंधिया परिवार ने अधिकार कर लिया। 1857 तक आते-आते यह अंग्रेजों के हाथ में चला गया। इतिहास इस बात का साक्षी है कि अंग्रेजों ने यहां से पूरे मालवा प्रांत, दक्षिण भारत और महाराष्ट्र जैसे राज्यों पर नियंत्रण किया। 1906 में अंग्रेजों ने इसे खाली कर दिया। तब से इस पर किसी का अधिकार नहीं रहा और वहीं से इस किले की बर्बादी की दास्तान शुरू हो गई। आज भी यह भारत के प्रमुख किलों में गिना जाता है। देशभर के अलावा विदेश से भी पर्यटक इसे निहारने और इसके इतिहास व रहस्यों से रूबरू होने आते हैं।

ऑपरेशन कायाकल्प की पोल: शौचालय के सामने लगी बड़ी-बड़ी झाड़ियां

❐ छात्र-छात्राएं खुले में जाने को मजबूर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिद्धौर बाराबंकी। विकासखंड सिद्धौर क्षेत्र के अंतर्गत कंपोजिट विद्यालय टेडवा में ऑपरेशन कायाकल्प और संपूर्ण स्वच्छता अभियान के तहत लाखों रुपये खर्च कर बनाए गए शौचालय बदहाल स्थिति में पड़े हैं। हालत यह है कि विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं और छात्रों को आज भी शौच के लिए खुले में जाने को मजबूर होना पड़ रहा है।

विद्यालय परिसर में बने शौचालयों के आसपास बड़ी-बड़ी झाड़ियां उग आई हैं, जिससे साफ पता चलता है कि कई महीनों से इनका उपयोग ही नहीं किया गया है। कई शौचालयों पर ताला लटका हुआ है, वहीं पूरे विद्यालय परिसर में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। ऐसे में स्वच्छता अभियान और ऑपरेशन कायाकल्प के दावे सवालों के घेरे में नजर आ रहे हैं।

विद्यालय की छात्राएं अंशिका, खुशी, शिवानी, साक्षी और रोशनी (कक्षा 7) ने इस समस्या से परेशान होकर जिलाधिकारी को पत्र लिखकर विद्यालय के शौचालयों को सही कराने की मांग की है, ताकि छात्राओं को खुले में जाने की मजबूरी से छुटकारा मिल सके।

वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक साहब शरण ने बताया कि इस समस्या की शिकायत कई बार ग्राम प्रधान से लेकर खंड शिक्षा अधिकारी तक की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई।

मुन्ना मिश्रा ने की रोजा इफ्तार पार्टी, शामिल हुए गोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। विधानसभा दरियाबाद के जरौली मे माह-ए-रमजान के पवित्र महीने के आज सत्ताइसवें रोजा पर पूर्व प्रधान मुन्ना मिश्रा के आवास पर आयोजित रोजा इफ्तार एवं समरसता भोज में पूर्व मंत्री एवं सपा के कद्दावर नेता अरविंद सिंह को सम्मिलित हुए।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव श्री गोप ने देशवासियों की सुख समृद्धि की कामना कर कार्यक्रम की।और संयोजक मुनेश्वर दत्त मिश्रा मुन्ना मिश्रा द्वारा निरंतर 27 वर्षों से आवास पर रोजा इफ्तार आयोजित कर एकता भाईचारे को मजबूत करने की सराहना की।

रोजा इफ्तार में मुख्य रूप से पूर्व विधायक रामगोपाल रावत, पूर्व विधायक राम मगन रावत, अजय वर्मा बबलू, अकील प्रधान, महंत सखी बाबा, हरिशंकर तिवारी, नंदकिशोर पांडे, जिला प्रवक्ता वीरेंद्र प्रधान सहित तमाम रोजदारों ने रोजा इफ्तार में सम्मिलित हो रोजा इफ्तार कर देश में अमन चैन की दुआ मांगी।

एसपी ने किया कोतवाली का औचक निरीक्षण

फतेहपुर बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजय वर्गीय ने बीती देर शाम कोतवाली का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण दौरान उन्होंने क्राइम रजिस्टर, त्योहार रजिस्टर, हिस्ट्री शीटर रजिस्टर समेत विभिन्न अभिलेखों की गहनतासे जांच की।इसके साथ ही मलखाना और शस्त्रागार का निरीक्षणकर सुरक्षा और रखरखाव की स्थिति परखी। एसपी ने कोतवाल का दौराकर अभिलेखों के रखरखाव की समीक्षा की और संबंधित पुलिसकर्मियों को रजिस्टर अद्यतन रखने तथा कार्य में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने थाना परिसर की साफ सफाई भी देखा। निरीक्षण के बाद उन्होंने थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों के साथ बैठक कर कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने, अपराधों की रोकथाम तथा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के दिशा-निर्देश दिए।विशेष रूप से त्योहारों के मद्देनजर सतर्कता बरतने और किसी भी प्रकार की लापरवाही न करने के निर्देश दिए।

फतेहपुर, बेलहरा में तीन तीन सदस्य नामित, बढ़ी हलचल

फतेहपुर,बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर विकास विभाग ने फतेहपुर व बेलहरा नगर पंचायत में तीन-तीन सदस्यों को नामित किया है। किसी के सथ राजनीतिक सर गर्मी तेज हो गई है। प्रमुख सचिव पी.गुरु प्रसाद द्वारा जारी आदेशानुसार फतेहपुर नगर पंचायत में दयाशंकर जोशी,राकेश गुप्ता व रितेश जैन को नगर पंचायत का सदस्य नामित किया है।वहीं बेलहरा नगर पंचायत में सुनील सोनी, संतोषी रावत और कपिल वर्मा को सदस्य का दायित्व सोपा गया है।इन नियुक्तियों के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं समर्थकों में खुशी का माहौल दिखा।समर्थकों ने नवनियुक्त सदस्यों को बधाई देते हुए उम्मीद जताई है कि वे नगर पंचायत के विकास, जनसमस्याओं के समाधान और जनहित से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे। राजनीतिक गणनाकारों का मानना है कि अब लोगों की नजर इस बात पर टिकी है कि नवनियुक्त सदस्य अपने दायित्वों का निर्वहन किस तरह करते हुए क्षेत्र के विकास में किस प्रकार योगदान कर सकेंगे।

गैस एजेंसी संचालकों की बैठक आवश्यक दिशा निर्देश

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। मंगलवार को तहसील परिसर में उपजिलाधिकारी अनुराग सिंह और पूर्ति निरीक्षक मनीष श्रीवास्तव ने क्षेत्र के गैस एजेंसियों के संचालकों के साथ बैठक की। इसमें संचालकों को निर्देश दिए गए कि वे बुकिंग के आधार पर आपूर्ति सुनिश्चित करें, स्टॉक उपलब्ध रखें,उपभोक्ताओं से अच्छा व्यवहार करें और रिफिल की आपूर्ति अधिक से अधिक होम डिलीवरी के माध्यम से करें। अस्पतालों और विद्यालयों में प्राथमिकता के आधार पर सिलेंडर की पूर्ति की जाए और मूल से अधिक गैस की बिक्री न करने के कड़े निर्देश दिए गये। बैठक में क्षेत्र के समस्त गैस एजेंसियो के मालिक और प्रबंधक उपस्थित रहे।

जलसाई नाथ मंदिर का 89.82 लाख से होगा कायाकल्प

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मे लखनऊ के सरोजनी नगर स्थित प्राचीन जलसाई नाथ मंदिर के सौंदर्यीकरण और विकास के लिए 89.82 लाख रुपये की परियोजना शुरू की गई है। इसके तहत 60 लाख रुपये की पहली किस्त जारी कर दी गई है। परियोजना के अंतर्गत मंदिर परिसर में यात्री हॉल, शीट रूफिंग शेड, बैठने के प्लेटफॉर्म, स्टील रेलिंग, इंटरलॉकिंग टाइल्स, आरसीसी बेंच, स्ट्रीट लाइट, पेयजल सुविधा और बागवानी कार्य कराए जाएंगे। इससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और मंदिर का स्वरूप आकर्षक बनेगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह के अनुसार, यह पहल लखनऊ के धार्मिक पर्यटन को नई गति देगी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में शहर में 1.71 करोड़ से अधिक पर्यटकों का आगमन हुआ, जिनमें 38 हजार से ज्यादा विदेशी पर्यटक शामिल थे।गौरतलब है कि लगभग 200 वर्ष पुराना यह स्वयंभू शिव मंदिर स्थानीय आस्था का प्रमुख केंद्र है। सावन और महाशिवरात्रि पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

शिक्षकों की ग्रेच्युटी सीमा बढ़कर हुई 25 लाख

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों एवं कर्मचारियों को बड़ी राहत दी है। शासन ने ग्रेच्युटी/उपादान की अधिकतम सीमा को 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये करने की स्वीकृति प्रदान कर दी है। शासन स्तर पर विशेष सचिव उमेश चन्द्र द्वारा जारी आदेश के अनुसार, जब महंगाई भत्ता (डीए) मूल वेतन का 50 प्रतिशत हो जाता है, तो ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा बढ़ाने का प्रावधान लागू होता है। शासनादेश में उल्लेख किया गया है कि यह निर्णय पूर्व में जारी आदेश 7 मई 2017 तथा वित्त विभाग के शासनादेश 23 दिसंबर 2016 और 02 जुलाई 2024 के प्रावधानों के अनुरूप लिया गया है।

भव्य समारोह, सीएम योगी के प्रति जताया आभार, साकेंद्र का हुआ अभिनंदन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निंदूरा बाराबंकी। स्थानीय प्रेरणा लॉन में अनुदेशकों और शिक्षामित्रों समारोह आयोजित कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार आभार जताते हुए क्षेत्रीय विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा का बड़ा ही उत्साहपूर्ण अभिनंदन किया गया। अभिनंदन समारोह के मख्य अतिथि विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा, व? अति विशिष्ट अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार पाठक तथा विशिष्ट अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी सुषमा सेंगर व बीडीओ आलोक कुमार वर्मा सम्मिलित हुए। शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन से हुआ।

खंड शिक्षा अधिकारी सुषमा सेंगर ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि अनुदेशकों और शिक्षामित्रों की मानदेय वृद्धि आवश्यक थी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार पाठक ने कहा कि मानदेय वृद्धि व कैशलेस इलाज से संविदा कर्मियों का मनोबल बढ़ेगा, जिससे शिक्षा स्तर में सुधार होगा।

मुख्य अतिथि विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार शिक्षा की गुणवत्ता सुधार के लिए लगातार कार्य कर रही है। विद्यालयों में कायाकल्प और स्मार्ट क्लास जैसी योजनाओं का लाभ स्पष्ट दिख रहा है। उन्होंने निंदूरा शिक्षा विभाग की टीम के कार्यों की सराहना की।

कार्यक्रम का संचालन शिवशंकर सिंह 'कौशल' ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षामित्र, अनुदेशक, शिक्षक एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

गायों की चोरी कर की हत्या, उड़ा ले गए मांस, तनाव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। मसौली थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव में गौकशी की सनसनीखेज घटना ने पूरे इलाके का माहौल गरमा दिया है। हालातो के मध्य नजर पुलिस अलर्ट, स्थिति नियंत्रण में है। गौ माता की रक्षा को लेकर एक शंकराचार्य का जब धर्म युद्ध जारी है। ऐसे में गोपालकों के घर से गायों की चोरी कर उनकी हत्या की जा रही है।

बताते चले कि गोंडा बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित ग्राम सुल्तानपुर निवासी राकेश कुमार यादव पुत्र राम दुलारे यादव सोमवार की शाम को अपनी दो कीमती गायों को चारा-पानी देने के बाद घर के सामने खूंटे से बांध कर सो गया।रात के अंधेरे में अज्ञात बदमाश दोनों गायों को खोल ले गए और घर से करीब सौ मीटर की दूरी पर वध कर मांस साथ ले गये।मंगलवार की सुबह करीब 4 बजे जब परिजन जागे तो गायें गायब थीं। आनन-फानन में ग्रामीणों के साथ तलाश शुरू की गई। कुछ दूरी पर रोशन चक मोड़ के पास पहुंचने पर जो मंजर सामने आया, उसने सभी को झकझोर दिया। दोनों गायों के कटे हुए अवशेष अलग-अलग हिस्सों में पड़े मिले। इस घटना से गांव में सनसनी फैल गई और देखते ही देखते सैकड़ों की भीड़ एकत्रित हुई। घटना की सूचना मिलते ही मसौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में करने के लिए अतिरिक्त फोर्स बुला ली। पुलिस ने अवशेषों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और इलाके में गश्त बढ़ा दी है। हिन्दू सुरक्षा सेवा ट्रस्ट के बाराबंकी जिलाध्यक्ष मोहित हिन्दू और मीडिया प्रभारी विशाल गुप्ता ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ह्लसबसे पहले आरोपियों की गिरफ्तारी होनी चाहिए, अन्यथा हम लोग धरना-प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे। प्रभारी निरीक्षक अजय प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि आरोपियों को पकड़ने के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं, लगातार दबिश दी जा रही है। फिलहाल सुल्तानपुर गांव में हालात तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में हैं।

मस्जिद मोहम्मदी तरावीह मुकम्मल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जैदपुर बाराबंकी। नगर पंचायत के मोहल्ला पचदरी स्थित मस्जिद मोहम्मदी में तरावी मुकम्मल ''समापन'' के अवसर पर नई ईदगाह के इमाम कारी अजीजुद्दीन द्वारा सदर हाजी वहीद. सेक्रेटरी मुन्ना खान इमाम छोटी मीरा मस्जिद नायब इमाम बड़ी मीरा मस्जिद अनेक हाफिज नमाजियों नमाजी बच्चों के उपस्थिति में फातिया पढ़ा।

इसके पश्चात हाथ बुलंद करके .रब से देश दुनिया में अमन चैन भाईचारा सद्भावना प्रेम कायम रखने के लिए दुआ मांगी । इसके पश्चात लोगों में तबररूक का वितरण किया गया। यहां बताते चले की मस्जिद मोहम्मदी में पूरब तरफ निवासी हाफिज मोहम्मद जुबेर ने इमामत के साथ तरावीह भी मुकम्मल की। इस अवसर पर शब्बीर हसन पूर्व अध्यक्ष रियाज शफीक खान अहमद हाजी जमील कवि इस्लामुद्दीन मोहम्मद कैफ खान मोहम्मद हनीफ हाफिज गयासुद्दीन हाफिज गुड्डू अंसारी अरशद खान सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

आमजन को बेहतर सुविधाएं देने के साथ हर मूलभूत व्यवस्थाओं से लबरेज रहेगा रोडवेज बस स्टेशन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

तीन करोड़ 37 लाख की लागत से बने बस स्टेशन का परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह एवं राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने किया उद्घाटन

दरियाबाद बाराबंकी। विधानसभा दरियाबाद एवं नगर पंचायत रामसनेहीघाट के भिटरिया में करीब तीन करोड़ सैंतीस लाख की लागत से निर्मित नए रोडवेज बस स्टेशन का लोकार्पण मंगलवार को योगी सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह एवं राज्य मंत्री सतीश चन्द्र शर्मा ने संयुक्त रूप स मंत्र उच्चारण के मध्य फीता काटकर किया।इस अवसर पर दोनों मंत्रियों ने प्रदेश में परिवहन सुविधाओं के विस्तार और इलेक्ट्रिक बसों के संचालन को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

परिवहन मंत्री ने कहा कि पहले जहां प्रदेश के केवल 15 महानगरों में इलेक्ट्रिक बसें संचालित होती थीं, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 43 जिलों तक पहुंच चुकी है।उन्होंने बस स्टैंड पर चार्जिंग प्वाइंट स्थापित कराने की भी घोषणा की और कहा कि यहां एक इलेक्ट्रिक बस भी संचालित की जाएगी। सभी में जीपीएस की सुविधा होगी और बस में एक विशेष बटन लगाया जाएगा जो कि अधिकारी और पुलिस से सिधा जुड़ा होगा,कोई भी यात्रियों से बदसलूकी करता है तो उस बटन को दबाएं ताकि समय उसे सहायता दी जा सके।मंत्री ने कहा कि गांव-गांव तक बस सेवा पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।जिससे ग्रामीण लोग तहसील,ब्लॉक और जिला मुख्यालय तक आसानी से पहुंच सकें।श्री शर्मा ने कहा कि वर्षों से लंबित मांग आज पूरी हुई है।क्षेत्र मे मिनी स्टेडियम,नगर पंचायत विकास और बस स्टैंड जैसी सभी प्रमुख मांगों को वर्तमान सरकार ने पूरा किया है।

उद्घाटन अवसर पर पांच बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। ये बसें लखनऊ, अयोध्या,जौनपुर, वाराणसी, प्रयागराज, रायबरेली,कौशांबी और दिल्ली सहित विभिन्न मार्गों पर संचालित होंगी।

बताया गया कि इस बस अड्डे पर लगभग 200 बसों का ठहराव होगा और हर आधे घण्टे पर बसों का संचालन सुनिश्चित किया जाएगा।कुछ नेताओं ने भिटरिया से बाराबंकी तक का सफ़र बस में किया।इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत,जिला अध्यक्ष भूलन वर्मा, बनीकोडर मंडल अध्यक्ष नीरज सिंह, सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

लखनऊ के जलसाई नाथ मंदिर का होगा कायाकल्प: जयवीर सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग अल्पज्ञात और कम चर्चित धार्मिक स्थलों को विशिष्ट पहचान देने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। इसी कड़ी में राजधानी लखनऊ के सरोजनी नगर स्थित प्राचीन श्री महादेव जलसाई नाथ जी मंदिर का कायाकल्प होने जा रहा है। मंदिर के सौंदर्यीकरण और समग्र विकास के लिए करीब 89.82 लाख रुपये की महत्वाकांक्षी परियोजना पर काम शुरू हो चुका है, जिसके तहत 60 लाख रुपये की पहली किस्त जारी कर दी गई है। इस पहल से न केवल मंदिर का स्वरूप भव्य और आधुनिक होगा, बल्कि स्थानीय पर्यटन को भी गति मिलेगी। यह स्थल श्रद्धालुओं के लिए एक प्रमुख आकर्षण बनकर उभरेगा।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'जलसाई नाथ मंदिर परिसर के समग्र विकास के तहत इसे आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। परियोजना अंतर्गत यात्री हॉल का निर्माण, शीट रूफिंग युक्त यात्री शेड, बैठने के प्लेटफॉर्म, स्टील रेलिंग, ग्रीन पावर से युक्त इंटरलॉकिंग टाइल्स और आरसीसी बेंच स्थापित किए जाएंगे। इसके साथ ही स्ट्रीट लाइट, स्वच्छ पेयजल सुविधा और बागवानी कार्य के जरिए परिसर का सौंदर्यीकरण भी किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि इस पहल से जहां श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, वहीं लखनऊ के धार्मिक पर्यटन को भी नई गति मिलेगी। उन्होनें बताया कि राजधानी लखनऊ के सरोजनी नगर स्थित जलसाई नाथ मंदिर, चौक क्षेत्र के कोनेश्वर महादेव मंदिर और बारा बिरवा के संत रविदास मंदिर समेत कई अन्य मंदिरों का विकास किया जा रहा है। पर्यटन विभाग इन स्थलों पर सौंदर्यीकरण, बेहतर सुविधाएं और आकर्षक पर्यटन माहौल तैयार करने की दिशा में काम कर रहा है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'समृद्ध विरासतों, पारंपरिक व्यंजनों और प्राचीन मंदिरों की श्रृंखला से सजा लखनऊ देश-विदेश के पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन चुका है। बेहतर कनेक्टिविटी, आधुनिक सुविधाओं और पर्यटन वातावरण के चलते वर्ष 2025 में शहर में 1.71 करोड़ से अधिक पर्यटकों का आगमन दर्ज किया गया। इनमें 38 हजार से ज्यादा विदेशी पर्यटक रहे। लखनऊ की बढ़ती लोकप्रियता और धार्मिक पर्यटन विकास की रफ्तार ने शहर को पर्यटन मानचित्र पर विशिष्ट स्थान प्रदान किया है। उत्तर प्रदेश धार्मिक पर्यटन में देश में अव्वल राज्य है, जिसे बरकरार रखने का प्रयास है।'

क्षेत्र पंचायत की बैठक विकास कार्य में अनियमितता पर उठे सवाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। विकास खंड सभागार में और ब्लॉक प्रमुख रेनू वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जनप्रतिनिधियों ने विकास कार्यों, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा व्यवस्था, वन विभाग और जल जीवन मिशन से संबंधित कई गंभीर मुद्दे उछाले। खंड विकास अधिकारी संजीव गुप्ता के संचालन में आयोजित बैठक में जिला पंचायत सदस्य विजय यादव ने स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर प्रकाश डाला। उन्होंने पोषण समिति, ग्रामीण स्वच्छता समिति और रोगी कल्याण समिति के कामकाज पर सवाल उठाए। इसके अतिरिक्त, वन विभाग और जल जीवन शक्ति मिशन के तहत चल रही परियोजनाओं से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की गई।ब्लॉक प्रमुख रेनू वर्मा ने महिलाओं से जुड़े स्वयं सहायता समूहों का मुद्दा उठाया। उन्होंने जानकारी दी कि इन समूहों से जुड़ी कई महिलाओं को पिछले लगभग तीन वर्षों से मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है।रेनू वर्मा ने शिक्षा विभाग की अव्यवस्थाओं पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में शिक्षक समय पर नहीं आते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कई शिक्षकों को मिड-डे मील और सिलेंडर से खाना बनने की जानकारी नहीं है।उन्होंने खंड शिक्षाधिकारी पर बिना सूचना के कार्यालय स्थानांतरित करने और अनियमित उपस्थिति का आरोप लगाते हुए सदन के माध्यम से कार्रवाई की मांग की।जिला पंचायत सदस्य मोहम्मद अहमद शहंशाह ने ग्रामसभा मैलारायगंज में जल आपूर्ति की गंभीर समस्या उठाई। उन्होंने बताया कि तीन-चार वर्ष पहले नल का निर्माण कराया गया था, लेकिन पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण आज तक किसी भी घर में पानी नहीं पहुंचा है, जिससे कस्बे के लोग परेशान हैं। मोहम्मद अहमद शहंशाह ने पीएचसी के डॉक्टरों द्वारा खोले गए संयुक्त खातों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत सदस्यों को आज तक यह जानकारी नहीं दी गई है कि इन खातों से कितना पैसा निकाला गया है और उस पैसे से क्या कार्य कराए गए हैं।बैठक में जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मनोज सोनी, फैजाबाद सांसद प्रतिनिधि सुधांशु वर्मा, बाराबंकी सांसद प्रतिनिधि अमित कुमार त्रिवेदी, क्षेत्र पंचायत सदस्य असीम श्रीवास्तव सहित अन्य ग्राम प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्य मौजूद रहे। बैठक के बाद सिरौलीगौसपुर ब्लॉक परिसर में क्षेत्र पंचायत निधि से कराए गए विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया। ब्लॉक प्रमुख रेनू वर्मा ने खंड विकास अधिकारी संजीव कुमार, जिला पंचायत सदस्य विजय कुमार यादव और मनोज सोनी सहित ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति में इन कार्यों का उद्घाटन किया। इन विकास कार्यों पर कुल 50 लाख रुपये से अधिक की लागत आई है।

पढ़ाई में तो अच्छे नंबर नहीं मिले, लेकिन क्रिकेट में 80 प्रतिशत अंक हासिल किए: सूर्यकुमार

एजेंसी

नयी दिल्ली। सूर्यकुमार यादव को भले ही पढ़ाई में बहुत अधिक सफलता नहीं मिली लेकिन क्रिकेट के मैदान पर उन्होंने आखिरकार 80 प्रतिशत अंक हासिल कर लिए हैं। सूर्यकुमार की अगुवाई में भारत ने हाल में टी20 विश्व कप खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। इस जीत का भरपूर आनंद ले रहे सूर्यकुमार का भारतीय कप्तान के रूप में जीत का रिकॉर्ड 80 प्रतिशत है। मुंबई के रहने वाले सूर्यकुमार स्वाभाविक रूप से अपने इन आंकड़ों से बेहद खुश थे, क्योंकि शिक्षा ग्रहण करते समय वह कभी इतने अधिक नंबर लेकर नहीं आए थे। सूर्यकुमार ने 2024 में टी20 कप्तान का पद संभालने के बाद लगातार सफलता हासिल की। उनकी अगुवाई में भारत ने अभी तक जो 52 मैच खेले हैं उनमें से 42 मैच में उसे जीत मिली है। सूर्यकुमार ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा, ''मुझे लगता है कि स्कूल और कॉलेज में मैंने जो प्रतिशत हासिल करने की कोशिश की वह अब मुझे क्रिकेट में मिल रही है। उन्होंने कहा, ''वहां (स्कूल या कॉलेज में) मैं कभी 50-60 प्रतिशत का आंकड़ा पार नहीं कर पाया। लेकिन यह (जीत की दर 80 प्रतिशत) सुनकर वास्तव में बहुत अच्छा लग रहा है। मैं वैसे आंकड़ों पर बहुत ज्यादा गौर नहीं करता हूं लेकिन किसी को भी किसी भी खेल में हारना पसंद नहीं होता और मुझे भी जीतना पसंद है। सूर्यकुमार के पिता अशोक कुमार यादव भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) में इलेक्ट्रिकल इंजीनियर थे। लेकिन सूर्यकुमार का कभी पढ़ाई लिखाई में मन नहीं लगा और उनके परिवार ने क्रिकेट में उनके सपनों को साकार करने के लिए पूरा सहयोग दिया। उन्होंने कहा, ''मेरे परिवार ने मुझे पढ़ाई में अच्छा करने के लिए बहुत प्रेरित किया लेकिन कुछ समय बाद ही उन्हें समझ में आ गया कि इस लड़के को पढ़ाई में कोई दिलचस्पी नहीं है। यह लड़का उनके हाथ नहीं आएगा। सूर्यकुमार ने कहा, ''लेकिन उन्होंने खेल में मेरा हमेशा समर्थन किया क्योंकि उन्होंने पाया कि इसमें मुझे पूरा आनंद आ रहा है और मुझे खेलना पसंद है। इसलिए उन्होंने कहा, 'ठीक है, जाओ खेलो। अगर कुछ हासिल नहीं होता है तो फिर ख्याल रखने के लिए हम तो हैं ही। हमेशा मुस्कुराते रहने वाले इस दिग्गज बल्लेबाज ने हालांकि ऐसी नौबत नहीं आने दी जिससे कि उन्हें 'प्लान बी' का सहारा लेना पड़े।

निर्णायक मोड़: पत्नी के सीधे सरल सवाल ने बदल दिया सूर्यकुमार का करियर

एजेंसी

नयी दिल्ली। उनकी पत्नी के सीधे सरल सवाल ने ही उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत करने को प्रेरित किया और अब जबकि सूर्यकुमार यादव विश्व कप विजेता कप्तान बन चुके हैं, तो वे अपनी 'बेहद निश्छल' पत्नी देविशा की जितनी भी प्रशंसा करें वह कम है क्योंकि उन्होंने ही उन्हें इस मुकाम पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। यह साल 2018 की बात है जब देविशा ने सूर्यकुमार से एक सरल सवाल पूछा, ''अगर आप भारत के लिए खेलना चाहते हैं, तो आपकी क्या योजना है? उस 'बेहद सादगीपूर्ण बातचीत'' के आठ साल बाद सूर्यकुमार की अगुवाई में भारत ने टी20 विश्व कप में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। सूर्यकुमार ने एक पॉडकास्ट साक्षात्कार के दौरान उस बातचीत को याद करते हुए कहा, ''हमारी शादी 2016 में हुई थी जब मैं केकेआर के लिए खेल रहा था। सब कुछ बहुत सहजता से आगे बढ़ रहा था। मैं अच्छा खेल रहा था, खेल का आनंद ले रहा था। जब मैं 2018 में मुंबई इंडियंस में शामिल हुआ तो वह तब तक के मेरे सफर और दिनचर्या को देखती रही। मुझे लगता है कि इसके बाद हमने चीजों को थोड़ा अलग तरीके से करना शुरू कर दिया था। उन्होंने कहा, ''उसने (सूर्यकुमार की पत्नी) मुझसे कहा कि आपके साथ आयु वर्ग में खेलने वाले सभी खिलाड़ी अब भारत के लिए खेल रहे हैं। आपके मन में क्या है? मैंने कहा, 'मुझे भी भारत के लिए खेलना है।' उसने पूछा, 'कैसे खेलोगे?'। इस 35 वर्षीय खिलाड़ी ने अपनी पत्नी के साथ उनके करियर को

बदलने वाली बातचीत के बारे में कहा, ''वह संक्षिप्त सी बातचीत थी। वह किसी तरह की बहस नहीं बल्कि संक्षिप्त चर्चा थी। लेकिन निश्चित तौर पर यह इस बारे में चर्चा थी कि आप अपने लक्ष्य की ओर एक कदम आगे कैसे बढ़ा सकते हैं। अगर मैं भारत के लिए खेलना चाहता हूं और भारत को जीत दिलाना चाहता हूं, तो मैं यह कैसे कर सकता हूं? एक बार जब अंतिम लक्ष्य हासिल करने की दिशा में अतिरिक्त प्रयास करने का फैसला कर लिया गया तो उनकी जिंदगी में कुछ चुनौतियां भी सामने आई लेकिन सूर्यकुमार और देविशा ने एक जोड़े के रूप में उस रास्ते पर चलना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, ''हमें कई चीजों में कटौती करनी पड़ी। इनमें खान-पान से लेकर सप्ताहांत में दोस्तों से मिलना, शनिवार-रविवार को आराम, सोमवार से शुक्रवार तक के कार्यक्रम शामिल थे। हमने इस तरह से शुरुआत की और 2018 में आईपीएल में मेरा प्रदर्शन (512 रन) बहुत अच्छा रहा तथा मैंने घरेलू क्रिकेट में भी अच्छा प्रदर्शन किया।''

संक्षिप्त समाचार

विश्व कप से पहले मैत्री मैचों के लिए नेमार ब्राजील की फुटबॉल टीम से बाहर

रियो डी जनेरियो। स्टार स्ट्राइकर नेमार को इस महीने अमेरिका में होने वाले मैत्री मैचों के लिए ब्राजील की फुटबॉल टीम में नहीं चुना गया है जिससे उनके विश्व कप में खेलने को लेकर संदेह पैदा हो गया है। ब्राजील के पूर्व कप्तान 34 वर्षीय नेमार अक्टूबर 2023 में चोटिल होने के बाद से पूर्ण फिटनेस हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ब्राजील 26 मार्च को बोस्टन में फ्रांस के खिलाफ और चार दिन बाद ऑरलैंडो में क्रोएशिया के खिलाफ मैत्री मैच खेलेगा। ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी ने सोमवार को कहा, ''यह एक ऐसी टीम है जिसमें उन खिलाड़ियों को शामिल किया गया है जो पूरी तरह से फिट हैं। ब्राजीली लीग में सैंटोस और कोरिनथियंस के बीच 1-1 से ड्रॉ रहे मैच में नेमार का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। नेमार ने साओ पाउलो में एक कार्यक्रम में मीडिया से कहा कि दो मैत्री मैचों के लिए ब्राजील की टीम में शामिल न होने से वह ''दुखी और निराश'' हैं लेकिन उन्हें अभी उम्मीद है कि वह विश्व कप के लिए टीम में जगह बनाने में सफल रहेंगे। उन्होंने कहा, ''मेरा पूरा ध्यान हर अभ्यास सत्र और हर मैच में अच्छा प्रदर्शन करने पर है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम अपना लक्ष्य हासिल करेंगे। अभी अंतिम टीम का चयन होना बाकी है।' विश्व कप टीम की घोषणा 18 मई को की जाएगी। टीम का आखिरी अभ्यास मैच 31 मई को रियो डी जनेरियो में पनामा के खिलाफ होगा।

केकेआर को बड़ा झटका: घुटने की चोट के कारण आईपीएल के अधिकतर मैचों से बाहर रहेंगे हर्षित राणा

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज गेंदबाज हर्षित राणा पिछले महीने हुई घुटने की सर्जरी से उबर रहे हैं और वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अधिकतर मैचों से बाहर रह सकते हैं। 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' की एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभी तक उनकी वापसी के लिए कोई समयसीमा तय नहीं की है। राणा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के टी20 विश्व कप के अभ्यास मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। वह अभी 'रिहैबिलिटेशन' से गुजर रहे हैं और बीसीसीआई की चिकित्सा टीम ने उनकी वापसी के लिए कोई निश्चित तारीख तय नहीं की है। उस अभ्यास मैच में एक ओवर फेंकने के बाद राणा को चोट लग गई थी। उन्हें इसके लिए सर्जरी करानी पड़ी जिससे वह टी20 विश्व कप में नहीं खेल पाए थे। उनकी जगह मोहम्मद सिराज को टीम में शामिल किया गया, जिन्होंने इस टूर्नामेंट का केवल एक मैच (अमेरिका के खिलाफ) खेला था। राणा ने रविवार को बीसीसीआई नमन पुरस्कार समारोह में सर्वश्रेष्ठ उदीयमान अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल किया था। राणा की अनुपस्थिति तीन बार की आईपीएल चैंपियन केकेआर के लिए एक बड़ा झटका साबित होगी, जो पहले से ही कई खिलाड़ियों की फिटनेस संबंधी समस्याओं से जूझ रही है। श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना टी20 विश्व कप के दौरान लगी पिंडली की चोट से उबर रहे हैं, जिससे उनका आईपीएल के शुरुआती मैचों में खेलना संदिग्ध है। भारत और बांग्लादेश के बीच इस साल की शुरुआत में तनावपूर्ण भू-राजनीतिक संबंधों के मद्देनजर बीसीसीआई ने बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर करने का निर्देश दिया जिससे केकेआर को इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज की सेवाएं नहीं मिल पाएंगी। फ्रेंचाइजी ने उनके स्थान पर जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को अनुबंधित किया है। मुजरबानी ने आईपीएल में खेलने के लिए पाकिस्तान सुपर लीग के साथ अपना अनुबंध समाप्त कर दिया था जहां वह इस्लामाबाद यूनाइटेड के लिए खेलने वाले थे। केकेआर की टीम बुधवार से अपना अभ्यास सत्र शुरू करेगी। उसका पहला मैच 29 मार्च को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुंबई में होगा।

कल्पतरु प्रोजेक्ट्स को 2,471 करोड़ रुपये के नए ठेके मिले

नयी दिल्ली। बुनियादी ढांचा क्षेत्र से जुड़ी कंपनी कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड (केपीआईएल) को करीब 2,471 करोड़ रुपये के नए ठेके मिले हैं। कंपनी बयान के अनुसार, इन ठेकों में देश में एक भूमिगत मेट्रो रेल परियोजना भी शामिल है जिसे संयुक्त उद्यम/संघ के माध्यम से हासिल किया गया है। इसके अलावा कंपनी को विद्युत पारेषण एवं वितरण (टीएंडडी) क्षेत्र में देश एवं विदेश दोनों बाजारों से परियोजनाएं मिली हैं। साथ ही भारत में भवन व कारखाना (बीएंडएफ) क्षेत्र में भी ठेके मिले हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मनीष मोहनोत ने कहा,'' इन ठकों से हमारी ऑर्डर बुक और मजबूत हुई है जो विद्युत पारेषण एवं वितरण, शहरी अवसंरचना और भवन व कारखाना व्यवसाय में तेजी को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक कंपनी को करीब 22,000 करोड़ रुपये के ठके मिल चुके हैं।

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन आमंत्रित किया जाता है।

एडमिन यूनिट/जोन:	Lucknow-NR-Division-Commercial/ Northern Railway
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	Ctg-PYGS-2026
कार्य का विवरण:	Allotment of catering Stall at PYGS station of Lucknow Division, Northern Railway for the period of 05 years.
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	12-03-2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	28-03-2026 at 10:00 hrs.
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	28-03-2026 at 10:30 hrs.
वेबसाइट विवरण जहां पंजीकृत बोलिदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

Details of catering stalls to be auctioned are as under :-

SN	Station	Lot No.	Stall ID	Close Date/ Time	Quota	Sub Quota
1	PRAYAGRAJ SANGAM	Catg-LKO-PYGS-SMU-42-24-1	PYGS/ PF-1/ 104/NEW	28-03-2026 at 10:30 hrs	SMU	SC

891/2026 कृते वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, लखनऊ

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

टेस्ट क्रिकेट मेरा पसंदीदा प्रारूप, महिलाओं के लिए अधिक टेस्ट मैच होने चाहिये : प्रतिका

एजेंसी

नयी दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के हालिया दौरे पर टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण पर अर्धशतक लगाने वाली भारतीय बल्लेबाज प्रतिका रावल ने महिलाओं के लिए अधिक टेस्ट मैच कराने की वकालत करते हुए इसे अपना पसंदीदा प्रारूप बताया है। प्रतिका ने इस महीने की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेले गए दिन-रात्रि टेस्ट की दूसरी पारी में 63 रन बनाकर भारत को पारी की हार से बचाने में अहम भूमिका निभाई थी। दिल्ली खेल पत्रकार संघ (डीएसजेए) की मेजबानी में आयोजित भारतीय खेल पत्रकार संघ (एसजेएफआई) के सम्मेलन से इतर प्रतिका ने 'भाषा' के सवाल पर कहा, ल्लटेस्ट क्रिकेट सबसे खूबसूरत प्रारूप है। बचपन से मेरे पिता और कोच कहते थे कि इस प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन करना बहुत जरूरी है। जब आपको उसी तरह तैयार किया जाता है तो स्वाभाविक रूप से यह आपका पसंदीदा प्रारूप बन जाता है। उन्होंने बताया कि उन्होंने विवियन रिचर्ड्स, सचिन तेंदुलकर, ब्रायन लारा और रिकी पोंटिंग जैसे महान खिलाड़ियों के टेस्ट मैचों के वीडियो देखकर खुद को इस प्रारूप के लिए तैयार किया है। प्रतिका ने कहा, मैंने इन महान बल्लेबाजों के कई वीडियो देखे हैं। टेस्ट क्रिकेट में जिस तरह वे खेलते थे, वह हमेशा प्रेरित करता रहा है। महिला टेस्ट मैचों की संख्या बढ़ाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि जितने अधिक टेस्ट मैच होंगे, उतना बेहतर होगा। उनके अनुसार टेस्ट क्रिकेट खेलने का अनुभव खिलाड़ी को न केवल बेहतर बनाता है, बल्कि एक व्यक्ति के रूप में भी उसे परिपक्व करता है। एसजेएफआई के इस चार दिवसीय स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय सम्मेलन

के समापन अवसर पर अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित पुरस्कार समारोह में दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने प्रतिका को 51 लाख रुपये की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया। वहीं विश्व कप विजेता भारतीय अंडर-19 पुरुष टीम के सदस्य उद्धव मोहन को 11 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। पच्चीस साल की दाएं हाथ की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज प्रतिका ने कहा कि खिलाड़ियों को मिलने वाली पहचान उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने कहा, मैं बेहद खुश हूं। खिलाड़ियों को समय-समय पर इस तरह की पहचान मिलना वास्तव में शानदार है। मैंने दिल्ली से काफी क्रिकेट खेला है और यहां आकर रोहन सर से पुरस्कार प्राप्त करना मेरे लिए गर्व का क्षण है। पिछले साल महिला विश्व कप में चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर होने से पहले प्रतिका ने सात मैचों की छह पारियों में एक शतक की मदद से 308 रन बनाए थे और वह टूर्नामेंट की सर्वोच्च स्कोररों की सूची में चौथे स्थान पर थीं। भारत के लिए 27 वनडे में दो शतक और आठ अर्धशतक की मदद से 1189 रन बनाने वाली प्रतिका ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के वार्षिक पुरस्कार समारोह 'नमन पुरस्कार 2026' को भी खास अनुभव बताया। उन्होंने कहा, ल्लयह बीसीसीआई के साथ मेरा पहला पुरस्कार था और पूरी शाम बेहद शानदार रही।

ओलंपिक 2028 में चार दिन पहले शुरू हो जाएंगे फुटबॉल के मैच

लॉस एंजिलिस। लॉस एंजिलिस में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में पुरुषों और महिलाओं के फुटबॉल मैच उद्घाटन समारोह से चार दिन पहले शुरू होंगे और इन्हें अमेरिका के सात शहरों में आयोजित किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने जो कार्यक्रम तैयार किया है उसके अनुसार शुरुआत से ही टीमों को पिछले ओलंपिक की तुलना में विश्राम के लिए दो अतिरिक्त दिवस मिलेंगे।

ओलंपिक में फुटबॉल के मैच 10 जुलाई से शुरू होंगे। इसके ग्रुप चरण और क्वार्टर फाइनल के मैच न्यूयॉर्क, कोलंबस, ओहियो, नैशविले, टेनेसी और सेंट लुई में खेले जाएंगे। नॉकआउट राउंड के बाकी मैच कैलिफोर्निया के सैन जोस, सैन डिएगो और पासाडेना में होंगे। स्वर्ण पदक के लिए होने वाला मैच रोज़ बाउल स्टेडियम में खेला जाएगा।

देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में गिरावट का रुख, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज पहले सत्र के कारोबार के दौरान गिरावट का रुख नजर आ रहा है। मंगलवार को कारोबार की शुरुआत में ही हाजिर सोने के भाव में 2,050 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,240 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई। इसी तरह चांदी भी आज पांच हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,57,410 रुपये से लेकर 1,57,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,44,290 रुपये से लेकर 1,44,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,69,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,57,560 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,44,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,57,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,57,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,44,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,57,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,44,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,57,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,57,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,44,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,57,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,44,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,57,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,44,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,57,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ट्रंप और अमेरिकी अधिकारियों को प्रमुख प्रतियोगिताओं में भाग लेने से रोक सकता है वाडा

एजेंसी

न्यूयॉर्क। यह सुनने में भले अजीब सा लगे लेकिन विश्व डोपिंग विरोधी एजेंसी (वाडा) एक ऐसा नियम लागू करने पर विचार कर रही है जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और सभी अमेरिकी सरकारी अधिकारियों को प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने से रोक सकता है, भले ही उनका आयोजन अमेरिकी धरती पर ही क्यों न हो। अमेरिका में अगले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होना है। इनमें इस साल होने वाला फुटबॉल विश्व कप, 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेल और 2034 में यूटा में होने वाले शीतकालीन खेल भी शामिल हैं। यह लड़ाई ट्रंप की मर्जी से नहीं लड़ी जा रही है, बल्कि खुद वाडा इसमें अहम भूमिका निभा रहा है जो पिछले एक दशक में अधिकतर समय ट्रंप और बाइडेन प्रशासन तथा अमेरिका की डोपिंग रोधी एजेंसी के रवैए से खुश नहीं है। यह प्रस्ताव मंगलवार को वाडा की कार्यकारी समिति की बैठक के एजेंडे में शामिल है जो इन सभी पक्षों के बीच वर्षों से चल रही बयानबाजी, चेतावनी और संघर्ष में नवीनतम और सबसे चरम कदम है। इसका मूल आधार अमेरिकी सरकार का वाडा के वार्षिक शुल्क का भुगतान नहीं करना है। अमेरिका ने 2024 और 2025 के दौरान वाडा के कई मामलों से निपटने के तरीके के विरोध में कुल 73 लाख डॉलर का भुगतान रोक रखा है। इनमें सबसे ताजा मामला चीनी तैराकों से जुड़ा है जिन्हें प्रतिबंधित पदार्थ के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बावजूद प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति दी गई थी। वाडा ने चीन की संबंधित संस्थाओं की इस बात पर भरोसा किया कि खिलाड़ियों ने गलती से यह पदार्थ ले लिए थे। वाडा के प्रवक्ता जेम्स फिट्जगेराल्ड ने कहा कि यदि यह नियम पारित हो जाता है, तो इसे ''पूर्वव्यापी रूप से लागू नहीं किया जाएगा, इसलिए विश्व कप, लॉस एंजिलिस ओलंपिक और साउथ कैरोलिना में होने वाले शीतकालीन खेल इसके दायरे में नहीं आएंगे।

कास्पर्स्की भारत में निवेश दोगुना करेगी देश को क्षेत्रीय केंद्र बनाने की योजना

नयी दिल्ली। वैश्विक साइबर सुरक्षा कंपनी कास्पर्स्की ने भारत में अपने निवेश को दोगुना करने की योजना बनाई है। कंपनी का कहना है कि मजबूत वित्तीय प्रदर्शन के बाद वह भारत को क्षेत्रीय सेवाओं के केंद्र (हब) के रूप में विकसित करने पर विचार कर रही है। कास्पर्स्की के एशिया-प्रशांत क्षेत्र के प्रबंध निदेशक एड्रियन हिया ने साक्षात्कार में बताया कि कंपनी भारत में विपणन, व्यापार विकास और 'क्लाउड ऑपरेशन' को स्थापित करने की योजना बना रही है, ताकि स्थानीय एवं क्षेत्रीय ग्राहकों को सेवाएं दी जा सकें। उन्होंने कहा कि 2024 में मजबूत दो अंकों की वृद्धि के बाद 2025 के वित्त परिणाम (जो अप्रैल में जारी होंगे) और भी बेहतर रहने की उम्मीद है। हिया ने कहा, '' हम न केवल कर्मचारियों एवं कार्यालयों में निवेश बढ़ाएंगे बल्कि भारत को क्षेत्रीय स्तर पर विपणन, व्यापार विकास और क्लाउड सेवाओं का केंद्र बनाने पर भी काम कर रहे हैं। उन्होंने साथ ही संकेत दिया कि यदि भारत में क्षेत्रीय ग्राहकों के लिए डेटा सेंटर स्थापित किया जाता है तो भर्ती में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। साइबर खतरों को लेकर हिया ने आगाह किया कि 2026 में साइबर हमले और बढ़ सकते हैं। 2025 में भारत में कंपनी ने 4.7 करोड़ से अधिक वेब-आधारित खतरों को रोका था। उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) उपकरण की आसान उपलब्धता के कारण 'डीपफ़ेक' जैसे खतरे तेजी से बढ़ रहे हैं और अब '' एआई से लड़ने के लिए एआई का उपयोग'' करना जरूरी हो गया है। हिया ने भारतीय सरकार की डेटा वर्गीकरण (टियरिंग) रणनीति की सराहना की, हालांकि यह भी कहा कि स्थानीय स्तर पर विकसित बड़े भाषा मॉडल (एलएलएम) के साथ साइबर सुरक्षा की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है।

भारत मजबूत प्रौद्योगिकी साझेदार के रूप में उभरा है : नैसकॉम अध्यक्ष

एजेंसी

नयी दिल्ली। नैसकॉम के अध्यक्ष राजेश नांबियार ने मंगलवार को कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं एवं खंडित आपूर्ति शृंखलाओं के कारण वैश्विक कंपनियां अब केवल लागत दक्षता के बजाय भरोसे तथा मजबूती को प्राथमिकता दे रही हैं जिससे भारत एक मजबूत प्रौद्योगिकी साझेदार के रूप में उभर रहा है। 'नैसकॉम ग्लोबल कॉन्फ्लुएंस 2026' में नांबियार ने कहा कि निर्यात पर काफी हद तक निर्भर प्रौद्योगिकी उद्योग असाधारण बदलाव के दौर से गुजर रहा है और वैश्विक मूल्य शृंखलाओं के पुनर्गठन ने देशों एवं कंपनियों के प्रौद्योगिकी साझेदारी के तरीके को मूल रूप से बदल दिया है। उन्होंने कहा, '' पहले सभी केवल लागत एवं दक्षता को ही प्राथमिकता देते थे३ अब वह दौर खत्म हो चुका है। दक्षता महत्वपूर्ण है

लेकिन यह निर्णायक कारक नहीं है। मजबूती अब कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। इन सभी प्राथमिकताओं के बीच भारत एक उपयुक्त स्थिति में है जो इसे कारोबार के लिए एक बेहद सक्षम देश बनाता है। नांबियार ने कहा कि दुनिया भर के देश और कंपनियां अब यह मूल प्रश्न पूछ रही हैं कि उनका भरोसेमंद साझेदार कौन होगा और किस देश के साथ वे दीर्घकालिक साझेदारी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत एक ''विश्वसनीय लोकतंत्र'' होने के साथ-साथ अपने विशाल आकार और विविध जनसंख्या के कारण नवाचार के लिए एक जीवंत प्रयोगशाला भी है। भारत की ताकत का एक प्रमुख आधार उसका डिजिटल प्रतिभा भंडार है, जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में लगभग 60 लाख पेशेवर और व्यापक उद्योग में अतिरिक्त 30-40 लाख लोग शामिल हैं। यह परिवेश अब कृत्रिम मेधा (एआई), मशीन लर्निंग, सेमीकंडक्टर, उत्पाद अभियांत्रिकी एवं साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में विकसित हो रहा है। नांबियार ने भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) की वैश्विक संभावनाओं पर भी जोर दिया। उन्होंने आधार एवं यूपीआई (एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस) जैसे मंचों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनके मूल सिद्धांत जैसे उपयोगकर्ता की सहमति, गोपनीयता, विस्तार क्षमता एवं परस्पर संचालन..दुनिया के लिए उपयोगी मॉडल बन सकते हैं।

बच्चों को पोषण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलना जरूरी : राष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि देश के भविष्य हमारे बच्चे हैं और उन्हें पौष्टिक भोजन तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने मंगलवार को अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा पांच अरब भोजन परोसने की उपलब्धि के उपलक्ष्य में राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने गर्भवती महिलाओं और बच्चों को बेहतर पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए कई महत्वपूर्ण पहलें शुरू की हैं। पीएम पोषण के तहत चल रहा स्कूल मध्याह्न भोजन कार्यक्रम अभिभावकों के लिए बच्चों को स्कूल भेजने का एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन साबित हुआ है। कई अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि इस योजना से बच्चों के नामांकन, उपस्थिति और स्कूल में टिके रहने की दर में वृद्धि हुई है, साथ ही उनकी सीखने की क्षमता और शैक्षणिक प्रदर्शन में भी सुधार हुआ है।

राष्ट्रपति ने कहा कि अक्षय पात्र फाउंडेशन 'समग्र शिक्षा अभियान' के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक सभी बच्चों को समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। उन्होंने पांच अरब भोजन उपलब्ध कराने की उपलब्धि को सराहनीय बताते हुए कहा कि कार्यक्रम की थीम 'पोषित और शिक्षित भारत से विकसित भारत' हमारे राष्ट्रीय संकल्प 'विकसित भारत 2047' को साकार करने में पोषण और शिक्षा की अहम भूमिका को दर्शाती है। राष्ट्रपति ने कहा कि बच्चों का सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के सभी वर्गों की साझा जिम्मेदारी है। जब शिक्षक, अभिभावक, सामाजिक संगठन, कॉरपोरेट क्षेत्र और समाज के सभी लोग मिलकर कार्य करते हैं, तभी आने वाली पीढ़ी के लिए मजबूत नींव तैयार होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के जीवन में अवसरों का निर्धारण करती है और उसे सशक्त बनाती है। स्कूल बच्चों को जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक कौशल और अनुभव प्रदान करता है। राष्ट्रपति ने पिछले 25 वर्षों से बच्चों में कुपोषण दूर करने और उन्हें शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने के कार्य में जुटे अक्षय पात्र फाउंडेशन की सराहना की। उन्होंने कहा कि बच्चे केवल इस योजना के लाभार्थी नहीं हैं, बल्कि देश के उज्ज्वल भविष्य के निर्माता हैं। आज उन्हें मिलने वाला पौष्टिक भोजन देश की मानव पूंजी में निवेश है, जो वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्कॉन के संस्थापक-आचार्य श्रील प्रभुपाद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी प्रेरणा से यह निःस्वार्थ खाद्य वितरण पहल शुरू हुई और आज एक जनआंदोलन का रूप ले चुकी है। 25 वर्षों की यह यात्रा आसान नहीं रही। आज इस जनआंदोलन के सबसे बड़े लाभार्थियों में से एक भारत का शिक्षा क्षेत्र है। 16 राज्यों और 25 हजार से अधिक स्कूलों में आप प्रतिदिन 23.5 लाख बच्चों को पौष्टिक भोजन प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक हमारे बच्चे और युवा सुपोषित नहीं होंगे, तब तक भारत अपनी पूर्ण क्षमता को प्राप्त नहीं कर सकता। आज भारत का विकास केवल उसकी भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक दक्षिण और मानवता के कल्याण के प्रति भी उसकी जिम्मेदारी है। यही 'वसुधैव कुटुंबकम' की हमारी भावना का सार है। अक्षय पात्र फाउंडेशन पीएम पोषण योजना के एक महत्वपूर्ण कार्यान्वयन भागीदार के रूप में उभरा है। गुणवत्ता, स्वच्छता और नवाचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के माध्यम से इसने इस मिशन को और सशक्त बनाया है। यह साझेदारी इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि सरकार, समाज और संस्थाएं मिलकर देश की जटिल चुनौतियों का समाधान कैसे कर सकती हैं। देश के हर बच्चे तक पौष्टिक भोजन पहुंचाना केवल सेवा नहीं, बल्कि भविष्य के प्रति हमारा संकल्प है। यह देश के युवाओं के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश का हर बच्चा सुपोषित होगा और हर बच्चा स्कूल में बना रहेगा। अक्षय पात्र के संस्थापक-चेयरमैन और इस्कॉन बेंगलुरु के अध्यक्ष मधु पंडित दास ने कहा कि जब हम मानवता की सेवा के 25 वर्ष और 5 अरब भोजन परोसने की उपलब्धि का उत्सव मना रहे हैं।

भाजपा का विरोध करते करते कांग्रेस भारत के खिलाफ खड़ी नजर आ रही है: संबित पात्रा

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता संबित पात्रा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुये कहा है कि कांग्रेस आज भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरोध में बोलते-बोलते भारत के खिलाफ खड़ी नजर आ रही है।

श्री पात्रा ने मंगलवार को संसद परिसर में पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि अमेरिका की संस्था यूनाइटेड स्टेट कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलिजियस फ्रीडम (यूएससीआईआरएफ) ने मार्च 2026 की रिपोर्ट में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस)और देश की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनलेसिस विंग (रॉ) पर प्रतिबंध लगाने की बात कही है।

श्री पात्रा ने कहा कि इस रिपोर्ट पर भारत सरकार की तरफ से विदेश मंत्रालय ने अपने स्पष्ट जवाब में कहा है कि यह अमेरिकी आयोग सब्जेक्टिव (व्यक्तिनिष्ठ) तरीके से काम करता है और इसके स्रोत विश्वसनीय नहीं हैं। श्री पात्रा ने कहा कि इस रिपोर्ट में न तो वस्तुनिष्ठता है और न ही तथ्यात्मक आधार, जिस कारण भारत सरकार ने इसे पूरी तरह खारिज कर दिया है। श्री पात्रा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल ने इस रिपोर्ट का समर्थन किया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस पार्टी और उसके नेता राहुल गांधी भारत को बदनाम करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि 'रॉ' जैसी महत्वपूर्ण भारतीय एजेंसी के खिलाफ किसी विदेशी आयोग को टिप्पणी करने या प्रतिबंध की मांग करने का अधिकार नहीं है।

इसके बावजूद कांग्रेस ऐसे बयानों के समर्थन में खड़ी दिखाई दे रही है। श्री पात्रा ने कहा कि इस आयोग में पाकिस्तानी मूल के अमेरिकी नागरिक डॉ. आसिफ मोहम्मद वाइस चेयर (उपाध्यक्ष) और कमिश्नर (आयुक्त) के रूप में शामिल हैं और आयोग की बैठकों में उनकी भूमिका रहती है। उन्होंने आरोप लगाते हुये कहा कि ऐसे लोगों के प्रभाव में भारत के खिलाफ इस तरह की रिपोर्ट तैयार की जाती है। श्री पात्रा ने कहा कि श्री राहुल गांधी जब विदेश जाते हैं तो कई बार भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले बयान देते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके नेता विदेशों में भारत की छवि को धूमिल करने का प्रयास करते हैं। श्री पात्रा ने कहा कि यह अत्यंत दुखद है कि भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के विरोध में बोलते-बोलते कांग्रेस आज भारत के खिलाफ खड़ी नजर आ रही है।

रेलवे आम आदमी के सुविधाजनक सफर पर भी पर्याप्त ध्यान दे: विपक्ष

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोक सभा में विपक्ष ने आम आदमी के लिए ज्यादा ट्रेनें चलाने और सफर में उन्हें पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है।

तृणमूल कांग्रेस की शताब्दी राय ने रेलवे की वर्ष 2026-27 की अनुदान मांगों पर जारी चर्चा में शामिल होते हुए मंगलवार को कहा कि मजदूरों और आम आदमियों के लिए ट्रेनें चलायी जानी चाहिए और उन्हें सफर के दौरान कोई असुविधा न हो इसका ख्याल रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि तत्काल टिकट लेने वाले निचली बर्थ आरक्षित करा लेते हैं जबकि पहले से आरक्षण कराने में बुजुर्गों को ऊपर की बर्थ मिलती है। पैसे वाले लोग सुविधाजनक सफर करते हैं जबकि आम आदमी को सफर में दुश्वारियां पेश आती हैं।

सुश्री राय ने कहा कि बुजुर्गों के लिए निचली बर्थ ही आरक्षित किये जाने के प्रावधान किये जाने चाहिए। अस्सी वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए भी ऊपरी बर्थ आरक्षित कर दी जाती है। इससे उन्हें बड़ी परेशानी होती है। ऊपर की बर्थ पर चढ़ने के दौरान उनके गिर कर घायल होने की भी खबरें आयी हैं। इसी के साथ उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों को किराये में रियायत फिर शुरू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि ट्रेनों में स्थानीय वेंडर खाने की आपूर्ति कर रहे हैं, जिसकी गुणवत्ता ठीक नहीं होती और स्वच्छता का भी ध्यान नहीं रखा जा रहा है। सुश्री राय ने कहा कि आरक्षण के लिए प्रतीक्षा सूची में शामिल टिकट रद्द कराने पर भी रेलवे पैसे काट रहा है, जो कतई उचित नहीं है। लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास पासवान) के अरुण भारती ने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में रेलवे ने अभूतपूर्व कार्य किये हैं। रेलवे अंडरब्रिज और रेलवे ओवरब्रिज रिकॉर्ड संख्या में बनाये गये हैं।

भ्रष्ट्राचार समाप्त किया गया है और अब रेल विकास का पर्याय बन चुकी है। कांग्रेस के राजमोहन उन्नीथन ने कहा कि भारतीय रेलवे सिर्फ यातायात का साधन नहीं है, यह देश की जीवनरेखा है। ट्रेनें आम आदमी को जीविका, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके मद्देनजर सरकार को आम आदमियों के लिए ट्रेनें चलाने और सफर में उन्हें सहूलियत हो इस पर पूरा ध्यान देना चाहिए। आधुनिक ट्रेन, बुलेट ट्रेन और बड़े स्टेशनों को लेकर बड़ी-बड़ी बातें तो की जाती हैं, लेकिन आम आदमी के लिए ट्रेन चलाने पर भी गंभीर चर्चा किये जाने की जरूरत है।

निर्यात किया सामान वापस आने पर आयात नहीं माना जाएगा : सरकार

नयी दिल्ली। सरकार ने लोकसभा में स्पष्ट किया है कि ईरान युद्ध की वजह से रास्ता नहीं मिलने के कारण यदि कोई निर्यात किया गया सामान वापस आता है तो अनलोडिंग होने पर उसे घरेलू सामान के रूप में ही माना जाएगा और आयात नहीं माना जायेगा। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल तथा राज्य मंत्री जतिन प्रसाद ने लोकसभा में मंगलवार को एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि वैश्विक माहौल में जो सामान निर्यात हो रहा है उसे निर्धारित जगह पर पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है और यदि किसी स्थिति से सामान वापस आता है, रास्ता बंद होने के कारण आगे नहीं जा पा रहा है तो उसकी अनलोडिंग होने पर उसे घरेलू सामान माना जाएगा और उसे आयत के सामान के रूप में नहीं देखा जाएगा। उन्होंने कहा कि इन स्थितियों से निपटने के लिए अंतर मंत्रालय समिति का भी गठन किया गया है। समिति में इस तरह के मामले आते हैं या नये माहौल में जो भी नए प्रश्न खड़े होते हैं समिति के जरिए उनके समाधान का प्रयास किया जाता है।

राज्यसभा में सभापति ने भी पूछा वित्त मंत्री से 'सवाल'

एजेंसी

नयी दिल्ली। राज्यसभा में मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से एक 'सवाल' पूछा जिस पर मंत्री ने कहा कि वह इसे सुझाव के रूप में लेती हैं और देखेंगी कि क्या किया जा सकता है।

दरअसल, सदन में श्रीमती सीतारमण, जिनके पास कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की भी जिम्मेदारी है, कंपनियों की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) से जुड़े पूरक प्रश्नों के उत्तर दे रही थीं। बिहार में कंपनियों के कम खर्च के बारे में पूछे जाने पर वित्त मंत्री ने कहा कि सीएसआर का पैसा कहां खर्च करना है यह कंपनी का निदेशकमंडल तय करता है। इस विषय में सरकार हद से हद अनुरोध मात्र कर सकती है और ''वह भी कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है''।

इस पर सभापति ने कहा, ''क्या आप नियमों में कुछ बदलाव कर सकती हैं? जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को एमएसएमई को ऋण देने के लिए दिशा-निर्देश दिये जाते हैं, उसी तरह क्या सीएसआर के लिए भी कुछ नियम बनाये जा सकते हैं ताकि पिछड़े राज्यों को लाभ मिल सके? इस पर वित्त मंत्री ने कहा, ''आपने सभापति के रूप में यह बात कही है। मैं इसे एक सुझाव के रूप में लेती हूं और देखूंगी कि क्या बेहतर किया जा सकता है। इससे पहले श्रीमती सीतारमण ने सदन के बताया था कि हर कंपनी को अपने मुनाफ़े का दो प्रतिशत सामाजिक कार्यों पर खर्च करना होता है। देश के किसी भी हिस्से में कितना खर्च करना है, यह पूरी तरह कंपनी के निदेशकमंडल का निर्णय होता है। इसमें सरकार हस्तक्षेप नहीं कर सकती। उन्होंने बताया कि कंपनी अधिनियम की धारा 135 में स्पष्ट कहा गया है कि कंपनियां अपने कार्यक्षेत्र के आसपास के क्षेत्रों को प्राथमिकता दें। यदि सीएसआर राशि खर्च नहीं होती तो वित्त वर्ष की समाप्ति के 30 दिन के भीतर उसे एक विशेष बैंक खाते में डालना होता है और अगले तीन साल में खर्च करना होता है। यदि फिर भी खर्च नहीं होता, तो उसे सार्वजनिक कोष में जमा करना होता है।

सीएसआर का पैसा अपना ही ट्रस्ट या एनजीओ बनाकर उसे देने के बारे में श्रीमती सीतारमण ने कहा कि इसमें कानूनी रूप से कुछ भी गलत नहीं है। इस पर सरकार निगरानी रखती है।

पेज एक का शेष

काबुल में अस्पताल...

से सैन्य लक्ष्य नहीं माना जा सकता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अब इस नरसंहार को सैन्य अभियान का नाम देने की कोशिश कर रहा है। प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा किया गया यह घृणित आक्रमण अफगानिस्तान की संप्रभुता पर एक स्पष्ट हमला है और क्षेत्रीय शांति तथा स्थिरता के लिए सीधा खतरा है। यह पाकिस्तान के लगातार लापरवाह व्यवहार और अपनी आंतरिक विफलताओं को सीमा पार हिंसा के बढ़ते हिंसक कृत्यों के माध्यम से छिपाने के बार-बार किए जाने वाले प्रयासों को दर्शाता है। बयान में कहा गया है कि यह हमला रमजान के पवित्र महीने के दौरान किया गया, जो दुनिया भर के मुस्लिम समुदायों के लिए शांति, चिंतन और दया का समय होता है, जो इसे और भी निंदनीय बनाता है। ऐसा कोई धर्म, कोई कानून या कोई नैतिकता नहीं है जो किसी अस्पताल और उसके मरीजों को जानबूझकर निशाना बनाने को उचित ठहरा सके। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस आपराधिक कृत्य के दोषियों को जवाबदेह ठहराना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अफगानिस्तान में पाकिस्तान द्वारा नागरिकों को निशाना बनाने का यह अंधाधुंध हमला तत्काल बंद हो। श्री जायसवाल ने कहा कि भारत शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता है, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता है और इस दुखद घड़ी में अफगानिस्तान के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। उन्होंने कहा, '' हम अफगानिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति अपने अटूट समर्थन को भी दोहराते हैं।''

होर्मुज का रास्ता...

जब अमेरिकी नौसेना खुद इतनी ताकतवर है, तो कुछ यूरोपीय जहाज क्या कर लेंगे। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि उनका देश इस बड़े युद्ध में नहीं फंसेगा। उन्होंने माना कि होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलना जरूरी है ताकि तेल बाजार स्थिर रहे, लेकिन यह आसान काम नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी कदम ज्यादा से ज्यादा देशों की सहमति से ही उठाया जाएगा। यूरोपीय देशों ने सैन्य कार्रवाई की बजाय कूटनीति पर जोर दिया है। होर्मुज स्ट्रेट बहुत अहम है क्योंकि यहां से दुनिया के लगभग 20% तेल और गैस की सप्लाई होती है, जो फिलहाल ईरान के कारण प्रभावित हो रही है। इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी ने कहा कि इस संकट का हल बातचीत से ही निकलना चाहिए और उनका देश किसी नौसैनिक मिशन को बढ़ाने के पक्ष में नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि यूरोपीय यूनियन के मौजूदा मिशन सिर्फ समुद्री डकैती रोकने और रक्षा के लिए हैं, उन्हें युद्ध में नहीं बदला जा सकता। ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस और जापान ने भी साफ कर दिया है कि वे अपने युद्धपोत नहीं भेजेंगे। दूसरी ओर, ट्रम्प लगातार अपने सहयोगियों पर दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन देशों को इस समुद्री रास्ते से फायदा होता है, उन्हें इसकी सुरक्षा में हिस्सा लेना चाहिए। ट्रम्प ने खासतौर पर ब्रिटेन से नाराजगी भी जताई, हालांकि उन्हें उम्मीद है कि वह इसमें शामिल होगा। यूरोपीय यूनियन के विदेश मंत्रियों ने भी अपने रेड सी (लाल सागर) मिशन को होर्मुज तक बढ़ाने से इनकार कर दिया। यूरोपीय यूनियन की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलस ने कहा कि फिलहाल मिशन का दायरा बढ़ाने की कोई इच्छा नजर नहीं आती। यूरोपीय देश अमेरिका और इजराइल के युद्ध के मकसद को लेकर भी स्पष्टता चाहते हैं। एस्टोनिया के विदेश मंत्री ने कहा कि उन्हें समझना है कि ट्रम्प की रणनीति क्या है और आगे की योजना क्या होगी। इस बीच इजराइल ने ईरान के कई शहरों जैसे तेहरान, शिराज और तबरीज में बड़े पैमाने पर हमले किए हैं। इजराइल का दावा है कि उसने ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई से जुड़ा एक विमान भी नष्ट कर दिया। इजराइली सेना का कहना है कि ईरान के साथ अगले 3 सप्ताह तक लड़ने के लिए उनकी प्लानिंग तैयार है। सेना के प्रवक्ता नदाव शोशानी ने सोमवार को कहा है कि सेना ने इससे आगे के समय के लिए भी अलग योजनाएं बना रखी है। इजराइली सेना का कहना है कि इस अभियान का मकसद सीमित है। वे ईरान की उन क्षमताओं को कमजोर करना चाहते हैं जिनसे वह इजराइल के लिए खतरा पैदा कर सकता है। इसके तहत ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल ढांचे, परमाणु ठिकानों और सुरक्षा तंत्र को निशाना बनाया जा रहा है। इजराइली सेना का कहना है कि ईरान के अंदर अब भी हजारों ऐसे ठिकाने हैं जिन्हें निशाना बनाया जा सकता है। हालांकि पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि ईरान में अब लगभग कुछ भी निशाना बनाने के लिए नहीं बचा है।

इजरायली हमले ...

का युद्ध के आगामी घटनाक्रम पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। इजरायली मीडिया के अनुसार, सेना ने तेहरान स्थित एक सुरक्षित ठिकाने को निशाना बनाया, जहाँ कथित तौर पर फिलिस्तीनी समूहों से जुड़े लोग मौजूद थे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस ठिकाने पर गाजा और वेस्ट बैंक के चरमपंथी भी मौजूद थे, जिन्हें निशाना बनाया गया है। गौरतलब है कि श्री लारीजानी ईरान की राजनीति और सुरक्षा तंत्र का एक बेहद प्रभावशाली चेहरा थे। वे वर्तमान में ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव के रूप में कार्य कर रहे थे और देश की रणनीतिक नीतियों के निर्धारण में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती थी। इससे पहले वे ईरान की संसद (मजलिस) के अध्यक्ष भी रह चुके थे।

किसी भी उम्र का...

जरूरतों के अनुसार तय होनी चाहिए। बच्चे के शुरुआती विकास में मां और पिता दोनों की भूमिका अहम है। गोद लेने वाली मां को सिर्फ 3 महीने से कम उम्र के बच्चे पर ही छुट्टी देना असंवैधानिक है। अब किसी भी उम्र के बच्चे को गोद लेने वाली महिला को मातृत्व अवकाश मिलेगा। हमसानंदिनी 2021 में सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी

लोक सभा ने आठ...

ऐसा व्यवहार करें, जिससे एक आदर्श प्रस्तुत हो। कोई भी सदस्य मर्यादा न लांघे। समाजवादी पार्टी के धर्मेन्द्र यादव ने कहा, ''हम लोग मर्यादा का उल्लंघन नहीं करेंगे, सत्ता पक्ष भी इसी भावना का परिचय दे। तभी सदन सुचारु रूप से चल पायेगा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की सुप्रिया सुले ने कहा कि नीतियों पर टीका-टिप्पणी की जानी चाहिए, लेकिन व्यक्तिगत तौर पर किसी के लिए कोई टिप्पणी नहीं की जाये। कोई सदस्य लक्ष्मण रेखा पार न करे। ऐसी भावना के साथ सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्य अपना व्यवहार सदन में करेंगे, तो सदन अच्छे से चलेगा। पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह ने कहा कि श्रीमती सुले ने लक्ष्मण रेखा पार न करने की बात कही है। कल बैठक में भी इसी तरह की भावना व्यक्त की गयी थी। सदन में महासचिव और अधिकारियों की मेजों पर कोई नहीं चढ़ेगा। जिस तरह का व्यवहार पिछले दिनों हुआ, ऐसा नहीं होना चाहिए। ताली दोनों हाथों से बजती है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों सदन की गरिमा और मर्यादा का ध्यान रखेंगे, तो सदन की कार्यवाही अच्छे से संचालित की जा सकेगी। श्री बिरला ने कहा कि सभी दलों के नेताओं के साथ बैठक में सदन को सुचारु रूप से चलाने देने में सहयोग देने के प्रति प्रतिबद्धता दर्शायी गयी थी। सदन की गौरवशाली परम्परा का निर्वाह करने के लिए सभी का सहयोग महत्वपूर्ण है। सदन में और संसद परिसर में सदस्य तख्तियां, फर्जी फोटो, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से निर्मित फोटो नहीं लायेंगे। वह पहले भी कहते रहे हैं और अब फिर कह रहे हैं कि इन बातों का सभी सदस्य विशेष ध्यान रखें।

24 घंटे में...

मामले में, मैं कहना चाहूंगी कि स्थिति अभी भी चिंताजनक है। हालांकि, किसी भी एलपीजी वितरक पर कोई कमी नहीं है। रिटेल आउटलेट्स पर किसी प्रकार की कमी नहीं है। पेट्रोल और डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।'' श्रीमती शर्मा ने कहा कि एलपीजी प्रमाणीकरण कोड की डिलीवरी में भी 76 प्रतिशत सुधार हुआ है। वाणिज्यिक एलपीजी आपूर्ति जो शुरुआत में बंद थी, बाद में आंशिक रूप से बहाल कर दी गई। इसके अलावा राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास रखे गए सिलेंडर भी वितरित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, मणिपुर, राजस्थान, उत्तराखंड आदि कई राज्यों ने पहले ही गैर-घरेलू एलपीजी आवंटन आदेश जारी कर दिए हैं। मणिपुर, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक ने भी एसकेओ आवंटन आदेश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि आवश्यक वस्तु अधिनियम और एलपीजी नियंत्रण आदेश के तहत, जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने कई राज्य सरकारों ने कंट्रोल रूम स्थापित कर लिए हैं। कई राज्यों ने जिला स्तर पर निगरानी समितियां भी बना दी हैं। पिछले कुछ दिनों में लगभग 12,000 छापे मारे गए हैं और लगभग 15,000 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। उन्होंने कहा ,'' दिल्ली में लगभग 600 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। इसी तरह, उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ दिनों में लगभग 450 निरीक्षण और छापे मारे गए हैं। 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जम्मू और कश्मीर में 564 छापे, एफआईआर और गिरफ्तारियां हुई हैं। केरल में लगभग 1,000 छापे और निरीक्षण किए गए हैं। घरेलू और वाणिज्यिक सिलेंडर जब्त किए गए हैं। मध्य प्रदेश में लगभग 1,200 छापे मारे गए हैं और लगभग 1,800 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। इसके अलावा, हमारी तेल विपणन कंपनियों की निरीक्षण टीमों को भी सक्रिय किया गया है और लगभग 2,500 रिटेल आउटलेट्स और एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप का आकस्मिक निरीक्षण किया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की, '' वे अफवाहों से दूर रहें, घबराएं नहीं, ऑनलाइन बुकिंग करें और एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी उनके घर पर की जाएगी। घबराहट में बुकिंग करने से बचें। कल लगभग 70 लाख घबराहट में बुकिंग दर्ज की गईं। इसके अलावा, जहां वैकल्पिक ईंधन संभव हैं, चाहे वह पीएनजी हो, इंडक्शन हो या इलेक्ट्रिक कुकटॉप, एलपीजी का उपयोग यथासंभव कम करें। जहां भी संभव हो, संरक्षण करें।''

हर मंडल में ...

डॉक्टरों के साथ नर्सिंग व पैरामेडिकल स्टाफ को नियमित रूप से प्रशिक्षित किया जाए। दवाओं के साथ सहानुभूति की जरूरतडिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि डॉक्टर अपने दायित्वों को समझें। मरीज को परिवार के सदस्य की तरह मानकर इलाज करें। मरीजों को केवल दवाएं ही नहीं, बल्कि सहानुभूति और संवेदनशील व्यवहार भी चाहिए। आयुर्वेद, होम्योपैथिक और एलोपैथिक इलाज के साथ सहानुभूति भी मरीज को जल्दी ठीक होने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि भले ही सभी की जिम्मेदारियां अलग-अलग हों, लेकिन मकसद एक ही है, मरीज की जान बचाना और उसे बेहतर इलाज देना। कार्यक्रम में चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित घोष, नीति आयोग के सदस्य डॉ. बीके पाल, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, केजीएमयू कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद, चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक सारिका मोहन, विशेष सचिव कृतिका सिंह, उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजय कुमार सिंह, स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. पवन कुमार, केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर के सीएमएस डॉ. प्रेम राज, सीएमओ डॉ. एनबी सिंह, डॉ. केके सिंह समेत अन्य डॉक्टर मौजूद रहे।

बढ़ती आस्था के बीच...

डबल इंजन सरकार का फोकस धार्मिक पर्यटन की अपार संभावनाओं को आगे बढ़ाते हुए विकास व रोजगार के अवसर सृजित करना है। पिछले आठ-नौ वर्षों में अयोध्या, काशी, प्रयागराज, चित्रकूट, विंध्याचल, नैमिषारण्य और मथुरा-वृंदावन सहित कई तीर्थस्थलों पर व्यापक विकास कार्य किए गए हैं। साथ ही, यात्रियों द्वारा बताई गई मेडिकल और अन्य सुविधाओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विदेश मंत्रालय के साथ समन्वय कर गाजियाबाद में अतिरिक्त व्यवस्थाएं विकसित करने के प्रयास किए जाएंगे। सरकार का यह भी जोर है कि निर्मित सुविधाओं का बेहतर रखरखाव हो और हमारी धार्मिक-सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण सुनिश्चित किया जाए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भविष्य में धार्मिक यात्राओं को और सुगम बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है, जिसके तहत रामेश्वरम यात्रा को उत्तर प्रदेश के श्रद्धालुओं के लिए आसान बनाने पर भी काम किया जा रहा है, ताकि 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना मजबूत हो। पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार जरूरी है, जिससे अधिक से अधिक लोग इन स्थलों से जुड़ें और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले। प्रयागराज महाकुंभ इसका प्रमुख उदाहरण है, जहां 66 करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन ने आर्थिक गतिविधियों को नई गति दी और देशभर के लोगों को जोड़ा। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं ने प्रदेश की बेहतर सड़कों, सुव्यवस्था, सुरक्षा और सकारात्मक वातावरण की सराहना की। कई श्रद्धालु लंबी दूरी पैदल तय कर संगम पहुंचे और पूरी आस्था के साथ स्नान कर भाव-विभोर होकर लौटे। इस दौरान कुछ लोगों द्वारा भड़काने के प्रयास भी हुए, लेकिन श्रद्धालुओं ने उन्हें नकारते हुए स्पष्ट किया कि उनकी आस्था सर्वोपरि है। यह दर्शाता है कि सच्ची श्रद्धा के साथ व्यक्ति हर कठिनाई को पार कर अपनी मंजिल तक पहुंच सकता है और इसी भावना के साथ सरकार भी सुविधाओं के विस्तार के प्रति पूरी तरह संवेदनशील और प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ उसकी मर्यादा और पवित्रता को श्रद्धापूर्वक बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कैलाश मानसरोवर यात्रा से लौटे 555 श्रद्धालुओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दी जाने वाली आर्थिक सहायता केवल मदद नहीं, बल्कि एक संबल है, जो यह दर्शाता है कि सरकार हर कदम पर श्रद्धालुओं के साथ खड़ी है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह सहयोग भविष्य में तीर्थ यात्राओं को और सशक्त बनाने में सहायक होगा। साथ ही देवाधिदेव महादेव से प्रार्थना की कि यह यात्रा और सहायता सभी यात्रियों के व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक जीवन को और अधिक सुदृढ़ एवं समृद्ध बनाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम के दौरान मंच पर 10 श्रद्धालुओं को कैलाश मानसरोवर यात्रा पूर्ण करने पर एक-एक लाख रुपए के चेक वितरित किए। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं के साहस व आस्था की सराहना की। इस अवसर पर वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, विधायक ओ.पी. श्रीवास्तव, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, रामचंद्र प्रधान, अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति और धर्मार्थ कार्य विभाग अमृत अभिजात, उत्तर प्रदेश कैलाश मानसरोवर यात्रा समिति के अध्यक्ष के.के. सिंह एवं अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

संजय झा ने नीतीश कुमार को राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने का सौंपा प्रमाण पत्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार की सत्ता के शीर्ष पर लगभग दो दशक तक राज्य की कमान संभालने के बाद नीतीश कुमार अब संसद के उच्च सदन राज्यसभा में अपनी नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। नीतीश कुमार को राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र सौंपा गया है। जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने उन्हें आज प्रमाण पत्र प्रदान दिया है। संजय झा ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि राज्यसभा में उनकी (नीतीश कुमार) उपस्थिति से बिहार के विकास को नई गति मिलेगी। संजय झा ने अपने पोस्ट में लिखा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने का प्रमाण-पत्र सौंपने का अवसर मिला। इस दौरान पार्टी नेता संजय कुमार सिंह 'गांधी जी' भी उपस्थित रहे। उनका (नीतीश कुमार) सार्वजनिक जीवन नागरिकों की सेवा और बिहार के विकास को समर्पित रहा है। दूसरी ओर बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राजग के पांचों उम्मीदवारों को जीत के लिए बधाई दी है । एक्स पर उन्होंने लिखा कि बिहार की जय, एनडीए सदा तय। राज्यसभा चुनाव में नीतीश कुमार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के सम्मानित राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा और भाजपा के वरिष्ठ नेता शिवेश कुमार जी को राज्यसभा सदस्य के रूप में निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई एवं असंख्य शुभकामनाएं।

मुख्यमंत्री पहुंचे भागलपुर, रेलवे ओवरब्रिज का किया निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। समृद्धि यात्रा के चौथे चरण के तहत मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भागलपुर पहुंचे। हवाई अड्डे पर उतरते ही मुख्यमंत्री सीधे भागलपुर-बौंसी रेलवे लाइन पर निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज स्थल पर पहुंचे जहां मुख्यमंत्री ने चल रहे काम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मौजूद अधिकारियों से प्रगति रिपोर्ट की जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री जिले के बैजानी पंचायत के लिए रवाना हो गए, जहां वे विभिन्न योजनाओं की समीक्षा के साथ-साथ आम जनता से सीधा संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जिला प्रशासन पहले से सजग था। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

खुद को गोली मारने का मामला: युवक की मौत

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर इलाके में खुद को गोली मारने की घटना सामने आई है। 28 वर्षीय युवक की गोली लगने से मौत हो गई। मामले में पुलिस को घटना का वीडियो भी मिला है, जो मृतक के चचेरे भाई के मोबाइल फोन में रिकॉर्ड पाया गया है। पुलिस के अनुसार, 16 मार्च को वसुंधरा एन्क्लेव स्थित धर्मशिला अस्पताल से न्यू अशोक नगर थाने को एक एमएलसी के जरिए गोली लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम अस्पताल पहुंची, जहां गांव दल्लूपुरा निवासी पवन कुमार को अचेत अवस्था में लाया गया था। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि घटना दल्लूपुरा गांव में हुई थी। इसके बाद पुलिस की क्राइम टीम और फॉरेंसिक टीम ने अस्पताल और घटनास्थल दोनों जगहों का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए लाल बहादुर शास्त्री (एलबीएस) अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि पवन कुमार ने अपने चचेरे भाई हिमांशु की लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मारी थी। पुलिस ने मौके से पिस्टल और 10 जिंदा कारतूस जब्त कर लिए हैं। वहीं हिमांशु के मोबाइल फोन में घटना का वीडियो रिकॉर्ड मिला है, जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। शुरुआती जांच में वीडियो में पवन कुमार खुद हथियार संभालते हुए गोली चलाते दिखाई दे रहा है, जबकि हिमांशु मौके पर मौजूद था और वीडियो बना रहा था। पुलिस ने घटनास्थल और शव से जुड़े सभी फॉरेंसिक साक्ष्य भी जुटा लिए हैं। एमएलसी रिपोर्ट, वीडियो फुटेज और अन्य परिस्थितियों के आधार पर न्यू अशोक नगर थाने में बीएनएस की धारा 105 और आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर नंबर 146/26 दर्ज कर ली गई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है, ताकि घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पुष्टि की जा सके।

मोहाली में एलपीजी सिलेंडरों की कमी की अफवाह खारिज, प्रशासन सतर्क

मोहाली। पंजाब के मोहाली में घरेलू गैस (एलपीजी) सिलेंडरों की कथित कमी को लेकर फैल रही अफवाहों को जिला प्रशासन ने पूरी तरह खारिज कर दिया है। उपायुक्त मोहाली आशिका जैन ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि जिले में गैस की पर्याप्त आपूर्ति उपलब्ध है और किसी प्रकार की कमी नहीं है।उन्होंने बताया कि एलपीजी गैस की कालाबाजारी और जमाखोरी को रोकने के लिए विशेष विजिलेंस टीमें गठित की गई हैं। ये टीमें गैस एजेंसियों पर लगातार नजर रखेंगी और अनियमितताओं की जांच करेंगी।

चंडीगढ़ की एसएसपी कंवरदीप कौर को मिला सेवा विस्तार

चंडीगढ़। चंडीगढ़ की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (कानून-व्यवस्था) कंवरदीप कौर को गृह मंत्रालय की ओर से एक वर्ष का सेवा विस्तार दिया गया है। उनका तीन साल का कार्यकाल आठ मार्च 2026 को पूरा हो गया था। इस बीच वे अवकाश पर चली गई थीं, जिसके बाद एसएसपी का अस्थायी प्रभार एसएसपी ट्रैफिक सुमेर प्रताप को सौंपा गया था। कंवरदीप कौर ने एक साल के सेवा विस्तार के लिए आवेदन किया था, जिस पर पंजाब सरकार ने एनओसी जारी कर दी। इसके अलावा चंडीगढ़ प्रशासक से भी मंजूरी मिल गई थी। एमएचए स्तर पर भी फाइल को स्वीकृति मिल चुकी थी लेकिन अंतिम मंजूरी के लिए फाइल प्रधानमंत्री कार्यालय पहुंचने के कारण प्रक्रिया में कुछ समय लग गया।

अभिनेता एवं गायक गिप्पी ग्रेवाल को गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के नाम से मिली धमकी, ऑडियो वायरल

चंडीगढ़। पंजाबी फिल्म जगत के मशहूर अभिनेता और गायक गिप्पी ग्रेवाल को कथित तौर पर गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के नाम से धमकी भरी कॉल मिलने का मामला सामने आया है। इस कॉल का ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे फिल्म जगत और प्रशंसक के बीच चिंता का माहौल है। वायरल ऑडियो में कॉल करने वाले व्यक्ति खुद को गोल्डी बराड़ बताते हुए कहता है कि उसने कुछ दिन पहले भी गिप्पी ग्रेवाल को मैसेज भेजा था लेकिन उसका कोई जवाब नहीं मिला। उसने यह भी दावा किया कि उसने पाने एले को भी मैसेज किया है और दोनों से उसे बात करनी है।

एसएसबी 52 वीं बटालियन के कमांडेंट महेंद्र प्रताप का पिथौरागढ़ हुआ स्थानांतरण

अररिया। एसएसबी 52 वीं बटालियन के कमांडेंट महेंद्र प्रताप का स्थानांतरण एसएसबी के 55 वीं बटालियन पिथौरागढ़ हो गया है।कमांडेंट महेंद्र प्रताप के स्थानांतरण पर अररिया स्थित बटालियन मुख्यालय में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।जिसमें एसएसबी के अधिकारियों और जवानों ने भाग लिया और कमांडेंट महेंद्र प्रताप का सम्मान करते हुए उनको विदाई दी।एसएसबी के जवानों और अधिकारियों ने उन्हें बुके और फूलमाला के साथ उनके आगमन पर फूलों की बारिश की। मौके पर स्थानांतरित हुए कमांडेंट महेंद्र प्रताप ने कहा कि नौकरी में स्थानांतरण स्वाभाविक प्रक्रिया है।लेकिन 52 वीं बटालियन के अधिकारियों और जवानों द्वारा किए गए कार्यों को वह कभी भूल नहीं सकता।उन्होंने अधिकारियों और जवानों को कर्तव्य और अनुशासन के प्रति आगाह करते हुए ड्यूटी करते रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अररिया का कार्यकाल उनका यादगार कार्यकाल रहा है और सबों के सहयोग से सरहद की सुरक्षा के साथ अन्य दिए गए ड्यूटी का निर्वहन सदैव तत्परता के साथ करने में लगे रहे।

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने शीतलाखेत में सुनी जनसमस्याएं

अल्मोड़ा। सोमेश्वर विधानसभा क्षेत्र के शीतलाखेत में न्याय पंचायत सल्लारौतेला की समस्याओं को लेकर जन-जन की सरकार जन-जन के द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए अपनी समस्याएं रखीं। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने 50 से ज्यादा समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कराया। जन समस्याओं में टूटी नालियां, जर्जर सड़कें, पेंशन, फसल सुरक्षा के लिए तारबाड़, पेयजल, राशन कार्ड और खेल मैदान निर्माण जैसी प्रमुख मांगें सामने आईं। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए, जहां अधिकारियों ने मौके पर ही समस्याओं का समाधान किया। 400 से अधिक लोगों ने कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने दो पात्र महिलाओं लीला देवी और लक्ष्मी देवी को महालक्ष्मी किट वितरित की। मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि सरकार हर नागरिक की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है और जनता का विश्वास ही सरकार की नीतियों का आधार है।

दिल्ली में दो दिवसीय 'पॉलिटिकल साइंस कॉन्क्लेव 2026' का सफल आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। पॉलिटिकल साइंस सोसाइटी की ओर से दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) में दो दिवसीय 'पॉलिटिकल साइंस कॉन्क्लेव 2026' का सफल आयोजन किया गया। इसमें देशभर के 300 से अधिक विद्वानों, नीति-निर्माताओं और विशेषज्ञों ने समकालीन भारत में राजनीति, शासन और सार्वजनिक नीति को आकार देने वाले गंभीर विषयों पर मंथन किया।

इस सम्मेलन का शुभारंभ केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने किया। उन्होंने राजनीति विज्ञान को एक 'गतिशील अनुशासन' बताते हुए कहा कि यह न केवल शासन बल्कि कूटनीति और सार्वजनिक नीति को भी दिशा प्रदान करता है। विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष राम माधव ने अपने संबोधन में राजनीतिक सिद्धांत में भारतीय सभ्यतागत विचारों के साथ गहन जुड़ाव की आवश्यकता पर बल दिया तथा विद्वानों से औपनिवेशिक ढांचों से आगे बढ़ने का आग्रह किया। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे ने स्वतंत्रता के बाद की नीति-निर्माण प्रक्रिया में औपनिवेशिक धारणाओं के निरंतर प्रभाव पर प्रकाश डाला। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के पूर्व निदेशक डॉ. संजीव चोपड़ा ने राजनीतिक सिद्धांत को व्यवहार से सीखने की आवश्यकता पर बल दिया और शांति पर्व जैसी भारतीय परंपराओं तथा भारत में विकेंद्रीकरण सुधारों के अनुभवों का उल्लेख किया। इसके अलावा सत्रों में डॉ. निरंजन साहू (ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन), प्रो. अश्विनी महाजन, प्रो. अशोक आचार्य, प्रो. पम्पा मुखर्जी, प्रो. हरिहर भट्टाचार्य और प्रो. आशुतोष कुमार सहित कई विद्वानों ने अपने विचार साझा किए। इसके साथ ही हांस साइडल फाउंडेशन के प्रतिनिधियों और प्रसिद्ध शिक्षिका शुभ्रा रंजन ने भी सहभागिता की। इस सत्र की अध्यक्षता राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष प्रो एमपी सिंह ने की। दो दिनों तक (12-13 मार्च) चले विभिन्न सत्रों में कई ज्वलंत विषयों पर चर्चा हुई। इनमें डिकॉलोनाइजिंग पॉलिटिकल साइंस, प्रौद्योगिकी और लोकतंत्र, संघवाद और शासन शामिल हैं। समापन सत्र की अध्यक्षता हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्री प्रकाश सिंह ने की। इस अवसर पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) के अध्यक्ष राम बहादुर राय ने कॉन्क्लेव को ल्राजनीतिक विज्ञान का अर्ध कुंभ्ङ्क की संज्ञा दी और शैक्षणिक विमर्श में भारतीय बौद्धिक परंपराओं को अधिक स्थान देने का आह्वान किया। वहीं, जाजपुर के सांसद आर एन बेहरा ने संसदीय कार्यों में तकनीक की भूमिका पर चर्चा की। सम्मेलन के शैक्षणिक खंड में 12 समानांतर सत्र आयोजित किए गए। इनमें देशभर से आए शोधकर्ताओं ने 150 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए। इस आयोजन में इंडिया फाउंडेशन, ऋषिहुड विश्वविद्यालय, मिरांडा हाउस और हिंदू कॉलेज जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों का विशेष सहयोग रहा।

दिल्ली पहुंचने पर नितिन नवीन का भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष नितिन नवीन के बिहार से राज्यसभा में निर्वाचित होने के बाद दिल्ली आने पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा सहित प्रदेश नेताओं ने उनका एयरपोर्ट पर स्वागत किया। दिल्ली हवाई अड्डे पर स्वागत करने वालों में केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, सांसद मनोज तिवारी, योगेन्द्र चांदोलिया और बांसुरी स्वराज सहित कई प्रमुख नेताओं की उपस्थिति रही। इसके अलावा दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, आशीष सूद और रविन्द्र इंद्राज सिंह ने भी उनका स्वागत किया। दिल्ली नगर निगम में सदन के नेता प्रवेश वाही ने भी स्वागत किया। बड़ी संख्या में मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी और पुष्प वर्षा कर अपने नेता के प्रति उत्साह और समर्थन व्यक्त किया।

सीवान के निजी अस्पतालों पर बड़ी कार्रवाई शुरू, नियम तोड़ने वालों पर गिरेगी गाज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीवान। जिले के शहरी व प्रखंड क्षेत्रों में संचालित निजी हॉस्पिटल, नर्सिंग होम और जांच घरों पर मंगलवार से बड़े पैमाने पर छापेमारी अभियान शुरू हो गया है।

जिला प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई से स्वास्थ्य सेवाओं के निजी क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। प्रशासन को विभिन्न स्त्रोतों से मिली शिकायतों के आधार पर यह पाया गया कि कई निजी स्वास्थ्य संस्थान विभागीय दिशा-निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं और मरीजों के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ किया जा रहा है। इसी के मद्देनजर जिला मलेरिया पदाधिकारी डॉ ओपी लाल,जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ अरविंद कुमार एवं सीडीओ डॉ अशोक कुमार के नेतृत्व में तीन संयुक्त टीमों का गठन कर जांच शुरू कर दी गई है। सीडीओ डॉ अशोक कुमार के नेतृत्व में जांच टीम ने लगभग एक दर्जन नर्सिंग होम एवं जांच घरों की जांच की। जांच के दौरान कुछ ने कागज दिखाया तथा कुछ ने जांच टीम से समय मांगा.जांच के दौरान सबसे गंभीर बात यह सामने आई है कि कई संस्थान क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट्स अधिनियम, 2010 की धारा 11, 37 और 38 का उल्लंघन कर रहे हैं। बिहार क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट्स नियमावली, 2013 तथा केंद्र सरकार के 2012 और 2018 के संशोधित नियमों के तहत निर्धारित न्यूनतम मानकों,जैसे प्रशिक्षित स्टाफ, जरूरी उपकरण और बुनियादी सुविधाएं का भी पालन नहीं किया जा रहा है। जांच में अयोग्य कर्मियों द्वारा इलाज, जीवन रक्षक उपकरणों की कमी, बायो-मेडिकल कचरा प्रबंधन में लापरवाही और अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी जैसी खतरनाक अनियमितताएं चिन्हित की गई हैं, जो सीधे तौर पर मरीजों की जान को जोखिम में डालती हैं। यह पूरी कार्रवाई क्रिमिनल मिस. नंबर-10651/2025 (थाना बसंतपुर केस संख्या-626/2024) में पटना हाईकोर्ट द्वारा 13 मई 2025 को दिए गए आदेश के अनुपालन में की जा रही है। न्यायालय ने जिले के सभी निजी स्वास्थ्य संस्थानों की सघन जांच के स्पष्ट निर्देश दिए थे। जिलाधिकारी द्वारा तीन सदस्यीय टीमों का गठन किया गया है, जिन्हें 13 मार्च से एक सप्ताह के भीतर चिन्हित क्षेत्रों में गहन जांच कर साक्ष्य सहित रिपोर्ट सौंपनी है। सिविल सर्जन को पूरे अभियान की निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है।

कर्तव्य, समर्पण और सेवा का सजीव रूप नारी शक्ति : रेखा गुप्ता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि कर्तव्य, निःस्वार्थ समर्पण एवं सेवा जैसे मूल्यों से राष्ट्र की दिशा तय होती है और इनका सजीव रूप हमारी नारी शक्ति है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को यहां के निर्मल छाया कॉम्प्लेक्स में आयोजित 'नारी उत्सव' के अवसर पर कहा कि आज मातृशक्ति के इस अदम्य संकल्प और ऊर्जा का साक्षी बनने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि भारत की नारी शक्ति आज परिवर्तन की अग्रदूत है। गांवों के उद्यम से लेकर वैश्विक कॉरपोरेट तक, जनसेवा से लेकर रक्षा बलों तक, वह 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को गति दे रही है। दिल्ली में भी हमारा प्रयास है कि हर बहन, हर बेटी आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि आंगनवाड़ी क्रेच सेंटर, सहेली पिंक कार्ड, लखपति बिटिया योजना, कोलैटरल-फ्री लोन और सुरक्षित कार्य वातावरण जैसे कदम पोषण से प्रगति तक, सुरक्षा से स्वाभिमान तक के व्यापक दृष्टि का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि जब नारी शक्ति आगे बढ़ती है तब राष्ट्र नई ऊंचाइयों को प्राप्त करता है। यही विकसित भारत, विकसित दिल्ली की सबसे सशक्त नींव है।

मुख्यमंत्री धामी ने किया प्रयास बेहतर कल के लिए पुस्तिका का विमोचन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को सचिवालय में उत्तराखण्ड सचिवालय बैडमिंटन क्लब की प्रकाशित स्मारिका 'प्रयास बेहतर कल के लिए' का विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्मारिका के प्रकाशन के लिए क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की पहलें न केवल खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करती हैं, बल्कि सकारात्मक कार्य संस्कृति के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल मानव जीवन में अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने सचिवालय कर्मियों से नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य सुदृढ़ होता है, जिसका सकारात्मक प्रभाव कार्यकुशलता पर भी पड़ता है। मुख्यमंत्री ने स्मारिका में प्रकाशित लेखों, उपलब्धियों एवं गतिविधियों की सराहना करते हुए आशा व्यक्त की कि यह प्रकाशन आने वाले समय में और अधिक लोगों को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, सचिव विनय शंकर पांडेय, उत्तराखण्ड सचिवालय बैडमिंटन क्लब के अध्यक्ष हीरा सिंह बसेड़ा, प्रधान संपादक भूपेंद्र सिंह बसेड़ा,महासचिव प्रमोद कुमार, कोषाध्यक्ष चंदन बिष्ट, संयुक्त सचिव पुष्कर सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

हेमवती नंदन बहुगुणा आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत: धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा की पुण्यतिथि पर मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास में उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दूरदर्शी नेता और कुशल प्रशासक के रूप में बहुगुणा की पहचान आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय बहुगुणा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में सदैव जनहित को सर्वोपरि रखा और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य किया। उन्होंने कहा कि बहुगुणा एक जननेता के रूप में स्मरण किए जाते हैं, जिन्होंने सार्वजनिक जीवन में जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनके आदर्श आज भी समाज को दिशा प्रदान करते हैं। उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जनपद में जन्म 25 अप्रैल 1919 को जन्मे हेमवती नंदन बहुगुणा भारतीय राजनीति के एक प्रमुख नेता, कुशल प्रशासक और प्रभावशाली वक्ता के रूप में जाने जाते थे। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत स्वतंत्रता आंदोलन से की और बाद में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से जुड़कर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। वे वर्ष 1973 से 1975 तक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। अपने कार्यकाल में उन्होंने प्रशासनिक सुधार, ग्रामीण विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं पर विशेष जोर दिया। बाद में उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर अन्य राजनीतिक दलों के साथ भी कार्य किया और केंद्र सरकार में मंत्री पद संभाला। जनसंवेदनशील नीतियों और संगठनात्मक क्षमता के लिए उन्हें व्यापक सम्मान मिला। 17 मार्च 1989 को उनका निधन हो गया था।

मुख्य सचिव ने कैंचीधाम व भवाली-रातिघाट बाईपास का किया निरीक्षण, जून से पहले संचालन के निर्देश

नैनीताल। उत्तराखंड के मुख्य सचिव आनंद बर्धन मंगलवार को नैनीताल जनपद के दो दिवसीय भ्रमण पर पहुंचे। इस दोरान मुख्य सचिव ने कैंची धाम क्षेत्र में जाम की समस्या के समाधान हेतु भवाली-रातीघाट बाईपास, भवाली बाईपास तथा श्री कैंची धाम मंदिर में चल रहे निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि बाईपास मार्ग को पर्यटन सीजन से पूर्व जून माह तक हर हाल में प्रारंभ किया जाए। मुख्य सचिव ने लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता को निर्देशित किया कि भवाली-रातीघाट बाईपास में निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करते हुए यातायात सुचारु किया जाए। स्थायी मोटर पुल के निर्माण तक अस्थायी वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि कैंची धाम में बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करना प्राथमिकता है।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063